सोमवार
15 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

सीएम नीतीश कब लालटेन से लटकेंगे या कमल पर बैठेंगे किसी को नहीं पता : पीके

2

बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री बोले... मेरी कुर्सी किसी भी भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होगी

- अपर समाहताओं के साथ बैठक में बोले- विभाग की छवि सुधारें
- अधिकारियों से अपेक्षा करुंगा कि ईमानदारी से करें काम

केटी न्यूज/पटना

मेरी कुर्सी किसी भी भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होगी। जब मैं ईमानदारी से सब काम करना चाहता हूं तो अधिकारियों से भी अपेक्षा करुंगा कि वो भी अपना काम पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करें। बदलाव एक दिन या एक महीने में नहीं आएगा लेकिन जब इच्छाशक्ति मजबूत हो तो यह काम मुश्किल नहीं है। अंचल स्तर पर विभाग की बदनामी कम करने के लिए अपर समाहताओं को पहल करनी ही होगी। यह बात राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कही। वह रविवार को अपर समाहताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन पटना के शास्त्रीनगर स्थित सर्वे प्रशिक्षण संस्थान में किया गया।

बोले मंत्री- लोगों का भी कोई काम बिना पैसे के नहीं हो रहा

अंचल कर्मियों के भ्रष्टाचार की हर ओर शिकायतें

उन्होंने कहा जहां भी जा रहा हूं लोग अंचल स्तर के कर्मियों के भ्रष्टाचार की शिकायतें लेकर आ जा रहे हैं। राजस्व कर्मचारी और उनके नीचे स्तर के मुंशी और दलालों ने भू माफियाओं के साथ मिलकर स्थिति को और गंभीर बना दिया है। निर्धन लोगों का भी कोई काम बिना पैसे के नहीं हो रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हम भ्रष्टाचार के इस दाग से मुक्त हो सकते हैं? उन्होंने आह्वान किया कि मजबूत इच्छाशक्ति से इस बीमारी को ठीक किया जा सकता है। कहा अपर समाहर्ता इस महीने इस बीमारी को 10 फीसदी कम करने के साथ अभियान की शुरूआत करें।

कार्यालयों की नियमित व सघन जांच करते रहें

मंत्री ने कई मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि अपर समाहताओं का आदेश नीचे के राजस्व कार्यालयों में महीनों तक पेंडिंग पड़ा रहता है। अंचल अधिकारी/भूमि सुधार उप समाहर्ता उनका कंप्लायंस नहीं करते। आपका डर नीचे के अधिकारियों में होना चाहिए। इसके लिए नीचे के कार्यालयों की नियमित एवं सघन जांच करें। अंचलों में फीफो के उल्लंघन की संख्या बहुत ज्यादा है। उन्होंने 11073 फीफो उल्लंघन मामले का उदाहरण दिया और अधिकारियों को इससे संबंध एक कड़ा पत्र विभाग की तरफ से निकालने का निदेश भी दिया।

कार्य संस्कृति में बदलाव लाकर गड़बड़ी ठीक करें

मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने अतिक्रमण, अभियान बसेरा, सैरात बंदोबस्ती, सरकारी जमीन की सुरक्षा, म्युटेशन समेत राजस्व के विभिन्न विषयों की समीक्षा की और खराब प्रदर्शन करनेवाले जिलों को अपने कामकाज में सुधार लाने की नसीहत दी। अतिक्रमण के मामलों की समीक्षा के दौरान अतिक्रमण हटाने के मामले में प्रशंसनीय कार्य के लिए बांका जिले की तारीफ की जबकि मधुबनी जिले को कामकाज में सुधार लाने की नसीहत दी। कहा कार्य संस्कृति में बदलाव लाकर इसे ठीक किया जा सकता है।

हर माह अपर समाहताओं की बैठक अनिवार्य रूप से होगी

इस मौके पर विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि हरेक माह में अपर समाहताओं की बैठक अनिवार्य रूप से होगी। सभी अपर समाहताओं के कामकाज की रैंकिंग विभाग द्वारा तैयार की जा रही है जिसके आधार पर उनका आकलन किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि नीचे के कार्यालयों में शिकायतों का ठीक से निपटारा नहीं किया जा रहा है जिससे राज्य स्तर पर शिकायतें आ रही हैं। 60 से 70 फीसदी शिकायतें तो सिर्फ म्युटेशन से संबंधित हैं। अपने कार्यालय आए मुलाकातियों से निर्धारित अवधि में अवश्य मिलें।

पेंसिल्वेनिया में रैली के दौरान चली गोली, सुरक्षाबलों ने हमलावर को मार गिराया

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर जानलेवा हमला, कान को छूकर निकल गई गोली

- हमले में घायल डोनाल्ड ट्रंप का अस्पताल में चल रहा इलाज, अमेरिकी राष्ट्रपति ने घटना की निंदा की

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिका में इन दिनों चुनाव का माहौल है और राष्ट्रपति पद की दौड़ में आगे चल रहे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रैली में गोलियां चली हैं। इसमें ट्रंप घायल हो गए हैं। वह पेंसिल्वेनिया में रैली कर रहे थे, जब गोलियों की आवाज सुनाई दी। घटना के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें मंच से उतार दिया। अमेरिका सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिलमी ने कहा कि ट्रंप सुरक्षित हैं। सामने आए वीडियो की रैली में देखा जा सकता है कि जैसे ही गोली चलने की आवाज आती है तब ही अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति राइट हैंड से अपना दाहिना कान पकड़ लेते हैं। फिर उसे देखने को अपना हाथ नीचे लाते हैं और फिर वह पोडियम के पीछे अपने घुटनों के बल बैठ गए। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट का ग्रुप तुरंत उनको कवर कर लेता है। इस वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि ट्रंप के कान से खून निकल रहा है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घटना पर एक बयान भी जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है कि हमारे देश में ऐसा हो सकता है। इस समय हमलावर के बारे में कुछ भी पता नहीं है, जो अब मर चुका है। मुझे एक गोली लगी थी जो मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी थी। बहुत सारा खून निकल गया था तो मुझे एहसास हुआ कि क्या कुछ हो रहा है। इसके तुरंत बाद महसूस किया कि गोली स्किन को चीरती हुई निकल गई। डोनाल्ड ट्रंप ने फायरिंग के तुरंत बाद कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों का धन्यवाद किया है। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने एक बयान में कहा कि वह ठीक हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसा की अमेरिका में कोई भी जगह नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ट्वीट किया, मुझे पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यक्रम में हुई गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। डग और मैं राहत महसूस कर रहे हैं कि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

मेरे मित्र, डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा है, 'मेरे मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं। घटना की कड़ी निंदा करता हूं। राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं।

अमेरिकी मीडिया ने हमले की घटना को डरावना करार दिया

डोनाल्ड ट्रंप पर हमले को लेकर दुनियाभर से प्रतिक्रिया सामने आ रही है। अमेरिकी मीडिया ने ट्रंप पर हमले की घटना को डरावना करार दिया है और कहा कि जब ट्रंप पर हमला हुआ, वह डरावने पल थे। साथ ही कहा है कि अमेरिका में लोकतंत्र के लिए राजनीतिक हिंसा एक बड़ा खतरा है। रिपब्लिकन हाउस ओवरसाइट कमेटी ने सीक्रेट सर्विस के निदेशक किम्बर्ली चीटल को 22 जुलाई को सुनवाई में गवाही देने के लिए बुलाया है।

हमले का आरोपी थॉमस मैथ्यू रिपब्लिकन पार्टी से जुड़ा था

जांच में खुलासा हुआ है कि डोनाल्ड ट्रंप पर हमले का आरोपी थॉमस मैथ्यू क्रुक्स रिपब्लिकन पार्टी से ही जुड़ा था और वह नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में पहली बार वोट करने वाला था। अमेरिका में वोट देने की न्यूनतम उम्र 18 साल है। ट्रंप की जहां रैली हो रही थी, वहां से आरोपी 56 किलोमीटर दूर बेथल पार्क इलाके में रहता था। बेथल पार्क की निर्वाचन लिस्ट की जांच से आरोपी के रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े होने का पता चला। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से ही राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। ऐसे में रिपब्लिकन पार्टी समर्थक होने के बावजूद उसके पूर्व राष्ट्रपति व रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की घटना हैरान करने वाली है। आरोपी युवक को हमले के कुछ देर बाद ही सीक्रेट सर्विस के जवानों ने गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई।

किशनगंज में स्कॉर्पियो और डंपर में टक्कर चार महिलाएं व एक मासूम समेत 6 की मौत

केटी न्यूज/पटना

किशनगंज में दर्दनाक सड़क हादसे में आधा दर्जन लोगो की मौत हो गई। घटना जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र की है, जहां राष्ट्रीय उच्च पथ 327 ई पर पेटभरी चौक के समीप तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और डंपर में टक्कर हो गई। इस घटना में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे में चार महिलाओं के साथ-साथ एक मासूम और स्कॉर्पियो चालक की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पांच लोगो की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक मासूम की मौत किशनगंज एमजीएम मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हो गई है। वहीं पांच मासूम बुरी तरह घायल हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस का कहना है कि मृतक अररिया जिले के जोकिहाट के रहने वाले हैं, जो सिलीगुड़ी की तरफ जा रहे थे। हादसा के बाद घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और स्कॉर्पियो में फंसे चालक को किसी तरह से बाहर निकाला गया। घटना के संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अहमद हुसैन ने बताया कि मृतक सभी एक ही परिवार के थे और मासूमों के सर से परिजनों का साया उठ गया है। मृतकों की पहचान जोकीहाट थाना क्षेत्र के महादेवा निवासी शाहबुद्दीन के पुत्र स्कॉर्पियो चालक मो.इरशाद (30), अरतिया निवासी अबसर के पुत्र मो. अफ्फान (4), निवासी बागमारा निवासी मो खुर्शेद की पत्नी गुलशन आरा (27), थपकोल निवासी मुजाहिद की पत्नी गुड़िया बेगम (13) और बागमारा निवासी आयान (8 वर्ष) के रूप में की गई है।

रफ्तार के कहर ने ले ली जान

पीएम मोदी के ट्विटर पर 100 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर नई उपलब्धि हासिल की। पीएम मोदी 100 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले वैश्विक नेता बन गए हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन (38.1 मिलियन), दुबई के शाह शेख मोहम्मद (11.2 मिलियन) और पोप फ्रांसिस (18.5 मिलियन) जैसे अन्य विश्व नेताओं को काफी पीछे छोड़ दिया है।

46 साल बाद पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोला गया

एजेंसी/पुरी

ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार रविवार दोपहर 1.28 बजे खोल दिया गया है। इस दौरान भंडार गृह में सरकार के प्रतिनिधि,एएसआई के अधिकारी, श्री गजपति महाराज के प्रतिनिधि समेत 11 लोग मौजूद हैं। मंदिर का खजाना आखिरी बार 46 साल पहले 1978 में खोला गया था। ओडिशा सरकार ने भंडार खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार को फिर से खोलने के लिए गठित पैनल के अध्यक्ष और ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस विश्वनाथ रथ ने कहा कि जैसा कि तय किया गया था और जैसा कि सभी जानते हैं, सरकार ने तीन हिस्सों के लिए जरुरी एसओपी जारी कर दी है। इसमें एक रत्न भंडार को खोलने के लिए है और फिर दोनों भंडारों में रखे हुए गहनों और कीमती सामानों को गर्भगृह के अंदर पहले से तय किए गए कमरे में ले जाना है।

जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा के पास सेना ने 3 आतंकियों का मार गिराया

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा के पास सुरक्षाबलों ने रविवार को 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों लाइन ऑफ कंट्रोल से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इनके पास से पिस्तौल, गोला-बारूद बरामद किए गए। तीनों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। मामले में जांच जारी है। इससे पहले 22 जून को जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को मार गिराया था। घटना गोहलन इलाके में हुई थी। वहीं, 19 जून को जम्मू-कश्मीर के बारामूला के हादीपोरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर हुआ था, जिसमें दो आतंकी मारे गए, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का एक जवान और एक पुलिसकर्मी घायल हुए। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों द्वारा अपनाई गई संरक्षण और समेकन रणनीति के छिपे हुए खतरे से जूझ रही है।

मणिपुर में घात लगाए बदमाशों ने सीआरपीएफ पुलिस टीम पर किया हमला, एक जवान शहीद

एजेंसी/इंफाल

मणिपुर में हिंसा की आग थमने का नहीं ले रही है। राज्य के जीरीबाम में बदमाशों ने सीआरपीएफ और राज्य पुलिस की टीम पर हमला किया। घात लगाकर किए गए हमले में एक सीआरपीएफ का जवान शहीद हो गया है और करीब तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने सुबह करीब 9:40 बजे 20वीं बटालियन सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस की एक टीम को निशाना बनाया।

घटना उस समय हुई जब टीम शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना से संबंधित सर्च ऑपरेशन के लिए मोनबुंग गांव की तरफ जा रही थी। शहीद हुए सीआरपीएफ जवान की पहचान बिहार के रहने वाले अजय कुमार झा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायल हुए तीन जवानों में जिरीबाम पुलिस स्टेशन का एक सब-इंस्पेक्टर (रक) भी शामिल है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, ह्यमैं आज जिरीबाम जिले में कुकी उग्रवादियों के संदिग्ध एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में सीआरपीएफ के एक जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। कर्तव्य की राह पर उनका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

देश के रक्षा उत्पाद सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यूपी में आकार ले रहा डिफेंस कॉरिडोर

डिफेंस कॉरिडोर में वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर रही सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

देश को रक्षा उत्पाद के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में आकार ले रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में योगी सरकार वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कर रही है। इसके लिए सरकार की ओर साढ़े 9 सौ करोड़ रुपए खर्च किये जा रहे हैं। इसके अंतर्गत डिफेंस कॉरिडोर में सड़क, बिजली, पानी, सीवर और सुरक्षा के उच्चकोटि के प्रबंध किये जा रहे हैं। प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के 6 नोड हैं, जिनमें से 5 नोड के लिए ये रकम तय की गई है। यूपीडा के अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अबतक करीब 187 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो गये हैं। वहीं 537 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निमार्णाधीन हैं।

झांसी नोड में सर्वाधिक 517 करोड़ रुपए हो रहे खर्च: यूपीडा की ओर से कराए जा रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्यों में अलीगढ़, कानपुर, झांसी, लखनऊ और चित्रकूट नोड में 941.19 करोड़ खर्च होने हैं। इसमें अलीगढ़ नोड के लिए 122 करोड़ से अधिक खर्च किये जा रहे हैं। यहां 37 करोड़ से अधिक के कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 61 करोड़ से अधिक के कार्य निमार्णाधीन हैं। वहीं 13 करोड़ से अधिक के कार्यों का टेंडर हो चुका है। इसके अलावा तकरीबन 10 करोड़ रुपए आगामी कार्यों के लिए रखा गया है। इसी प्रकार कानपुर नोड के लिए 62 करोड़ से अधिक खर्च किये जाएंगे। यहां भी 32 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य हो चुके हैं, 16 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निमार्णाधीन हैं, जबकि 13 करोड़ से अधिक के कार्य के टेंडर हो चुके हैं। ऐसे ही झांसी के लिए सर्वाधिक 517 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य हो रहे हैं। इसमें 102 करोड़ से अधिक के कार्य हो चुके हैं, 376 करोड़ से अधिक के कार्य निमार्णाधीन हैं, जबकि 37 करोड़ से अधिक आगामी कार्यों के लिए रखे गये हैं।

लखनऊ नोड में 82 करोड़ के कार्य निमार्णाधीन: वहीं लखनऊ नोड की बात करें तो यहां 166 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य हो रहे हैं, जिसमें से 14 करोड़ से अधिक के कार्य हो चुके हैं, जबकि 82 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निमार्णाधीन हैं। यहां पर 13 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का टेंडर हो चुका है, जबकि 56 करोड़ रुपए से अधिक आगामी कार्यों के लिए रखे गये हैं। इसी प्रकार चित्रकूट नोड में 71 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किये जाएंगे।

बागमती का जलस्तर बढ़ने पर कई पंचायतों का संपर्क टूटा, आवागमन बाधित

- स्कूल कॉलेज में घुसा बाढ़ का पानी, पठन-पाठन कार्य पूरी तरह से बाधित
- बाढ़ के पानी से रोजी रोटी पर पड़ा असर

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में रविवार को हुई बारिश और नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बरसात से एक बार फिर बागमती नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। बागमती का जलस्तर बढ़ने से निचले हिस्से में बाढ़ का असर देखा जा रहा है। इसकी वजह से कटरा प्रखंड में बकुची में पीपा पुल पर वाहनों का परिचालन बंद हो गया है। लोग जान जोखिम में लेकर अभी भी आवाजाही कर रहे हैं। स्थानीय किसानों, मजदूरों और व्यवसायियों में बाढ़ को लेकर दहशत की स्थिति बनी हुई है। यही नहीं बल्कि कटरा के बकुची डिग्री कालेज में भी पानी घुस गया है। इसके साथ ही स्कूल में भी पानी घुस जाने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। जानकारी के मुताबिक, बीते दो दिनों में हुई बारिश के बाद बागमती के जलस्तर में करीब एक फुट की वृद्धि होने के साथ समस्या बढ़ गई है। पश्चिमी भाग में स्थित बांध होने के कारण बकुची स्थित डिग्री कालेज पानी से घिर गया है। इसी के साथ कालेज के बरामदे के अलावा वर्ग कक्ष में भी दो फुट तक पानी प्रवेश कर गया है। बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए एसडीएम पूर्वी अमित कुमार ने बताया कि कुछ जगहों पर पानी ने प्रवेश किया है। बागमती नदी अभी खतरे के निशान के नीचे है। मौके पर अंचल अधिकारी कैंप कर रहे हैं और आपदा प्रबंधन विभाग भी अलर्ट पर है।

बाढ़ ने कर दिया था पुल को ध्वस्त, 50 गांव के लोग परेशान

गया। बिहार में इन दिनों पुल-पुलिया गिरने का लगातार सिलसिला जारी है और बिहार के कई इलाकों में पुल पुलिया नदी में समाहित हो रहे हैं। इसी कड़ी में गया जिले के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बाराचट्टी प्रखंड के भगवती गांव से शर्मा गांव के बीच गुलसकरी नदी पर 24 साल पहले बना पुल ग्रामीणों के लिए शोभा की वस्तु बन गया है। क्योंकि वर्ष 2000 में लाखों रुपये के फंड से इस नदी पर पुल का निर्माण कराया गया था। ताकि इस क्षेत्र के तकरीबन 50 गांव को लाभ मिल सके। लेकिन, पुल निर्माण के चंद माह के बाद पहली बरसात में ही नदी में आये सैलाब से ध्वस्त हो गया। उसके बाद आज तक इस पुल का निर्माण नहीं हो सका है। इस पुल का निर्माण पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में कराया गया था। इसके निर्माण को लेकर लाखों रुपये का फंड निर्गत किए गए थे। उसके बाद पुल का निर्माण हुआ था। लेकिन, उद्धघाटन के पहले ही नवनिर्माण पुल नदी की तेज धारा में ध्वस्त हो गया। जिसके बाद से आज तक इसका पुनःनिर्माण का कार्य नहीं किया गया है। वहीं पुलिया के निर्माण नहीं होने के कारण इस क्षेत्र के 50 गांव के ग्रामीणों को दो मिनट का रास्ता घंटो में तय करना पड़ता है।

नारियल गोदाम में लगी भीषण आग, करीब 45 लाख की संपत्ति का नुकसान

केटी न्यूज/नालांदा

नालांदा में एक बंद पड़े गोदाम से आग की लपटें और धुंआ निकलने लगा। आग लगने की सूचना उन्हें स्थानीय लोगों से पता चली। इसकी जानकारी गोदाम मालिक व उनके परिजनों के दी गई। सभी गोदाम पर पहुंचे। फिर अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों द्वारा करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोदाम में लगी आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा नारियल और मूंगफली जलकर राख हो चुका था। पीड़ित आशंका व्यक्त कर रहें हैं कि शॉर्ट सर्किट की वजह से गोदाम में आग लगी है, जिसके कारण करीब 45 लाख रुपये का नुकसान हो गया है। वहीं, इस मामले में दीपनगर थानाध्यक्ष नारद मुनि सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात बताई जा रही है। नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के साठोपुर मोहल्ला स्थित विकास ट्रेडर्स नामक नारियल और मूंगफली के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। करीब 45 लाख रुपये मूल्य का सूखा नारियल, मूंगफली जल गया है।

जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने एक बार फिर साधा नीतीश पर निशाना

सीएम नीतीश कब लालटेन से लटकेंगे या कमल पर बैठेंगे किसी को नहीं पता : पीके

- गांव-गांव घूमकर मथकर आपके बीच से ऐसे लोगों को निकालेंगे, जो आपके बच्चों के लिए बढ़िया पढ़ाई-रोजगार की व्यवस्था करें

केटी न्यूज/सहरसा

बिहार की राजनीति में अपनी पैठ बनाने में लगे जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर लोकसभा चुनाव के बाद फिर से सक्रिय हो गए हैं। प्रशांत किशोर ने सहरसा के सोनबरसा प्रखंड से पदयात्रा शुरू की। प्रशांत किशोर ने लालू-नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि लोग कहते हैं कि हमारे पास विकल्प ही नहीं है, हम किसको वोट दें बिहार में तो दो ही दल है, एक लालू प्रसाद का लालटेन और दूसरा नरेंद्र मोदी का भाजपा। पीके ने कहा कि नीतीश जी का पता ही नहीं कि कब वे लालटेन पर लटकेंगे और कब कमल के फूल पर बैठ जाएंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी दल का नहीं, लोग कहते है कि मैं जिसका भी हाथ पकड़ता हूं वो राजा बन जाता है। इस बार संकल्प लेकर आए हैं। किसी दल और नेता का नहीं, आपका हाथ पकड़े हैं। जैसे आप दही को मथकर मक्खन निकालते हैं, वैसे ही गांव-गांव घूमकर मथकर आपके बीच से ऐसे लोगों को निकालेंगे। जो आपके बच्चों के लिए बढ़िया पढ़ाई-रोजगार की व्यवस्था करे।

पीके ने कहा कि आपके पास पैसा-संसाधन नहीं है तो कोई बात नहीं है। आपको राजनीति की समझ नहीं है तो कोई बात नहीं है। आपके बाप-दादा राजनीति में नहीं है तो कोई बात नहीं है। बिहार में व्यवस्था बदलने के लिए, अपने बच्चों के तकदीर के लिए नया विकल्प बनाना है तो व्यवस्था, राजनीति की चिंता अपने भाई-बेटे प्रशांत किशोर पर छोड़िए। आप खड़े होईए, हम आपकी मदद में लगेंगे और समाज को जोड़कर नई व्यवस्था बनाइए। जो आपके विकास के रास्ते पर ले जाए। आप दूसरे राज्य में मजदूरी करने के लिए नहीं बने है। परंतु आपको जबरन मजदूर बना दिया जा रहा है। वह भी दूसरे प्रदेश में। इसे हम सभी को समझना होगा। तभी आगे बढ़ेगे।

विकसित और समृद्ध समाज का निर्माण के लिए सभी को करना होगा प्रयास

सहरसा। पदयात्रा में प्रशांत किशोर के साथ चल रहे जन सुराज अभियान के युवा जिलाध्यक्ष सहरसा जिला के सर्वांगीण विकास के लिए वर्षों से सड़क पर संघर्ष करने वाले युवा नेता सोहन झा, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना, सहरसा जन सुराज के ज़िला महासचिव नवल किशोर सिंह जिला अभियान समिति के संयोजक अमृतराज कुमार एवं ज़िला कार्यालय प्रभारी विमल किशोर झा, ज़िला अभियान समिति के सदस्य समीम अनवर ने बताया कि बिहार वासियों के लिए प्रशांत किशोर में बिहार को बदलने की काबिलियत है। वो जिस बिहार की परिकल्पना लेकर पिछले दो वर्षों से बिहार के गांव-गांव में वर्षात में ठंडा में गर्मी में लगातार पदयात्रा कर बिहार के लोगों को जगाने का प्रयास कर रहे है वो कामयाब जरूर होंगे। बिहार के लोगो में जन सुराज को लेकर काफी उत्साह दिख रहा है। हजारो की संख्या में लोग पीके को सुनने आते है उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहते है। पीके आम आदमी के दर्द की बात करते है। वह राजनीति में चेतना पैदा कर रहे है। इस कारण दूसरे दलों को परेशानी हो रही है। क्योंकि जाति-पांति की बात नहीं करते है। सर्वांगणिक विकास की बात करते है। ये संकेत है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में जन सुराज की सरकार होगी और बिहार में जिस व्यवस्था परिवर्तन की बात पीके करते हैं वो पूरा होकर रहेगा और बिहार में एक विकसित और समृद्ध समाज का निर्माण होगा। इसके लिए सभी को प्रयास करना होगा।

एस.सिद्धार्थ बने अनुग्रह नारायण सामाजिक संस्थान के नये निदेशक

केटी न्यूज/ पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ को एक और बड़ी जिम्मेवारी दी गयी है। अनुग्रह नारायण सामाजिक संस्थान के नये निदेशक एस. सिद्धार्थ बनाये गये हैं। उन्हें अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसे लेकर शिक्षा विभाग की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गयी है। शिक्षा विभाग की जारी अधिसूचना के अनुसार शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव को अनुग्रह नारायण सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वही शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ को यह प्रभार दिया गया है। एस सिद्धार्थ अनुग्रह नारायण सामाजिक संस्थान के नये निदेशक भी होंगे। तत्काल प्रभाव से यह आदेश लागू हो गया है। बता दें कि एस सिद्धार्थ शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं अब इन्हें अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म, प्रेमी ने दोस्तों के साथ मिलकर की दरिंदगी

- महिला थाना प्रभारी ने पीड़ित छात्रा का सदर अस्पताल में मेडिकल कराकर दर्ज कर लिया केस
- पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर कर रही है पुछताछ

केटी न्यूज/भागलपुर

भागलपुर में नाबालिग लड़की के साथ दरिंदगी हुई है। इस घिनौनी हरकत को अंजाम किसी और ने नहीं बल्कि उसके प्रेमी ने दी है। वह भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर। प्रेमी ने उसे मिलने के हवाई अड्डा मैदान बुलाया। कुछ देर बातचीत के बाद उसके साथ गंदी हरकत करने लगा। लड़की ने विरोध किया तो उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। अब लड़की और उसके परिजनों ने न्याय की गुहार लगा रहे हैं। घटना तिलकामांझी थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि छात्रा 11 जुलाई गुरुवार की शाम अपने प्रेमी से मिलने मिलने गई थी, जहां पहले से ही उसके तीन अन्य दोस्त मौजुद थे। लड़की को पहले ही कुछ अनहोनी होने की भनक थी। हालांकि, प्रेम प्रसंग के कारण उसने अपने प्रेमी से कुछ भी नहीं कहा। इसके बाद वे दोनों आपस में बातचीत करने पहले प्रेमी ने उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की। इसका विरोध करने पर अन्य साथियों ने मिलकर नाबालिग के साथ बलात्कार किया। इस दौरान लड़की चीखती-चिल्लाती रही लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया घटना के बाद पीड़िता ने आपबीती मां से सुनाई तो वह भी हैरान रह गई। पीड़िता अपनी मां के साथ तिलकामांझी थाने पहुंची। इसके बाद थाने में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने पीड़िता को महिला थाने भेज दिया। महिला थाना प्रभारी किरण सोनी ने पीड़ित छात्रा का सदर अस्पताल में मेडिकल कराकर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। दोनों के मोबाइल की भी जांच की जा रही है। मामले की जांच चल रही है।

फोरलेन पर फल कारोबारी को कंटेनर ने रौंदा, मौके पर मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक तेज रफ्तार कंटेनर ने एक फल व्यवसायी को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद कंटेनर भी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर रुक गया। यह घटना मुजफ्फरपुर-दरभंगा फोरलेन एनएच-57 स्थित गरहां चौक पर हुई। वहीं, इस घटना के बाद चौक पर अफरातफरी मच गई और स्थानीय लोगों और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। मृतक फल व्यवसायी की पहचान गरहां वार्ड-5 निवासी गजाधर महतो के रूप में की गई है। वहीं, इस घटना से आक्रोशित ग्रामीण और परिजनों ने एनएच जाम कर दिया। इस दौरान परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मामले की सूचना पर पहुंचे सीओ विश्वजीत सिंह, गरहां थानाध्यक्ष आशीष ठाकुर, बोचहां थानाध्यक्ष राकेश कुमार यादव सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे।

रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी गरीबों के लिए कुछ किये होते तो अच्छा होता

बोले जीतन मांझी... अनंत अंबानी की शादी में शान-शौकत पर खर्च हुआ फिजूल का पैसा

- बोले मंत्री-भव्यता की अमीरी के प्रदर्शन में हम एडस्ट नहीं कर पाते, इसलिए नहीं गये

केटी न्यूज/पटना

रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी के बेटे की शादी को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बड़ा बयान दिया है। कहा कि मुकेश अंबानी की शादी में पैसे की बबार्दी की गयी है। शान शौकत के लिए करोड़ों रुपये पानी की तरह झोंक दिया गया यदि मुकेश अंबानी गरीबों के लिए कुछ करते उनके उत्थान के लिए कुछ करते तो बेहतर होता। जहानाबाद में मीडिया कर्मियों ने जब पूछा की मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में क्यों नहीं गये। मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम बहुत छोटे तबके के लोग में से हैं। जिस संस्कृति में वहां स्वागत हुआ बारात थी हमको ऐसा लगा कि फूहड़ ड्रेस में लोग उस शादी में थे। सारा अंग हम देख रहे थे। वैसे में हम अपनी बहू-बेटी को कैसे ले जाते। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आगे कहा कि जिस प्रकार से मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में लोग सूट और पैंट पहनकर कमर हिलाते और नाचते दिख रहे थे वहां जाकर हम करते क्या। वहां जाना मेरे लिए ठीक नहीं था इसलिए नहीं गये लेकिन मुकेश अंबानी को न्योता भिजवा दिये हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाना इसलिए हमने उचित नहीं समझा क्योंकि उस भव्यता में अमीरी के प्रदर्शन में हम एडस्ट नहीं कर पाते। हमको निमंत्रण मिला था हम नहीं गये हमने सोचा कि जितना ठाठ बांट और आधुनिकता से वो लोग काम करते हैं और हमलोग गांव के आदमी हैं। हम लोग उस भव्यता में कही छिप ना जाएं इसलिए मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में नहीं गये। अनंत अंबानी की शादी में धन का प्रदर्शन खूब किया गया है। यदि यह प्रदर्शन गरीबों के उत्थान के लिए किया जाता तो बहुत अच्छा होता। मुकेश अंबानी ने अपनी शान शौकत के लिए लाखों करोड़ों रुपये झोंक दिया। मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में 12 जुलाई को देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे शाही शादी हुई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट शादी के बंधन में बंध गये। इस शादी समारोह में देश और विदेश के कई मेहमान शामिल हुए। 13 जुलाई को वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए अंबानी परिवार ने एक स्पेशल इवेंट शुभ आशीर्वाद का ऑर्गेनाइज किया था। जिसमें पीएम मोदी भी शामिल हुए और वर-वधू को आशीर्वाद दिया और आज रिसेप्शन पार्टी है। आज भी कई वीवीआईपी इस शादी में शामिल होंगे। शादी में शामिल होने वाले गेस्ट ने अनंत अंबानी और राधिका को कीमती उपहार भेंट किया।

तटबंध में कटाव देख भड़के डीएम, तत्काल मरम्मत के दिए निर्देश

♦ कटाव के मरम्मत में लापरवाही बरतने वाले ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता से पूछा शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

बाढ़ की तैयारी के मद्देनजर डीएम अंशुल अग्रवाल ने सिमरी, चक्की एवं ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत कोईलवर तटबंध का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में नैनीजोर-ब्रह्मपुर मुख्य पथ पर धर्मागतपुर गांव के पास तटबंध पर बनी सड़क में कटाव पाया गया। जिससे वाहनों के परिचालन एवं आम जनों को आवागमन में समस्या उत्पन्न हो रही है। इस दौरान डीएम ने आस पास में मौजूद लोगों से पूछताछ की गई तो आम जनों द्वारा बताया गया कि इस संबंध में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके बाद डीएम ने ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल डुमरांव के कार्यपालक अभियंता से कटाव का अबतक मरम्मत क्यों नहीं किया गया इस संबंध में पूछताछ की तो उन्होंने संतोषप्रद उत्तर नहीं दिया। डीएम ने इसपर नाराजगी जताई और कहा कि इससे स्पष्ट हो रहा है कि आपने नियमित रूप से अनुश्रवण नहीं किया है, जो चिंताजनक है। डीएम ने इस लापरवाही पर कार्यपालक अभियंता से स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। जबकि डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार को कार्यपालक अभियंता से समन्वय स्थापित कर उक्त कटाव की शीघ्र मरम्मत करवाने का निर्देश दिया।

इस बार जताई जा रही है बाढ़ की आशंका : बता दें कि पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश तथा गंगा एवं उसके सहायक नदियों के जल स्तर में उफान से इस बार बक्सर जिले में बाढ़ की आशंका बनी हुई है। आपदा विभाग द्वारा भी इस बार बाढ़ आने की चेतावनी जारी की गई है। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने समय रहते तैयारियां शुरू कर दिया है, ताकी बाढ़ आने पर लोगों को खास परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। यही कारण है कि डीएम लगातार तटबंधों का निरीक्षण कर रहे है तथा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अद्यतन स्थिति को परखने के साथ ही आवश्यक निर्देश दे रहे है।

गंगा का जलस्तर हुआ स्थिर

बता दें कि पिछले एक सप्ताह से गंगा के जल स्तर में लगातार वृद्धि हो रही थी। पिछले तीन दिनों से 2 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से जल स्तर बढ़ रहा था। जिसे देखते हुए भी जिला प्रशासन सतर्क हो गया था। हालांकि रविवार की सुबह 51.560 सेमी पर पहुंचने के बाद से जल स्तर स्थिर था। सुबह के चार बजे के बाद जल स्तर में वृद्धि थम गई है। हालांकि अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में फिर से जल स्तर में वृद्धि शुरू होगी। बता दें कि शनिवार की सुबह जल स्तर 51.420 सेमी दर्ज किया गया था।

खबरें फटाफट

साहित्यकार मीरा सिंह होंगी सम्मानित

डुमरांव। साहित्यकार सह शिक्षिका मीरा सिंह मीरा को अखिल भारतीय पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में मां राजपति देवी स्मृति सम्मान समारोह प्रयागराज में देश की 59 साहित्यकार महिलाओं को अगामी 21 जुलाई 2024 को सम्मानित किया जाएगा। गौरव की बात यह है कि जिले की शिक्षिका डॉ. मीरा सिंह मीरा जो साहित्य में काफी रूची रखती हैं, उन्होंने भी सम्मानित किया जाएगा। मीरा कोई नाम की परिचय की मोहताज नहीं हैं, अपनी कलम की बदौलत साहित्य जगत में विशेष स्थान बनाई हैं। इसके पूर्व भी कईबार सम्मानित हो चुकी हैं। इसबार का सम्मान इनकी कृति बच्चों की दुनिया हेतु प्रदान किया जा रहा है। इनको यह सम्मान मिलने से शिक्षक और साहित्यकार जगत में खुशी का माहौल है।

भगवान शिव की होगी प्राण प्रतिष्ठा

डुमरांव। जंगल बाजार रोड में अति प्राचीन मंदिर जो खिरिया ब्रह्मबाबा के नाम से मशहूर है, इसका जीर्णोद्धार कर मंदिर का निर्माण किया गया है। इस मंदिर में शंकर भगवान मूर्ति को स्थापित किया गया है। इसका प्राण प्रतिष्ठा सोमवार का किया जाएगा। इसकी सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस आयोजन में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही प्रसाद ग्रहण करने के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

सदर अस्पताल की रसोईया का पुत्र लापता

चौसा। सदर अस्पताल में रसोईयां का 15 वर्षीय पुत्र विगत शनिवार को देर शाम से लापता हो गया। हालांकि, स्वजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद कुछ पता नहीं चलने पर मुफस्सिल थाने में आवेदन दी गई है। इसकी घटना की जानकारी के बाद पुलिस मामले में खोजबीन शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना के कमरपुर गांव निवासी गुरुचरण सिंह का पुत्र धनजी कुमार शाम के वक्त गांव में ही खेल रहा था। इस दौरान उसकी पत्नी संजू देवी सदर अस्पताल गई थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद वह नौ बजे रात्रि घर पहुंची जहा उसका पुत्र नजर नही आया। तो घर मे पूछताछ की तो पता चला कि वह खेलने गया है। उसे ढूढने के लिए वे लोग गए तो धनजी का पता नही चल सका।

निर्धारित रकम की शर्त पर अंचल कार्यालय के कर्मचारियों को आवंटित किया रहा है हल्का

पैसा का खेल... डुमरांव में सीओ बेच रहे हैं हल्का, राजस्व कर्मचारी लगा रहे बोली !

♦ अंचल निरीक्षक के पास है शहरी क्षेत्र के महत्वपूर्ण दोनों हल्का

केटी न्यूज/डुमरांव

जिस तरह बड़े व्यवसायी व्यवसाय में मुनाफा के लिए प्लानिंग करते हैं, ठीक उसी तर्ज पर डुमरांव अंचल कार्यालय की गतिविधियां काम कर रही हैं। सरकार के नियम और निर्देश ताक पर रखकर मुनाफा का उपाय निकाला जा रहा है। मामला राजस्व कर्मचारियों को हल्का आवंटन का है। सरकारी निर्देश के अनुरूप राजस्व कर्मचारी को एक हल्का में लंबे समय तक रखना है। ताकि वह स्थानीय स्थिति एवं परिस्थिति से भली भांति अवगत रहे। जिससे आपात स्थिति एवं आपदा के समय राजस्व कर्मचारी सहूलियत एवं सुविधाजनक ढंग से काम कर सके। डुमरांव अंचल कार्यालय के प्रधान सहायक उपेंद्र सिंह भी मानते हैं कि एक राजस्व कर्मचारी को एक हल्का में निश्चित रूप से एक वर्ष जरूर रखा जाता है।

पिछले अंचल पदाधिकारी अंकिता सिंह द्वारा पांच माह पूर्व ही राजस्व कर्मचारियों को हल्का आवंटित किया था। राजस्व कर्मचारी अपने हल्का को ठीक ढंग से समझ भी नहीं पाए थे कि मार्च महीना में योगदान देने वाले अंचल पदाधिकारी शमन प्रकाश ने एक पखवाड़े पूर्व राजस्व कर्मचारियों का हल्का बदल दिया। दबी जुबान से राजस्व कर्मचारी भी स्वीकार करते हैं कि प्रत्येक हल्का के लिए अलग-अलग निर्धारित रकम रखी गई है। जिसे प्रत्येक कर्मचारी को निर्धारित तिथि तक कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है। अन्यथा पुनः हल्का बदलने की धमकी दी जा रही है।

अंचल निरीक्षक के पास है सबसे मलाईदार हल्का : अंचल निरीक्षक संजय यादव के पास पहले डुमरांव शहर के अलावे मुंगाव हल्का था। उसे बदलकर अब उन्हें डुमरांव मौजा के अलावा भोजपुर जदीद हल्का दिया गया है। जो नगर परिषद का विस्तारित क्षेत्र तथा सबसे कीमती जमीन वाला हल्का है। रामबदन तिवारी के पास पहले कुशलपुर के अलावा कोरानसराय हल्का था। अब उनके पास उक्त दोनों हल्का के अलावा मठिला हल्का भी आवंटित किया गया है। मिलन कुमार के पास पहले छतनवार और चिलहरी हल्का था। अब उनके पास अटांव, नंदन एवं नुआंव हल्का है। सुजीत ठाकुर के पास पहले भोजपुर कदीम तथा भोजपुर जदीद हल्का था। अब उनके पास सोवा तथा लाखनडिहरा हल्का बचा है। मनोहर कुमार के पास पहले कसिया, मठिला तथा कनझरूआ हल्का था।

राजस्व कर्मचारी के दायित्व

- जमीन का दाखिल खारिज करना
- जमीन का खतियान से मिलान कर जमाबंदी सुधारना
- हल्का क्षेत्र में आपदा प्रबंधन की स्थिति की देखरेख करना
- हल्का क्षेत्र के सरकारी व गैर सरकारी जमीन का प्रतिवेदन राजस्व कर्मचारी को देना।
- हल्का क्षेत्र के किसी व्यक्ति का आय व आवास प्रमाण पत्र पर राजस्व कर्मचारी अनुशंसा करता है।
- पंचायत में राजस्व कर्मचारी की भूमिका एवं इसका प्रतिवेदन महत्वपूर्ण होता है।
- पंचायत में राजस्व कर्मचारी सरकार का प्रतिनिधित्व करता है।

कई कर्मचारियों के पास आवंटित है तीन-तीन हल्का

अंचल पदाधिकारी के नए आदेश में कसिया और कनझरूआ हल्का में ही संतोष करना पड़ रहा है। राजू कुमार के पास पहले बेलामोहन तथा लाखनडिहरा हल्का था। अब उनके पास सिर्फ मुंगाव हल्का बचा है। रितेश कुमार के पास पहले नंदन तथा अटांव हल्का था। अब उन्हें सिर्फ एकमात्र हल्का अरियांव को लेकर सब्र करना पड़ रहा है। कार्यालय के आंकड़े इस बात के गवाही दे रहे हैं कि कई कर्मचारी के पास तीन-तीन हल्का आवंटित है तो कई को सिर्फ एक हल्का से संतोष करना पड़ रहा है। ऐसे में कार्यालय सूत्रों के इस दावा को मजबूती मिल रहा है सीओ बेच रहे हैं हल्का, राजस्व कर्मचारी लगा रहे हैं बोली।

लेनदेन की शिकायत निराधार

“ पब्लिक की शिकायत दूर करने तथा व्यवस्था में सुधार के लिए राजस्व कर्मचारियों का हल्का बदला गया है। पैसा लेनदेन की शिकायत निराधार है। सभी राजस्व कर्मचारी आवंटित हल्का में बेहतर ढंग से कम कर रहे हैं। कोशिश है कि पब्लिक का काम त्वरित हो।

– शमन प्रकाश, अंचल पदाधिकारी, डुमरांव।

4 करोड़ रुपये की योजनाओं का शुरू हुआ काम

♦ 32 योजनाओं का तीन माह पहले निकला था टेंडर, जिसमें 12 पर शुरू हुआ है कार्य

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के रोड की स्थिति एकदम जर्जर हो चुकी है। मुख्य सड़क स्टेशन रोड हो या इससे संपर्क सड़क सभी की स्थिति दयनीय बनी हुई है। डुमरांव शहर के भीतरी भाग के जो मोहल्ले से गुजरने वाली सड़क है, पूरी तरह से गड्ढों में तब्दिल हो चुकी है। इस तरह से 32 सड़क को बनाने के लिए नगर परिषद ने तीन महीना पहले 4 करोड़ का टेंडर निकाला था। जिसका लो टेंडर रहा उस संवेदक को काम मिला। उसी टेंडर वाली 12 सड़कों पर वर्तमान में काम शुरू कर दिया गया है।

इस बत्तीस टेंडरों में नप के विस्तारित क्षेत्र में शामिल पुराना भोजपुर व नया भोजपुर पंचायत भी शामिल है। इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया कि जो काफी खराब सड़क है, जिसमें उभर आए गड्ढों में पानी जमा हो गया है, आवागमन बाधित हो रहा है, उसमें काम लगाया गया है। धीरे-धीरे सभी योजनाओं पर काम शुरू किया जाएगा। इस काम के होने के बाद विभागीय काम कराया जाएगा। काम के प्रति गुणवत्ता के संबंध में चेयरमैन का कहना है कि इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जिस वार्ड में काम लगा है, उस वार्ड पार्षद की जिम्मेवारी बनती है कि प्राक्कलन के अनुशार गुणवत्तापूर्ण कार्य हो रहा है कि नहीं इस पर निगरानी रखें। किसी वार्ड पार्षद के द्वारा अनियमितता की शिकायत की जाती है तो उस पर संज्ञान लेते हुए संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी। इधर काम शुरू होने से नगरवासियों में काफी खुशी है। डर इस बात की है जो पहले नप द्वारा रोड बनवाया गया था, एक साल बितते उखड़ने लगा है, इस बार भी रोड की स्थिति ऐसा ही नहीं हो जाए।

आपसी विवाद में मारपीट 11 पर एफआईआर दर्ज

♦ जमीन कब्जा को लेकर हुआ विवाद, दोनों ओर से हुई रोड़ेबाजी

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना के बनारपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर मारपीट की गई। इस घटना में एक पक्ष के एक व्यक्ति घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए चौसा सीएचसी लाया गया। जहा इलाज किया गया। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि कुल 11 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

मिली जानकारी के अनुसार बनारपुर के अनुसूचित बस्ती के राजेश राम व प्यारेलाल राम के विरुद्ध सरकारी जमीन की कब्जा करने को लेकर विवाद शुरू हुआ। जहा दोनों पक्ष से रोड़ेबाजी शुरू कर दी। इस घटना में राजेश राम घायल हो गया। बाद में ग्रामीणों के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। जहा घायल को इलाज के लिए चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इस मामले में राजेश राम द्वारा दूसरे पक्ष के महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वहीं, दूसरे पक्ष के प्यारेलाल राम की पत्नी उषा देवी द्वारा पहले पक्ष के छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि बनारपुर में दो पक्षों में भूमि विवाद को लेकर मारपीट की गई थी। जिसमें दोनो पक्षों से प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

डीएम ने किया चक्की के निमार्णाधीन सीएचसी का निरीक्षण, निर्धारित समय के बाद भी मात्र 80 फीसदी हुआ है कार्य

15 अगस्त तक चक्की सीएचसी भवन का निर्माण पूरा कराएं: डीएम

♦ लापरवाही बरतने वाले बीएमएसएलसीएल के जेई व चिकित्सा पदाधिकारी से शो-कॉज

केटी न्यूज/चक्की

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चक्की का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में संवेदक के द्वारा बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य 19 जून तक पूरा कर लेना था, लेकिन निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी अब तक 80 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण किया गया है। डीएम ने इस पर नाराजगी जताई तथा शीघ्र गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इस संबंध में डीएम ने बीएमएसएलसीएल के कनीय अभियंता, से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही निर्धारित तिथि तक कार्य पूर्ण नहीं किए जाने के कारण संविदा के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पाया कि भवन में ट्रांसफार्मर, मशीनों को लगाने, विद्युत कनेक्शन जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य अभी शेष हैं। डीएम ने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि कार्यपालक अभियंता, बीएमएसएलसीएल द्वारा निर्माण प्रक्रिया का अनुश्रवण नहीं किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि अब तक मुख्य पथ से स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंच पथ का निर्माण नहीं कराया गया है एवं इस संबंध में न तो सिविल सर्जन, और न ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, चक्की के द्वारा पूर्व में कभी भी अवगत कराया गया है। डीएम ने इस पर नाराजगी जताई। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चक्की से स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरांव को निर्देश दिया गया कि सभी संबंधितों से बातचीत कर गतिरोध को दूर करते हुए सीएचसी को मुख्य पथ से जोड़ने वाले पहुंच पथ का निर्माण करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, चक्की को निर्देश दिया गया कि स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का नियमित रूप से अनुश्रवण करते हुए 15 अगस्त 2024 तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित करेंगे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभी आधुनिक सुविधाओं जैसे लेबोरेटरी, फामेर्सी, प्रतीक्षालय, रिसेप्शन, ऑपरेशन थिएटर, प्रसव कक्ष इत्यादि से युक्त हो। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से चक्की प्रखंड के साथ साथ आसपास के आम जनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होगी। बता दें कि सीएचसी के तब्दील होने के बाद अब यह अस्पताल 30 बेड वाला अस्पताल बन गया है। जहां पीएचसी से अधिक सुविधाएं मरीजों को मिलेगी। दियारा इलाके में इस तरह के अस्पताल से लोगों को बड़ी सहूलियत मिलने वाली है। यही कारण है कि जिला प्रशासन इस अस्पताल का निर्माण बेहतर तरीके से कराने का प्रयास कर रहा है।

एक नजर

खतरे को दावत दे रहा डुमरांव राज हाई स्कूल के पास झुका पोल, विभाग बेखबर

डुमरांव। डुमरांव में बिजली कंपनी के अधिकारी किस कदर लापरवाह है इसकी बानगी राज हाई स्कूल के पास देखने को मिल जाएगी। राज हाई स्कूल के मुख्य गेट के पास बिजली कंपनी का पोल पिछले कई महीनों से जर्जर हो सड़क की तरफ झुक गया है। बताया जाता है कि कुछ महीना पहले किसी वाहन के धक्के से यह पोल झुक गया था। जिसका मरम्मत आज तक नहीं करवाया गया है। जिस कारण कभी भी हादसा हो सकता है। पोल के गिरने पर राज हाई स्कूल के दूसरी तरफ झोपड़ी या कच्चा घर बना रहने वाले अनुसूचित जाति के दर्जनों परिवारों के जान पर संकट खड़ा हो जाएगा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई बार इसकी शिकायत बिजली कंपनी के अधिकारियों से की गई। बावजूद कंपनी के अधिकारी इसके मरम्मत के प्रति लापरवाह बने है। जिससे कभी किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अनुसूचित जाति बस्ती के मूसा राम ने बताया कि पोल का झुकाव ऐसा है कि जब कभी गिरेगा तो यह हमारे घर तक आ जाएगा, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है। उसने बताया कि बिजली कंपनी के अधिकारी अक्सर इधर आते है, लेकिन उसे देख मुंह फेर निकल जाते है। इस संबंध में टाउन जेई मनष ठाकुर ने कहा कि जल्दी ही इस पोल की मरम्मत करवाई जाएगी।

एनएच-922 पर खड़ी बाइक को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, युवक की मौके पर मौत

ब्रह्मपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के गरहथा स्टैंड के पास एनएच 922 पर एक खड़ी बाइक में पीछे से तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार शाम की है। मृतक की पहचान कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कृतसागर गांव निवासी सत्यनारायण पांडेय के पुत्र सितु पाण्डेय उर्फ सनी पांडेय के रूप में हुई है। घटना को अंजाम देने के बाद ट्रक चालक अपना वाहन छोड़ फरार हो गया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची ब्रह्मपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है। वही, घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया की मृतक ब्रह्मपुर से कृत सागर जाने के दौरान गरहथा बस स्टैंड के समीप खड़ा था, तभी पीछे से आ रही ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बाइक पर बैठे सितू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन दौड़े भागे घटना स्थल पर भागे, जहां शव को देख परिजनों की क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक चार भाईयों में तीसरे नंबर पर था तथा उसकी शादी हो चुकी थी। उसे एक पुत्र व पुत्री था। घटना के बाद से गांव में मायूशी छाई है।

पुरानी अदावत में चाचा भतीजा को पीटा, सात के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक गांव में पुरानी अदावत में एक चाचा भतीजा को लाठी डंडे और लोहे के रॉड से मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। पीड़ितों के बयान पर स्थानीय थाने में सात के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार चाचा-भतीजा अपनी दुकान से खाना खाने घर जा रहे थे। इसी दौरान काली मंदिर के पास पूर्व से घात लगा बैठे नामजदों ने लाठी डंडे व लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। जिसमें दोनों जख्मी हो गए। बाद में हो हल्ला सुन जब ग्रामीण वहां पहुंचे तब आरोपी भाग खड़े हुए। जख्मियों का इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। जख्मी संजय शर्मा के बयान पर स्थानीय थाना में प्रिंस सिंह, आकाश सिंह, लालू यादव सहित कुल सात लोग के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस की मानें तो मामला पुरानी अदावत से जुड़ा है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

युवाओं ने किया पौधरोपण, दिया लोगों को संदेश

केसठ। प्रखंड के कतिकनार सड़क मार्ग एवं नहर मार्ग पर तुलसी अतुल्य सेवा संस्थान केसठ के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के सदस्यों ने पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सदस्यों ने कहा कि जीवन की सुरक्षा को लेकर पौधरोपण जरूरी है। इसके तहत संस्थान के माध्यम से प्रतिवर्ष पौधरोपण किया जाता है। सदस्यों ने कहा कि एक वृक्ष लगाना एक सौ पुत्र के समान होता है। सदस्यों की मानें तो आम लोगों से भी पौधा लगाने को लेकर अपील की गई है। संस्थान के सदस्यों ने सड़क मार्ग एवं नहर मार्ग पर आम एवं जामुन समेत अन्य दर्जनों फलदार पौधे का रोपण किया। इस दौरान सदस्यों ने पौधों को बचाने का संकल्प भी लिया तथा कहा कि पौधों को बचा हम अपने जीवन को बचाएंगे। सदस्यों ने कहा कि इस वर्ष की भीषण गर्मी आने वाले भविष्य के लिए खतरे की घंटी है, यदि अभी से भी हम नही चेते तथा धरती पर पेड़ पौधों की संख्या नहीं बढ़ी तो अगले कुछ वर्षों में धरती का तापमान इतना अधिक बढ़ जाएगा कि जीवन समाप्त भी हो सकता है। पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुशील कुमार, नारद कुमार, आदित्य कुमार, रोहित कुमार, अंकित कुमार समेत अन्य संस्थान के सदस्यों ने भाग लिया।

पहली सूची के लिए नामांकन की तिथि समाप्त

केसठ। प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में इंटर में सत्र 2024-26 के लिए नामांकन की प्रक्रिया विगत 10 जुलाई से शुरू है। पहली सूची के तहत अंतिम तिथि तक 170 छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया गया। विदित हो कि प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल कतिकनार में इंटर के लिए नामांकन हो रहा है। जहां विज्ञान एवं कला संकाय में 120-120 सीटें निर्धारित है। प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल कतिकनार के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सिन्हा ने बताया कि पहली सूची में कला संकाय में 120 और विज्ञान संकाय में 98 छात्र छात्राओं का नाम शामिल है। जिसमें कला संकाय में कुल 87 और विज्ञान संकाय में 83 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है। पहली सूची के तहत अंतिम तिथि समाप्त हो गई है।

शहीद गेट के पास एबी बॉक्स जलने से पूरी रात बिजली से महरूम रहा दर्जनों परिवार

सूरत-ए-हाल : जर्जर तारों के सहारे शहर की विद्युत आपूर्ति, हलकान हो रहे हैं उपभोक्ता

♦ शनिवार की रात के साथ साथ रविवार को भी पूरे दिन लगी रही बिजली की आवाजाही

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर की विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है। ओवरलोड हो चुके ट्रांसफार्मर, जर्जर तार व खराब उपकरणों के कारण अक्सर शहर की विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है। आलम यह है कि बिजली आ कम और जा अधिक रही है। जिस कारण बरसात के इस उमसभरी गर्मी से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। सबसे अधिक परेशानी रात में बिजली कटौती से हो रही है। उपभोक्ताओं की मानें तो दिन हो या रात कभी भी उन्हें निर्बाध गति से बिजली नहीं मिल रही है। जिस कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़. रहा है। वही कंपनी सूत्रों की मानें तो लो लोकल फॉल्टों के कारण ही शॉर्ट डाउन करना पड़ रहा है। कंपनी सूत्रों की माने तो लोकल फॉल्ट की सबसे अधिक समस्या डुमरांव फीडर में आ रही है। नया थाना से लेकर स्टेशन रोड, गोला रोड, चौक रोड, नया तालाब रोड आदि इलाके में लोकल फॉल्ट के कारण ही आपूर्ति बाधित हो रही है।

शनिवार की रात बिजली गुल रहने से परेशान रहे उपभोक्ता : मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात शहर के शहीद गेट से शहीद पॉर्क व गोला रोड इलाके में लोकल फॉल्ट के चलते दर्जनों परिवारों को अंधेरे में ही रात गुजारनी पड़ी। वही इस जगह पर एक एबी बॉक्स जल गया था। जिसकी सूचना पर रात में बिजली मिस्त्री उसे बनाने आया था। लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो उस एबी बॉक्स से जुड़े मात्र दो परिवारों का कनेक्शन कर वह भाग खड़ा हुआ। जिस कारण दर्जनों परिवारों को पूरी रात अंधेरे में ही बिताना पड़ा। शहीद पार्क के ठीक बगल में रहने वाले अमृत जायसवाल, गुड्डु जायसवाल आदि ने बताया कि रात में एबी बॉक्स जल गया था। जिसकी सूचना पर पहुंचे विभागीय मिस्त्री ने कनेक्शन काट चला गया। जिस कारण पूरी रात अंधेरे में ही बितानी पड़ी। वही बिंदू देवी, रामदेनी प्रसाद, शिवदानी प्रसाद समेत दर्जनों लोगों ने कहा कि बिजली कंपनी की लापरवाही से पूरी रात अंधेरे में बितानी पड़ी है। लोगों का कहना है कि रात में फाल्ट आने पर न तो बिजली मिस्त्री मिलते है और न ही अधिकारियों का फोन लगता है। जिस कारण उन्हें पूरी रात उमसभरी गर्मी से परेशान होना पड़ता है।

एक दशक पुराने तारों से हो रही है आपूर्ति

बिजली कंपनी द्वारा आपूर्ति सुधारने के लिए शहर में एडीशनल ट्रांसफार्मरों की संख्या बढ़ाई गई है। लेकिन शहर में जर्जर हो चुके पुराने तारों तथा ट्रांसफार्मरों को नहीं बदले जाने से एक बड़े इलाके में विद्युत आपूर्ति दुरूस्त नहीं हो पाई है। बता दें कि करीब एक दशक पहले कवर वाला तार से विद्युत आपूर्ति शुरू की गई थी। तब से आजतक उक्त तार को नहीं बदला गया है। तार के साथ ही पुराने हो चुके एबी बॉक्स भी खराब हो गए है। जिस कारण हल्की बारिश या हवा चलने पर भी लोगों को लोकल फॉल्टों का दंश झेलना पड़ रहा है।

एडीशनल ट्रांसफार्मर लगा लोड को कम किया गया

“ शहर में विद्युत आपूर्ति सुधारने के लिए बड़ी संख्या में एडीशनल ट्रांसफार्मर लगा लोड को कम किया गया है। कुछ इलाकों में लोकल फॉल्ट की समस्या है। जिसे दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्दी ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा।

– मनीष कुमार, जेई, टाउन

एक नजर

जिले को स्वस्थ, सुसंस्कारित एवं समर्थ बनाने में सशक्त भूमिका निभाएगा भारत विकास परिषद

बक्सर। रविवार को बक्सर में भारत विकास परिषद का कार्यशाला आयोजित हुआ। कार्यशाला में पटना से दक्षिण बिहार व मगध प्रान्त की क्षेत्रीय अध्यक्ष सुमन सिंह, क्षेत्रीय महासचिव वाल्मीकि कुमार, प्रांतीय महासचिव मुकेश कुमार, संस्कार सचिव अभिषेक कुमार एवं प्रांतीय वित्त सचिव सव्यसाची कुमार ने भारत विकास परिषद के विभिन्न प्रकल्पों जैसे सेवा, संस्कार, संपर्क, वित्त इत्यादि विषयों पर भारत विकास परिषद विश्वामित्र शाखा जिला इकाई के नव निर्वाचित सदस्यों को दायित्व बोध कराया। इस कार्यक्रम में बक्सर शाखा की अध्यक्ष वर्षा पाण्डेय ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुमण्डलाधिकारी बक्सर धीरेन्द्र मिश्र ने अपने उद्बोधन में इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि बक्सर में भारत विकास परिषद का कार्यरत होना बक्सर को स्वस्थ सुसंस्कारित एवं समर्थ बनाने में निश्चित तौर पर एक सशक्त भूमिका का निर्वहन करेगा। जिला प्रशासन की ओर से सभी आगत अतिथियों के स्वागत के साथ अपना सहयोग बनाये रखने का उन्होंने आश्वासन दिया। विश्वामित्र शाखा संरक्षक के रूप में डॉ कन्हैया मिश्रा ने सभी अतिथियों का अंग वस्त्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने किया, सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजन एवं प्रबंधन में शाखा के सभी सदस्यों के साथ ही उपाध्यक्ष रहे प्रकाश पाण्डेय की भूमिका सराहनीय रही।इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद विश्वामित्र शाखा के उपस्थित सदस्यों में श्वेत प्रकाश, संजय सिंह,,श्यामला पाठक, मीनाक्षी, नीलम राय, तेजनारायण ओझा, शोभा चौबे, प्रकाश पांडेय, मंजु तिवारी, सुनील मिश्रा, अवधेश पाठक, दिनेश सिंह, नीतू दूबे, शैल कुमारी, कविता गुप्ता, पंकज कुमार सिंह, हेमदास चौधरी, श्रवण तिवारी, प्रमिला पांडेय, मनोज वर्मा, शिवजी तिवारी, तारकेश्वर, लक्ष्मी उपाध्याय, अभय शंकर उपाध्याय, मुन्ना यादव, राकेश पाण्डेय, भरत प्रधान, राजेश सिन्हा, श्रीनिवास चतुवेर्दी, अरुण ओझा समेत अन्य शामिल रहे।

खाना पकाने के दौरान सिलेंडर में लगी आग, महिला झुलसी; लाखों की संपत्ति जली

कृष्णाब्रह्म। रविवार की दोपहर स्थानीय थाना क्षेत्र के नोनियापुरा गांव में खाना पकाने के दौरान एक घर में रसोई गैस सिलिंडर में आग लग गई। जिससे खाना बना रही महिला बूरी तरह से झुलस गई है, जबकि लाखों की संपति भी जलकर राख हो गई है। घटना की सूचना पर पहंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार महिला चंदा देवी अपने घर में दोपहर का खाना पका रही थी। इसी दौरान रसोई गैस सिलिंडर में रिसाव शुरू हो गया। महिला कुछ समझ पाती, इसके पहले ही उसमें आग पकड़ लिया। जिसके चपेट में आने से चंदा भी जख्मी हो गई। जिसका इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। इस घटना में उक्त घर में रखा नगदी, अनाज, कपड़ा, बिछावन सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया।

खबरें फटाफट

जब्त ट्रक का चक्का खोलने के क्रम में तीन आरोपी गिरफ्तार

नासरीगंज। जब्त ट्रक का चक्का खोलने के क्रम में तीन आरोपी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। वहीं, अन्य दो आरोपी फरार हो गए। मामले में पुलिस ने चोरी किए हुए एक चक्का एवं मामले में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर को जब्त किया। घटना नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कैथी गांव के बजरंगबली मंदिर के समीप की है। कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के स्टेट हाईवे 81 मुख्य मार्ग पर ग्राम कैथी बजरंगबली मंदिर के समीप पूर्व अवैध बालू के केस में ट्रक को जब्त कर सड़क के किनारे खड़ा किया गया था। उन्होंने कहा कि जब्त ट्रक को कुछ लोगों के द्वारा एक चक्का को खोलकर दूसरे ट्रैक्टर पर लाद लिया गया था। उसके उपरांत अन्य चक्का को खोला जा रहा था। जिस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को मिली। घटना की सूचना मिलते ही मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए स्थानीय पुलिस जैसे ही घटनास्थल पर पहुंची तो उक्त क्रम में ही दूसरे ट्रैक्टर पर चोरी किए हुए जब्त ट्रक के एक चक्का को लादकर अन्य चक्का को खोलते हुए तीन आरोपी को घर दबोचा।

जिम संचालक हत्याकांड का मुख्य शूटर अकोढ़ीगोला से गिरफ्तार

केटी न्यूज/नासरीगंज

रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के अमियावर निवासी जिम संचालक हत्याकांड के मुख्य शूटर को पुलिस ने अकोढ़ीगोला बाजार से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार बताया कि जिम संचालक हत्याकांड का अप्राथमिकी अभियुक्त मुख्य शूटर सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी छोटू राम को अकोढ़ीगोला बाजार से शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जहां पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात स्वीकार की है। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त घटना में तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। इस पर बिहार समेत यूपी में एक दर्जन हत्याकांड के मामलों में आरोपित है। इसके बयान पर घटना में संलिप्त अन्य लोगों को भी पुलिस शिघ्र गिरफ्तार करेगी घटना का उद्भेदन कर दिया बताते चलें कि गत 29 जून थाना मोड़ के समीप झंझरिया को रात्रि पुल पर जिम संचालक अतुल उर्फ आदित्य श्रीवास्तव की आज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर कर निर्मम हत्या कर दी थी। घटना में स्वजनों ने आठ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी अंकित कराया था। जिसमें एक नामजद अभियुक्त बिरजू पासवान को पुलिस ने पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस के अनुसार जिम संचालक हत्याकांड का गिरफ्तार शूटर छोटू राम अन्य कई मुख्य कांडों का अभियुक्त रह चुका है।

जहर खाने से युवक की मौत

केटी न्यूज/आरा

जिले के इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव में रविवार युवक की जहर खाने से मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी आलम रहा।जानकारी के अनुसार मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव निवासी ललन साह का 38 वर्षीय पुत्र राज कुमार साह है एवं वह पेशे से मजदूर था।

इधर मृतक की पत्नी सुषमा देवी ने बताया कि उसके मां का एक्सीडेंट हो गया था। जिसको लेकर वह उसे ब्लॉक रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती थी। शनिवार की सुबह उसका पति उससे अस्पताल में मुलाकात करने आया था। वहां पर उसने उसे चाय बनाने के लिए कहा। लेकिन उसने नहीं बनाया। इसके बाद वह वहां से वापस अपने गांव चला गया। कुछ देर बाद उसके देवर द्वारा फोन कर सूचना दी गई की भईया ने जहर खा लिया है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए तरारी पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लेकर आए।जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। हालांकि परिजनों से पटना ना ले जाकर आरा शहर स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा इसकी सूचना नवादा थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर नवादा थाना पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वहीं दूसरी ओर मृतक की पत्नी सुषमा देवी ने चाय नहीं बनने को लेकर गुस्से में आकर अपने पति द्वारा जहर खाने की बात कही है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में तीसरे स्थान पर था।

मुहर्रम पर्व को लेकर डीएम ने किया फ्लैग मार्च

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

नासरीगंज बिक्रमगंज एनएच-120 पर रविवार को डीएम ,एसपी के साथ प्रशासन का मुहर्रम पर्व फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान डीएम ,एसपी , बिक्रमगंज एसडीएम, एसडीपीओ ने काराकाट प्रखंड के नगर पंचायत गोड़ारी में विधि व्यवस्था का जायजा लिया गया । बीडीओ , सीओ व थानाध्यक्ष से उन स्थानों की जानकारी लिया गया जहां मुहर्रम पर्व पर ताजिया का जुलूस मुख्य मार्ग पर कहां कहां निकलता है उसकी जानकारी ली गई।

बीडीओ राहुल कुमार सिंह, सीओ रितेश कुमार व थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने क्षेत्र के सभी स्थानों की जानकारी दी जहां मुहर्रम पर ताजिया का जुलूस निकलता है तथा कहां पहलाम होता है विस्तार से वरीय अधिकारियों को जानकारी दी गई। बताया गया कि इस बार गोड़ारी में ताजिया का जुलूस नहीं निकलेगा। बताया गया कि क्षेत्र में कहीं भी मुख्य मार्ग पर ताजिया का जुलूस नहीं निकलता है। डीएम नवीन कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रखंड के कर्मियों को मुहर्रम पर ताजिया के जुलूस के दौरान मौजूदगी कराई जाये ताकि विधि व्यवस्था बनी रहे। वहीं पंचायत के जन प्रतिनिधियों को भी मुहर्रम पर्व पर सहयोग करने की अपील की गई।

इमाम की याद में आरा में भी सातवीं मुहर्रम को निकाला गया मातमी जुलूस

आरा में 200 वर्षों से कर्बला के शहीदों की याद में निकला जा रहा है मातमी जुलूस

केटी न्यूज/आरा

आरा में हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की याद मानाए जाने वाले दस दिनों के मुहर्रम का दौर चल रहा है। इमामबाड़े में मजलिसों (प्रवचन) और चौक चौराहों पर मातमी जुलूस निकाले जा रहे हैं। इन दिनों मुसलमान शोक में डूबे होते हैं। इमाम की याद में आरा में भी सातवीं मुहर्रम को मातमी जुलूस निकाला गया, जिसमें छोटे-छेटे बच्चे भी शामिल होकर इमाम का मातम करते नजर आए। बताया जाता है कि आरा में 200 वर्षों से कर्बला के शहीदों की याद में मातमी जुलूस निकला जा रहा है। इसमें कर्बला मे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत को याद करके नौहा पढ़ा जाता है और मातम किया जाता है। शिया समुदाय के लोग विशेषकर काला वस्त्र पहनकर इस शोकपूर्ण घटना की याद में नौहा (शोकगीत) पढ़ते हुए जुलूस निकालते हैं और मातम कते हैं।

जुलूस में सभी समुदाय के लोग इस शोकपूर्ण घटना की याद में शामिल रहते हुए अपना भरपूर सहयोग करते हैं। शहीदों के नाम का मातमी जुलूस हर साल आरा के महादेवा महाजन टोली नंबर 1 के डिप्टी शेर अली के इमामबाड़ो से निकाला जाता है, जो महादेवा रोड, धर्मन चौक, गोपाली चौक, शीश महल चौक, बिचली रोड होते हुए वापस धर्मन चौक, महादेवा रोड़ के डिप्टी शेर अली के इमामबाड़ा में जाकर समाप्त होता है। खास बात ये है कि ये पूरा जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से शोक में डूबा हुआ इंसानियत के पैगाम को सुनाता हुआ निकलता है।

जुलूस में शामिल आरा एलआईसी के डीओ सैयद रेयाज हुसैन ने बताया कि इमाम हुसैन की पूरी जिंदगी और कर्बला की जंग इंसानियत और मानवता को कायम रखने की एक बहुत बड़ी मिसाल पेश करती है। जिसका जिक्र महात्मा गांधी से लेकर सरोजनी नायडू, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और नेल्सन मंडेला ने अपने कई बयानों में किया है। वहीं शांति निकेतन विश्वविद्यालय से आए इतिहास विभाग के एचओडी सैयद एजाज हुसैन ने कहा कि इमाम हुसैन का संदेश और उनकी बताए रास्ते पर चल कर ही दुनिया में शांति और भाइचारा कायम हो सकता है। इमाम हुसैन को मानने वालों में सिर्फ मुसलान ही नहीं हैं, बल्कि उनके चाहने वाले हिंदू भाइयों से लेकर इसाई और यहूदी तक शामिल हैं। पूरी दुनिया में जहां जाइये वहां इमाम हुसैन की याद में शोक मनाते लोग नजर आ जाएंगे। कर्बला की जंग में इमाम हुसैन का साथ देने के लिए भारत से भी कुछ हिंदू भाई गए थे, जो आज भी इराक और इरान में बसे हुए हैं।

बता दें कि पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले मोहर्रम केवल इस्लाम धर्म के एक महीने का नाम नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी एतिहासिक दुखद घटना का नाम है, जो इस्लामिक कैलेंडर अनुसार इस साल 7 जुलाई 2024 से शुरू हुआ, वहीं 17 जुलाई को दसवीं तारीख है, जिसे आशूरा कहते है. इस्लाम धर्म के लोग इसे त्योहार के रूप में नहीं बल्कि एक यादगार के रूप में मनाते हैं, जो शोक में डूबा हुआ होता है।

काली मंदिर के साथ चार परिवार के आशियाने सरयू नदी में विलीन, जिला प्रशासन को कोसते नजर आए ग्रामीण

- घर, जमीन, फसल पर सरयू नदी की चल रही है तेज धारा रूपी कैंची

केटी न्यूज / बैरिया

सुरेमनपुर दियराचंल के गोपाल नगर टाड़ी गांव इन दिनों प्रकृति की मार झेल रही है। यहां घर, जमीन, फसल पर सरयू नदी की तेज धारा रूपी कैंची चल रही है। फिर सरकार व बाढ़ विभाग मूक दर्शक बना हुआ है। जिसका परिणाम रविवार की सुबह देखने को मिला। कारण कि एक बार फिर सरयू नदी की धाराएं बेकाबू गई है। जिससे कटान तेज हो गया है। गांव के काली मंदिर के नदी में समाने के साथ ही चार अन्य लोग अशोक यादव, भरत यादव, लक्ष्मण यादव व शिवजी यादव का आशियाना सरयू नदी में विलीन हो गया है। उधर मुखराम यादव, छपित यादव, किसुन यादव, नन्हक यादव, राजेश यादव, मुसाफिर यादव, महातम यादव, सुरेंद्र यादव का मकान कटान के मुहाने पर आ जाने से उक्त लोग अपने हाथों से अपना आशियाना उजाड़ना शुरू कर दिए हैं। कटान पीड़ितों ने बताया कि यहां नेता आते हैं। फोटो खिंचवाते हैं। चले जाते हैं। धरातल पर कटान रोकने के लिए कुछ भी व्यवस्था नहीं हो रहा है। लगातार नदी उपजाऊ जमीन व लोगों के खून पसीने से बने मकान नदी में समेटती जा रही हैं। उसे बचाने का कोई ठोस उपाय नहीं हो पा रहा है।

30 हजार आबादी पर मंडरा रहा खतरा

बलिया। लोगों का आरोप है कि बाढ़ विभाग कटान रोकने की मंशा नहीं रखता है। कटान रोकने के नाम पर उन्हें अपना मतलब साधना उद्देश्य रह गया है। यही स्थिति रही तो शिवाल मठिया, गोपाल नगर, मानगढ़, वशिष्ठ नगर सहित दियराचंल के कुल आधा दर्जन गांवो की तीस हजार की आबादी अगले कुछ समय में पूरी तरह से सरयू नदी में विलिन हो जाएगी। आज जिन चार लोगों के आवासीय मकान सरयू नदी के कटान से कटा है। उनके बच्चे व परिवार रिश्तेदारी में चले गए हैं। वहीं परिवार के एक या दो पुरुष सदस्य गांव में मौजूद है। जो सूनी आंखों से सरजू नदी की तरफ अपनी तबाही की मंजर देखने पर विवश हैं। दूसरी तरफ जिन लोगों का मकान कटान के मुहाने पर पहुंचा है। उसे घर के सभी स्त्री पुरुष आनन फानन मे अपने मकान को उजाड़ रहे हैं। मौके पर केवल लेखपाल राजू यादव मौजूद थे। न बाढ़ विभाग के लोग मौजूद थे, नहीं कोई अधिकारी।

खबरें फटाफट

लाठी-डंडे से पीटकर हत्या करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

गाजीपुर। जिले के शादियाबाद थाने के कस्बा कोईरी गांव में 26 वर्षीय दिनेश कुशवाहा की पड़ोसियों द्वारा लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस प्रकरण में मुकदमा दर्ज होने के बाद दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। इनकी तलाश शादियाबाद पुलिस द्वारा काफी दिनों से की जा रही थी। शादियाबाद थाना प्रभारी श्याम जी यादव के नेतृत्व में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वालों में उप निरीक्षक शहीर सिद्दीकी, कास्टेबल आनंद दुबे, हेड कांस्टेबल विनय कुमार पांडेय, कास्टेबल संतोष विश्वकर्मा आदि शामिल रहे।

चोरी की बोलेरो के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

बलिया। सिकन्दरपुर थाना पुलिस द्वारा चोरी की बोलेरो गाड़ी के साथ

दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय चालान कर दिया। थानाध्यक्ष दिनेश पाठक के नेतृत्व में मय टीम थाना सिकन्दरपुर द्वारा रविवार को वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी बीच मुखबिर की सूचन पर गांधी इंटर कालेज सिकन्दरपुर के पास से दो अभियुक्तों सतेन्द्र कुमार चौहान पुत्र छोटेलाल चौहान निवासी सपही थाना पकड़ी जनपद बलिया और नौसाद अहमद पुत्र मो. आलम निवासी अदरी देहात हुसैनाबाद थाना कोपागंज जनपद मऊ को धर दबोचा। दोनों के पास से एक चोरी की बोलेरो बरामद हुआ जिसे अभियुक्त बेचने के फिराक में थे।

पत्रकार के बड़े पिता के निधन पर शोक

बलिया। वरिष्ठ पत्रकार श्रवण पांडेय के बड़े पिताजी काशी नाथ पांडेय उम्र 93 वर्ष रविवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। इस दौरान पत्रकारों में कलेक्ट्रेट में 2 मिनट का मुहूर्त उनकी कथा आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर तिलक कुमार, इमरान खान, मुकेश चौहान, कंचन सिंह, रोहित सिंह, प्रभाकर सिंह सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

गांव में तनाव को देखते हुए तैनात किया गया है पुलिस बल

रेवती थाना के हडिहां कलां गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट में अधेड़ महिला की मौत

- गांव में तनाव के मद्देनजर अभी भी पुलिस बल है तैनात

केटी न्यूज / बलिया

रेवती थाना अंतर्गत हडिहां कलां गांव में आपसी रंजिश को लेकर दो पक्षों में बीती रात हुई मारपीट में 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेवती थाना क्षेत्र के हरिहां कलां गांव में एक पक्ष के अक्षय लाल गोंड और दूसरे पक्ष के सनोज गोंड से किसी बात को लेकर बहस हो गई। बात बढ़ते बढ़ते मारपीट तक पहुंच गई। प्रथम पक्ष के अक्षय लाल गोंड के परिजनों और दूसरे पक्ष के सनोज गोंड के परिजनों के बीच लाठी डंडे से मारपीट हो गई। दूसरे पक्ष के लोगों ने अक्षय लाल गोंड की 50 वर्षीय पत्नी राजमुनि देवी को इस कदर पीटा कि राजमुनि की मौत हो गई। राजमुनि के परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेवती पर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने देखते ही राजमुनि के मौत की पुष्टि कर दी। इस घटना में सोनू गोंड 26 वर्ष संतोष गोंड 28 वर्ष बुरी तरीके से घायल हो गए, जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेवती पर इलाज चल रहा है। उधर गांव में तनाव के मद्देनजर अभी भी पुलिस बल तैनात है।

पुलिस ने बाप बेटे सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

मृतक के परिजनों की ओर से रेवती थाना पर सात नामजद लोगों के खिलाफ तहरीर दी गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दन प्रसाद साह पुत्र गौरीशंकर साह निवासी ग्राम हड़िहाकला थाना रेवती, मुकेश साह पुत्र दन प्रसाद निवासी ग्राम हड़िहाकला थाना रेवती और एक बाल अपचारी निवासी ग्राम हड़िहाकला थाना रेवती बताया।

आरोप... जादू टोना से युवती की हुई थी मौत

ग्रामीणों का आरोप है कि द्वितीय पक्ष द्वारा आरोप लगाया जा रहा था कि लगभग एक महीने पहले प्रथम पक्ष द्वारा जादू टोना करवा दिया गया था, जिससे द्वितीय पक्ष की एक लड़की रूपा22 वर्ष की मौत हो गई थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई थी। पीड़ित पक्ष के संतोष गोंड पुत्र अक्षय लाल गोंड की तरफ से रेवती थाने में तहरीर दे दी गई है।

गाजीपुर : दो दिन की बारिश भी नहीं झेल सका, दो माह पहले 16 लाख की लागत से बना चबूतरा

- घाट समिति ने चबूतरे के निर्माण में भ्रष्टाचार का लगाया आरोप
- लोक निर्माण विभाग और एमएलसी की क्षेत्र में हो रही किरकिरी

केटी न्यूज / गाजीपुर

सैदपुर नगर के प्रसिद्ध बुधेनाथ महादेव घाट पर दो महा पूर्व एमएलसी विशाल सिंह चंचल की निधि के ?16 लाख से बना चबूतरा दो दिन की बरसात से ही टूटने लगा है। जिस पर घाट समिति ने इसके निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है और इसके जांच की मांग की है। इसे लेकर क्षेत्र में इसका निर्माण कराने वाले लोक निर्माण विभाग और एमएलसी की खूब किरकिरी हो रही है।

जानकारी के अनुसार लगभग पांच माह पूर्व एमएलसी विशाल सिंह चंचल सैदपुर नगर स्थित प्रसिद्ध बुढ़ेनाथ महादेव मंदिर पर दर्शन करने आए थे। तब घाट समिति मां गंगा सेवा संघ और वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने घाट के कच्चे भाग पर चबूतरे के निर्माण की मांग किया था। ताकि घाट पर विभिन्न पर्वों के दौरान होने वाले आयोजनों में सहूलियत हो और भविष्य में उक्त चबूतरे पर घाट की जरूरत अनुसार, ऊपर से सीढ़ी का निर्माण भी किया जा सके।

जिस पर एमएलसी ने अपनी निधि के 16 लाख से घाट पर चबूतरे के निर्माण का प्रस्ताव दे दिया। इस तरह टछउ की निधि से बुढ़ेनाथ महादेव गंगा घाट पर चबूतरे का निर्माण कराया गया, जो दो माह पूर्व ही संपन्न हुआ है। लेकिन बीते दो दिन की बरसात में ही इसके निर्माण के गुणवत्ता की पोल खुल गई। चबूतरे की फर्श बेहद कमजोर होने के कारण, यह जगह-जगह जमीन में धंसकर टूटने लगी। इसके बाद से ही इस निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। घाट समिति ने कहा मानक के अनुरूप नहीं हुआ है काम, की जाएगी शिकायत। मां गंगा सेवा संघ के अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा ने बताया कि निर्माण के दो महीना में ही पहली बरसात के दौरान चबूतरे की फर्श दो जगहों से धंस गई। जिसे खुद के माध्यम से मिस्त्री लगाकर, पाच दिन पूर्व दुरुस्त कराया गया था। लेकिन तीन पूर्व ही अगले दिन की तेज बरसात में फर्श का एक और बड़ा हिस्सा टूटकर जमीन में धंस गया। इससे यह साफ प्रतीत होता है कि चबूतरे का निर्माण मानक के अनुरूप नहीं किया गया है। यह बेहद घटिया है और इसमें धांधली की आशंका है। उच्च अधिकारियों से इसकी शिकायत की जाएगी।

सड़क टूटने से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं लोग

गाजीपुर। नंदगंज मुख्य बाजार के चोचकपुर मोड़ के समीप सड़क की हालत बद

से बदतर हो गई है। उक्त सड़क पर आवागमन करने वाले राहगीरों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क पर बरसात के साथ -साथ नाली का गंदा पानी बहने के कारण सड़क पर जगह- जगह ढेरों बड़े गड्ढे हो गए हैं। जिसमें प्रायः लोग गिरकर चोटिल होते हैं। इसके अलावा बीच सड़क पर फैले गंदे पानी के कारण राहगीरों के कपड़े खराब होते हैं। लम्बे समय से यह मार्ग जर्जर हालत में है। मानसून सत्र में लोगों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि उक्त मार्ग पर स्थित नवीन सब्जी मंडी तथा यूनियन बैंक जाने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग इसी मार्ग से आवागमन करते रहते हैं। क्षेत्र के नागरिकों ने राज्यसभा सदस्य संगीता बलवंत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त मार्ग की मरम्मत कराने के साथ ही जल-जमाव की समस्या को दूर करते हुए आने-जाने में हो रही दुश्वारियों से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

आपातकाल के सेनानी को दिया गया गार्ड ऑफ आनर

लोकतंत्र सेनानी शंकर प्रसाद वैद्य का निधन, सम्मानपूर्वक दी गई अंतिम विदाई

केटी न्यूज / गाजीपुर

सैदपुर तहसील अंतर्गत डहन गांव निवासी आपातकाल के लोकतंत्र सेनानी शंकर प्रसाद वैद्य कॉल लंबी बीमारी के बाद आज निधन हो गया। लोकतंत्र सेनानी के निधन की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अंतिम यात्रा में शामिल हुए लोगों ने उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया और ईश्वर से आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी सैदपुर एवं तहसीलदार ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी।

इलाके के डहन गांव निवासी 92 वर्षीय शंकर प्रसाद लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाई गई इमरजेंसी के दौरान जब आपातकाल का विरोध किया गया था तब विरोध करने वालों को जेल में डालकर यातनाएं दी गईं थी। उसी दौरान वैद्य शंकर प्रसाद को भी सरकार ने जेल में डाल दिया था। इसके चलते उन्हें भी लोकतंत्र सेनानी घोषित किया गया था। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। इधर एकाएक उनकी तबियत अचानक बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। इसके बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मौके पर पहुंचे भाजपाजनों सहित आमजन ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ कोट घाट पर लाया गया। जहां भाजपा का झंडा ओढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पुलिस के जवानों ने उन्हें अंतिम गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें विदाई दी। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। उनके पोते नित्यानंद ने उन्हें मुखाग्नि दी। उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए क्षेत्राधिकारी शेखर सिंह सेंगर सहित तहसीलदार देवेंद्र कुमार, कोतवाल विजय प्रताप सिंह आदि रहे।

एमएलसी ने अबतक 330 पीड़ितों को दिलाई आर्थिक सहायता

गाजीपुर। बीजेपी एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने एक बार फिर इतिहास रचा है। एमएलसी ने फिर से गाजीपुरवासियों को इलाज के लिए सबसे ज्यादा धनराशि दिलाने का काम किया है। बता दें कि अपने दूसरे कार्यकाल के प्रथम वर्ष में 110 पीड़ितों को आर्थिक सहायता दिलाने वाले एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने अपने दूसरे कार्यकाल के दूसरे साल में 220 से ज्यादा पीड़ितों को आर्थिक सहायता दिलाकर फिर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान गाजीपुर को दिलाने का काम किया है, जो लोग आर्थिक सहायता प्राप्त किए हैं, उन सबने एमएलसी विशाल सिंह चंचल के प्रति आभार प्रकट किया है। इससे पहले भी पिछले वर्ष एमएलसी चंचल ने सबसे अधिक आर्थिक सहायता दिलाई थी।

एक नजर

कटान स्थल पर पहुंचे डीएम, स्थल का निरीक्षण कर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने बांसडीह तहसील क्षेत्र के भोजपुरवा में कटान स्थल के निरीक्षण किया। उन्होंने कटान पीड़ितों से बातचीत करने के बाद बाढ़ खंड क्व अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। कटान के लिहाज से लोगों की

मदद के लिए हमेशा तत्पर रहने का निर्देश एसडीएम-तहसीलदार व लेखपाल को दिया। कहा कि जिनके घर नहीं है या जिनके यहां पानी आ गया है, उन्हें बाढ़ शरणालय में सुरक्षित ले जाएं। डीएम सबसे पहले नदी किनारे पहुँचे और नदी के रूख का जायजा लिया। इसके बाद तटवर्ती लोगों से बातचीत किया। मौके पर मौजूद लेखपाल से पूछताछ कर कटान प्रभावित जमीन के बारे में जानकारी ली। कहा कि हमेशा हर स्थिति पर नजर बनाए रखें। बाढ़ खंड के अभियंताओं को निर्देश दिया कि बंधे पर लगातार निगरानी रखें।

मातृभूमि संगठन की अनोखी पहल, चौथी बार कराया रक्तदान, 25 लोगों ने दिया खून

गाजीपुर। जखनियां के मातृभूमि संगठन के डायरेक्टर नीरज सिंह अजेय के नेतृत्व में जखनियां सीएचसी पर चतुर्थ बार रक्तदान

शिविर का आयोजन संगठन के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें मातृभूमि संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक तौर पर सभी जगह पर अपनी हिस्सेदारी को निभाता है। उसी क्रम में रविवार को रक्तदान शिविर के माध्यम से लोगों को जागरूक कर एक दूसरे की भलाई के बारे में सोच रखता है। इस रक्तदान शिविर में गाजीपुर के समर्पण संस्था की संरक्षिका डॉ. सविता सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर 25 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि डॉ. सबिता सिंह को मातृभूमि संगठन के संरक्षक नीरज सिंह ने अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. सबिता सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है इसमें हर लोगों को बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। आज सरहद पर खून बहने वाले सैनिक हो या आम जनता जरूरत पड़ने पर ब्लड डोनेट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृभूमि संगठन जखनिया में काफी कारगर साबित हो रही है। और चतुर्थ रक्तदान शिविर लगाकर बहुत ही सराहनीय कार्य किया।नीरज सिंह अजेय ने कहा कि अगर मेरे लिए लायक कोई भी कार्य अगर हो तो संगठन हमें कभी याद कर सकता है मैं हमेशा इस संगठन के साथ खड़ा मिलेंगे । आज इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से गाजीपुर डॉक्टर के के सिंह,प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ब्लड बैंक गाजीपुर साकेत सिंह, स्वैच्छिक रक्तदाता वी वी सिंह, मातृभूमि संगठन के संरक्षक नीरज सिंह अजेय,मातृभूमि संगठन अध्यक्ष आरिफ अंसारी,उपाध्यक्ष मुकेश मौर्य,अजय सिंह रिंकू, प्रमोद उपाध्याय,गंभीर यादव,संतोष सिंह,संतोष सिंह, पंकज सिंह, डॉक्टर अरविंद यादव,अतुल पांडे, चंद्रदीप,दिनेश चौहान,प्रियांशु पांडे,सौरभ राय,सौरभ तिवारी, आलोक सिंह,कमलेश यादव,अजय कुमार सिंह, प्रमोद यादव,वेद प्रकाश पांडे, गोपाल पांडे,आनंद पांडे, मंटू सिंह, आलोक सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया।

छेड़खानी के मामले में चार पर मुकदमा दर्ज

बांसडीह। पुलिस अधीक्षक देवरंजन वर्मा के निर्देश पर बांसडीह पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र के पर्वतपुर रेगुलेटर के पास महिला के साथ अभद्रता करने व उसे बचाने का प्रयास करने वाले के साथ मारपीट कर घायल करने के मामले में बांसडीह पुलिस ने तीन नामजद व एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ छेड़खानी मारपीट व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। अशोक यादव निवासी सारंगपुर ने एसपी को दी अपनी शिकायत में बताया कि बीते 4 जुलाई को उनके गांव के मित्र राजेश यादव (जो काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं) कि पत्नी मंजू देवी ने उन्हें फोन कर बताया कि उन्हें कुछ लोगों ने पर्वतपुर रेगुलेटर के पास पकड़ लिया है और वे उसके साथ जबर्दस्ती कर रहें हैं। सूचना पाकर मैं वहां गया तो देखा कि सोनू यादव निवासी सारंगपुर, अभी यादव सौरभ वर्मा निवासी कितुर्पुर व एक अन्य अज्ञात युवक द्वारा महिला को हाथ पकड़कर बंधे से नीचे खींचा जा रहा था। मेरे द्वारा बीचबचाव करने पर उनके द्वारा मुझे घेरकर बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया गया। इस दौरान शोर सुनकर आस पास के लोगों के वहां जुटने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घटना के संबंध में उसी दिन बांसडीह कोतवाली जाकर तहरीर दी गयी लेकिन बांसडीह पुलिस द्वारा मामले में कोई कार्रवाई नही की गयी। कई दिन तक कोतवाली के चक्कर काटने के बाद पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पंहुचकर अपनी पीड़ा सुनाई जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा मुकदमा दर्ज कर प्रभावी कार्रवाई करने के आदेश पर पुलिस ने घटना के संबंध में तीन नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अयोध्या के बाद बद्रीनाथ में भी भाजपा हारी, कांग्रेस के लखपत सिंह बुडौला उपचुनाव जीते

गाजीपुर। सात राज्यों की तेरह विधानसभा सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। इस उपचुनाव में इंडिया ब्लॉक ने दमदार प्रदर्शन किया है। जीत के बाद गाजीपुर शहर में कांग्रेस के सकलेनाबाद स्थित कार्यालय पर कांग्रेसजनों ने इकट्ठा होकर लंका बस स्टैंड तक गांधीवादी तरीके से खुशी का इजहार करते हुए, लंका बस स्टैंड के पास आमजनों के बीच में मिष्ठान वितरण कर खुशी मनाई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील राम ने बताया कि इंडिया ब्लॉक ने सात राज्यों में हुए तेरह सीटों पर हुए उपचुनाव में दस सीटों पर जीत दर्ज की है। जबकि बीजेपी सिर्फ दो सीट पर सिमट कर रह गई है। इनके अलावा एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीता है। इससे यह तय है कि जनता भाजपा के भ्रष्टाचार से ऊब चुकी है। शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने कहा कि उपचुनावों में मिली जीत इंडिया गठबंधन की जीत है। उन्होंने बताया कि इन उपचुनावों में धर्म के नाम पर उन्माद फैलाने वाली भाजपा अयोध्या, के बाद बद्रीनाथ का भी चुनाव हार गई है। वहां से कांग्रेस प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला भाजपा से चुनाव जीत गए हैं।

गाजीपुर-औड़िहार के रास्ते बनारस के लिए रवाना हुआ पर्यटकों का जलयान

- वाराणसी में एक हाइड्रोजन प्लांट भी लगाने की चल रही प्रक्रिया

केटी न्यूज / गाजीपुर

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पर्यटन एवं नदियों में जलयान को तेजी से आगे बढ़ाने में जुटा हुआ है। सरकार भी इसे आगे बढ़ाने की दिशा में पहल शुरू की है। इसी क्रम में कोच्चिन शिपयार्ड से समुद्री मार्ग से चलकर कोलकाता से गंगा नदी के रास्ते नवनिर्मित हाइड्रोजन फ्यूल चालित वातानुकूलित डबल डेकर कटा मेरान पर्यटक जलयान गाजीपुर व औड़िहार के रास्ते रविवार को बनारस के लिए रवाना हुआ।

जलयान को गाजीपुर के रास्ते आगे जाने में सबसे बड़ी मुश्किल गंगा नदी में जलस्तर का काम होना देखा गया। गंगा नदी में जलस्तर कम होने के कारण उक्त जलयान हमीद सेतु के पास दो दिन पहले नदी में लंगर डाल दिया था। उसे देखने के लिए अगल-बगल के लोगों एवं राहगीरों की भीड इकठ्ठी हो रही थी। इस नवनिर्मित हाइड्रोजन फ्यूल चालित पर्यटक जलयान को लेकर आगे जाने के लिए वाराणसी से एक सर्वेयर जलयान शनिवार की शाम गाजीपुर पहुंचा था। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक नदी के जलस्तर में बढ़ोत्तरी होने के बाद इसे सर्वेयर जलयान वाराणसी के लिए स्कोर्ट करते हुए लेकर रवाना हुआ।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक इस जलयान को करीब एक माह पहले कोचीन शिपयार्ड से पेरियार- 3 और फेसकी दो जलपोत करीब 2000 किमी समुद्री यात्रा के जरिए तेरह जून को कोलकाता पहुंचे। वहां से सीधे वह गंगा नदी से होकर वाराणसी के लिए निकला।

अधिकारियों के मुताबिक 50 सीटर यह पर्यटक जलयान करीब 28 मीटर लंम्बा और करीब 5.8 मीटर चौड़ा है। जिसका कुल वजन करीब बीस टन है। यह नदी में करीब बीस से पच्चीस किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है। यह पूरी तरह से हाइड्रोजन से चलेगा। इसका निर्माण करीब दस करोड़ की लगात से हुआ है।

इसके लिए वाराणसी में एक हाइड्रोजन प्लांट भी लगाने की प्रक्रिया चल रही है। वाराणसी पहुंचने के बाद इस हाइड्रोजन फ्यूल चालित कटा मेरान जलयान को वाराणसी टूरिज्म विभाग को हैंड ओवर कर दिया जाएगा, जो इसे संचालित करेगा। पर्यटन को बढावा देने के उद्देश्य से इस वातानुकूलित हाइड्रोजन फ्यूल चालित पर्यटक जलयान का उद्घाटन पीएम मोदी के हाथों होने की उम्मीद है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण वाराणसी के प्रभारी अधिकारी आरसी पांडेय ने बताया कि पर्यटन को बढावा देने के लिए कोचीन शिपयार्ड से नवनिर्मित प्रदूषण रहित हाइड्रोजन फ्यूल चालित कटा मेरान पर्यटक जलयान लाया जा रहा है, जो वाराणसी से चुनार के बीच संचालित किया जाएगा। यह जानकारी होने के बाद वाराणसी सहित आस-पास के जनपदों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लोगों ने सरकार के इस कदम को बेहतर बताया और खुशी जाहिर की।

एक नजर

उपचुनाव में इंडिया गठबंधनन की जीत पर कांग्रेसजनों में खुशी की लहर

चंदौली। देश में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद सात राज्यों में खाली पड़े 13 विधान सभा की सीटों पर हुए उपचुनाव में इंडिया गठबंधन द्वारा 10 विधानसभा सीट पर कब्जा किये जाने से कांग्रेस कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त है। कांग्रेस पार्टी के मुगलसराय नगर इकाई के कार्यकताओं ने नगर अध्यक्ष रामजी गुप्ता के नेतृत्व में काली महाल स्थित पार्टी के कैम्प कार्यालय पर ढोल नगाड़ों के बीच एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशी का इजहार किया और एक दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर रामजी गुप्ता ने कहा कि पहले अयोध्या में श्रीराम का आशीर्वाद मिला अब बद्रीनाथ में भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिला अबकी बारी भोलेनाथ के आशीर्वाद की है। देश की जनता ने अब धर्म जाति और नफरत की राजनीति को नकार दिया है। इसका परिणाम है कि विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जीत दिलाई है। जिसके लिए हम जनता का आभार व्यक्त करते। इस चुनाव कांग्रेस ने चार सीटों पर जीत हासिल की है। तृणमूल कांग्रेस ने चार डीएमके और आम आदमी पार्टी ने एक-एक सीट पर जीत हासिल की है तो वही भाजपा सिर्फ दो सीट जीत पाई है। एक सीट निर्दल खाते में गई है। इस अवसर पर दशरथ चौहान, नेहाल अख्तर बाबू, विजय गुप्ता,भीम सिंह, तारिक अब्बास, अब्बास,ट्रिजा, नन्दलाल गुप्ता, फैयाज अंसारी, रामसेवक पटेल, शर्मा, राकेश राज,ऋषी दयाल,रमेश सिंह, देवेश कुमार, कुमार,राशिद अहमद,प्रेमनाथ जायसवाल,प्रमोद खरवार, फुलचंद्र राम,लल्लन राम, गुड्डु राम उपस्थित रहे।

लायंस क्लब के सदस्यों ने वृद्धआश्रम में किया भोजन और फल का वितरण

जौनपुर। लायंस क्लब के सदस्यों द्वारा शंकर मंडी स्थित वृद्ध आश्रम में संयोजक श्री गोपीचंद साहू एवं अलका गुप्ता तथा सभी लायंस क्लब सदस्यों के द्वारा स्थित वृद्धआश्रम में 100 से ज्यादा माता-पिता समान वृद्धो को भोजन एवं फल का वितरण किया गया। आयोजन का उद्देश्य उपस्थित सभी वृद्धो को पौष्टिक भोजन एवम फल उपलब्ध कराना था। अवसर था संयोजक के पुत्र का जन्मदिन यह नेक कार्य उन्होंने ना तो केक काटकर किया ना ही रेस्टोरेंट में जाकर पार्टी किया। इस परोपकार में लायंस क्लब के अध्यक्ष श्री संजय केडिया ने वृद्ध आश्रम में लोगों को निरंतर सहयोग एवं सहायता करने के लिए आह्वान किया । श्री राम कुमार साहू समेत लायंस क्लब के अन्य उपस्थित सदस्यों ने कार्य की सराहना की । कार्यक्रम का संचालन डॉ सुशील अग्रहरी ने करते हुए कहा की इन वृद्धो की सेवा सबसे सर्वोच्च सेवा है। इस अवसर पर आश्रम के केयरटेकर श्री रवि दुबे भी उपस्थित रहे अंत में संयोजक श्री गोपीचंद साहू ने धन्यवाद प्रेषित किया ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 76826 वादों का निस्तारण, वसूला गया 8 लाख 14 का अर्थदंड

चंदौली । सदर तहसील सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार चतुर्थ ने किया। इसमें विभिन्न मामलों के कुल 76826 वादों के निस्तारण में अर्थदंड के रूप में 8,14,300 लाख रुपये की धनराशि वसूली की गई। वहीं दिलाए गए उत्तराधिकार प्रमाण की धनराशि के रूप में 68,95,383 लाख रुपये व समस्त न्यायालयों की ओर से किए गए कुल मुकदमों की संख्या 11,317 रही। इसमें 2482 लघु आपराधिक मुकदमे शामिल रहे। लोक अदालत में जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार चतुर्थ ने तीन इजराय वादों का निस्तारण कर 1,55,500 रुपये का समझौता राशि दिलाया। राकेश धर दूबे प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ने 62 वादों का निस्तारण किया । इसमें 19 जोड़े साथ भेजे गए व समझौता राशि 28,84,500 रुपये दिलाई गई। अशोक यादव पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण की ओर से कुल 17 एमएसीटी वादों का निस्तारण कर 1,54,60,000 रुपये प्रतिकर दिलाया गया। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश विनय सिंह की अदालत ने चार इजराय वाद का निस्तारण किया। रामबाबू यादव विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) की ओर से तीन इजराय वाद निस्तारित किया गया। अनुराग शर्मा विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) की ओर से पांच वादों का निस्तारण कर 500 रुपये जुमार्ना वसूल किया गया। परितोष श्रेष्ठ अपर जनपद व सत्र न्यायाधीश नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ने एक इजराय वाद व 153 विद्युत वादों का निस्तारण किया। श्यामबाबू अपर जनपद व सत्र न्यायाधीश /एफटीसी प्रथम ने सात वादों का निस्तारण कर दो हजार रुपये जुमार्ना वसूल किया। दीपक मिश्रा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 1810 वादों का निस्तारण कर 2,56,100 लाख रुपये जुमार्ना वसूल किया। सुमन तिवारी सिविल जज (सी.डि) ने 13 वादों का निस्तारण कर 68,95,383 रुपये का उत्तराधिकार

खबरें फटाफट

पुलिस ने तीन शातिर मोटरसाइकिल चोरों को किया गिरफ्तार

जौनपुर। थाना मछलीशहर पुलिस टीम ने तीन मोटर साइकिल चोरों को गिरफ्तार किया है ।उनके कब्जे से चोरी की दो मोटर साइकिल व दो कटी हुई मोटरसाइकिलो के पाट्र्स बरामद किया है ।पकड़े गए तीनो शातिर चोर एक संगठित गैंग चलाते है । एसपी अजय पाल शर्मा द्वारा अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना मछलीशहर पुलिस टीम ने खाखोपुर से मीरगंज जाने वाली गाँव की सडक पर बहद्दाम रामपुरकला से मुखबिर की सूचना पर चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार तीन अभियुक्त मोनीश हाश्मी उर्फ मोनू पुत्र अख्तर उर्फ अतहर हाश्मी निवासी दिलावरपुर गौशाला थाना मडियाहूँ जौनपुर सचिन यादव पुत्र अमरबहादुर निवासी राजापुर प्रथम थाना मड़ियाहूँ जौनपुर वाहिद अली उर्फ सोनू पुत्र तज्जन अली निवासी लाजीपुर थाना सिकरारा जौनपुर को गिरफ्तार किया है।

शिक्षकों, विद्यार्थियों के प्रेरणा स्रोत थे रज्जू भैया: प्रो प्रमोद यादव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि रज्जू भैया एक आदर्श व्यक्तित्व के धनी थे। उनका चिंतन हमेशा समाज के हित के लिए होता था। रज्जू भैया इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष रहे। रज्जू भैया की भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिभा अभूतपूर्व थी, जिसके कारण देश के कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया, किंतु सामाजिक जीवन में रुचि होने के कारण रज्जू भैया ने सामाजिक कार्यों को चुना, तथा

ग्राउंड जीरो पर खुद भी पहुंचे सीएम योगी, हवाई सर्वे के साथ ही बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया मुआयना

आपदा पीड़ितों के लिए संकट मोचक बने सीएम योगी, बचायी हजारों की जान

- सीएम ने की रेस्क्यू करने वाले 7 लोगों को एक-एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा
- एनडीआरएफ की 12 टीमें, एसडीआरएफ की 9 टीमें और पीएसी की 23 टीमें तैनात
- बाढ़ की स्थितियों का जायजा लेने सीएम योगी खुद भी उतरे ग्राउंड जीरो पर

केटी न्यूज / लखनऊ

बाढ़ को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पहले से ही की गई तैयारियों ने जनता को बड़े नुकसान से बचा लिया हे। प्रदेश में मानसून से पहले अतिसंवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में की गई तैयारियां का नतीजा है कि हजारों लोगों की जान बचाने में सरकार को सफलता मिली है। पिछले दस दिनों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करीब 12 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का ही असर रहा कि अफसर भी ग्राउंड जीरो पर दिखाई दिये, वहीं मुख्यमंत्री खुद बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर वास्तुस्थिति से अवगत होते रहे। एक तरफ जहां उन्होंने हवाई सर्वे के माध्यम से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का मुआयना किया तो वहीं नाव से भी प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ने बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत सामग्री किट वितरित की और आपदा पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना भी दी। आपदा के दौरान अपनों को खोने वालों के परिजनों को सीएम ने सहायता धनराशि का चेक प्रदान किया। श्रावस्ती के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में 11 लोगों का रेस्क्यू करने वाले 7 लोगों को सीएम ने प्रशस्ति पत्र सौंपा व एक लाख रुपए का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की। योगी सरकार ने प्रदेश में मानसून के दस्तक देने से पहले ही बाढ़ की तैयारियां शुरू कर दी थीं। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ की दृष्टि से अतिसंवेदनशील 24 और संवेदनशील 16 जिलों में आपदा की स्थिति बनने से पहले ही सारी तैयारियां मुकम्मल कर ली गयीं थी। इसको लेकर सीएम योगी ने जून के दूसरे सप्ताह से ही अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर शुरू कर दिया था। इस दौरान सीएम ने राहत कार्यों से जुड़े अधिकारियों को शासनस्तर से लेकर फील्ड में तैनात अधिकारियों को पूरी ताकत से काम करने के निर्देश दिये थे। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग कर राहत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सीएम ने राहत कार्यों के दौरान छोटी-छोटी कमियों को दूर करने के निर्देश दिये। इतना ही नहीं वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की लगातार मॉनीटरिंग करते रहे। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थितियां सामान्य हैं और लोगों को हर संभव मदद पहुंचायी जा रही है।

लगातार की जा रही निगरानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर राहत कार्यों को अंजाम दिया। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। इसी के तहत श्रावस्ती में नेपाल में अचानक पानी छोड़े जाने से खेत में काम कर रहे 11 श्रमिकों को देररात रेस्क्यू ऑपरेशन चला करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित बचाया गया। इसी तरह पीलीभीत में टापू पर फंसे 7 लोगों को एयरफोर्स से समन्वय बनाकर एयरलिफ्ट कर सुरक्षित बचाया गया। इसके अलावा कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 76 लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया। राहत आयुक्त ने बताया कि पिछले दस दिनों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 11962 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। इसके साथ ही 21,239 से अधिक मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 804 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं, जिसमें कुल 1,365 लोग रह रहे हैं। वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 1178 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं, जिसके जरिये लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है। इन क्षेत्रों में 914 नाव चलाई जा रही हैं।

बाढ़ शरणालयों में दी जा रही घर जैसी सुविधा

प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों के लिए 12 एनडीआरएफ, 9 एसडीआरएफ, 23 पीएसी और 1 एसएसबी को तैनात किया गया है। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी एयरफोर्स एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी से निरंतर समन्वय बना हुआ है। पीलीभीत में 7,433 व्यक्तियों को नाव द्वारा तथा 170 मवेशियों को रेस्क्यू किया गया। वहीं श्रावस्ती में 213 मवेशियों और 2280 व्यक्तियों का रेस्क्यू किया गया। बाढ़ शरणालयों में रहने वाले प्रत्येक शरणार्थी के लिए पके हुये स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यहां स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम गठित की गई है। साथ ही पेय जल, औषधियों और ओआरएस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। शरणार्थियों के विश्राम के लिए बिस्तरों की भी व्यवस्था की गई है। शरणालयों में रात्रि के लिए समुचित प्रकाश व्यवस्था भी की गई है। यहां आने वाले शिशुओं के लिए दूध व पुष्टाहार की भी व्यवस्था की गई है। वहीं महिलाओं के लिये स्वच्छता संबंधी डिग्निटी किट की व्यवस्था की गई है।

उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत पर कांग्रेस कार्यकताओं ने बांटी मिठाई

जौनपुर। विभिन्न राज्य की रिक्त हुई 13 विधानसभा सीट पर संपन्न हुए उपचुनाव के नतीजे आने पर जौनपुर काँग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ ने बाजार मे मिठाई बांटकर खुशी मनाई। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद हुए इस उपचुनाव मे इंडिया गठबंधन ने 13 मे से 10 सीट जीत ली। इस अवसर पर बोलते हुए शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम ने कहा कि अयोध्या के बाद बद्रीनाथ में हुई भाजपा प्रत्याशी की हार यह बताती है कि धर्म की आड़ मे राजनीतिक रोटियां सेकने वालो को जनता सबक सिखाने का मन बना चुकी है। जल्द ही भाजपा का किला ढहने वाला है और देश में राहुल गांधी जी के नेतृत्व मे मजबूत सरकार बनने जा रही है। इस अवसर पर इश्तियाक अहमद, ज्ञानेश सिंह, अनुराग राय, भानू प्रताप मौर्य, आशीष सिंह, गुड्डू सोनकर, अमन सिन्हा, राणा विश्व प्रताप, फरहान जिलानी, रोहित पांडेय, शशांक शेखर, आदिल, विवेक सिंह, गौरव कुशवाहा, तौफीक अहमद आदि मौजूद रहे।

बारिश से कोपागंज नगर की हाल बदहाल

मऊ । कोपागंज नगर मे रोजाना हुई बारिश से जल जमाव के कारण लोगो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच बाजार जाने वाले मुख्य मार्ग पर कन्या पाठशाला , जूनियर हाई स्कूल, नगर पंचायत कार्यालय कोपागंज के पास मुख्य रास्ते पर पानी लग जाने से एक तरफ जहां लोगो को आवागमन में भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा हैं ।

पौधारोपण अभियान में हर दो घंटे पर पीएमएस पर अपलोड कराई जाएगी रिपोर्ट

चंदौली जिले में 63.28 लाख पौधे रोपने का मिला लक्ष्य

- आंगनबाड़ी में सहजन का पौधा रोपना होगा जरूरी

केटी न्यूज / चंदौली

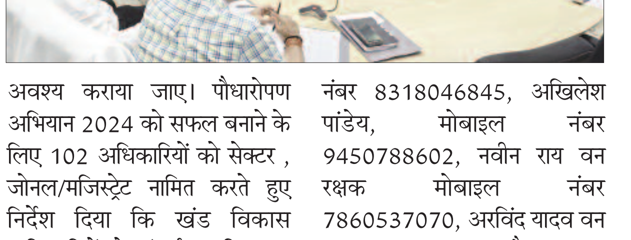

अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह की अध्यक्षता में लखनऊ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद वार वृहद पौधरोपण अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को एनआईसी सभागार में बैठक हुई। अपर सचिव ने कहा कि जनपद में पौधारोपण अभियान के तहत वर्ष-2024-25 में 20 जुलाई को 6328826 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पौधारोपण अभियान को समयबद्ध रूप से शासन की ओर से निर्धारित विभाग वार आवंटित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर सहजन का पौधारोपण अवश्य कराया जाए। पौधारोपण अभियान 2024 को सफल बनाने के लिए 102 अधिकारियों को सेक्टर , जोनल/मजिस्ट्रेट नामित करते हुए निर्देश दिया कि खंड विकास अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर 20 जुलाई को प्रत्येक घंटे ग्राम पंचायत वार पौधारोपण की सूचना निर्वाचन के तर्ज पर संबंधित खंड विकास अधिकारी को प्रेषित करेंगे। इसके लिए प्रभारी कार्यालय संकुल में स्थापित कंट्रोल रूम में कृष्ण मोहन पांडेय (कंट्रोल रूम प्रभारी) मोबाइल नंबर 9451891761, अजय राय, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी मोबाइल नंबर 8318046845, अखिलेश पांडेय, मोबाइल नंबर 9450788602, नवीन राय वन रक्षक मोबाइल नंबर 7860537070, अरविंद यादव वन रक्षक 9120477875 है।

इनकी ओर से पौधारोपण अभियान में हर दो घंटे पर पीएमएस पर रिपोर्ट अपलोड कराई जाएगी। अपर जिलाधिकारी अभय पांडेय ने कहा कि ग्राम विकास विभाग की ओर से मनरेगा योजना के तहत सामुदायिक व अन्य खाली भूमि पर पौधारोपण का कार्य सुनिश्चित करेंगे। पंचायती राज विभाग की ओर से पंचायत भवन, ब्लाक पंचायत व जिला पंचायत की परी संपत्तियों के परिसर में रोपण, पंचायत सड़कों पर रोपण, पंचायत स्तर पर पौधारोपण का वृहद प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कृषि, रेशम व पशुपालन विभाग की ओर से कृषि विभिन्न निजी भूमि पर कृषि वानिकी को प्राथमिकता प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि के पंजीकृत किसानों की ओर से पौधों का रोपण, कृषि विश्वविद्यालय व कृषि विज्ञान केंद्र से समन्वय स्थापित कर पौधारोपण का कार्य सुनिश्चित करें। बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा की ओर से शैक्षिक संस्थानों (सरकारी व निजी) स्कूलों कालेज, हास्टल आदि के परिसर व विभिन्न उपलब्ध भूमि पर पौधारोपण का कार्य सुनिश्चित किया जाए। कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर सहजन का पौधारोपण अवश्य सुनिश्चित कराएं।

तरुमित्र ने पौधों का वितरण कर किया जागरूक

चंदौली। पर्यावरण के प्रति जागरुक मुगलसराय नगर की संस्था तरुमित्र के पदाधिकारियों ने रविवार प्रात: कैलाशपुरी स्थित एक अस्पताल के पास पौधा लगाकर लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पौधरोपण के उपरांत संस्था द्वारा ट्री गार्ड भी लगाया गया। इस दौरान सैकड़ो पौधों का पेड़ों का वितरण कर लोगों से इसको लगाने के साथ ही पूरी तरह बड़ा पेड़ बनने तक इसकी देखभाल करने के लिए आग्रह किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी चिकित्सकों ने मानव जीवन व पर्यावरण के लिए पौधा कितना जरूरी है उसकी जानकारी भी दी।

सुभाषितम्

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं।

- अज्ञात

ट्रंप पर हमला अर्थात बैलेट पर बुलेट का प्रहार

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में शनिवार शाम करीब 6:15 बजे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उस वक्त जानलेवा हमला हुआ जबकि वो चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस हमले की जितनी भी निंदा की जाए वह कम ही होगी, क्योंकि लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि बिना हिंसा और खून-खराबे के सरकारें बदल जाती हैं। बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान बात-चीत से निकाल लिया जाता है। बावजूद इसके लोकतांत्रिक देशों में हिंसा बढ़ रही है, जो वाकई चिंता का विषय है। जहां तक पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले की बात है तो जब वो चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे तभी फायरिंग हुई और उनके दाहिने कान का ऊपरी हिस्सा जख्मी हो गया। अधिक मात्रा में बहते खून को रोकने ट्रंप ने कान में हाथ लगाया और एक सफल नेता की तरह लोगों को आश्वस्त किया कि कुछ नहीं हुआ है। इसके फौरन बाद ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर अपनी कुशल-क्षेम समर्थकों और शुभचिंतकों को दी और विरोधियों को बतला दिया कि वो ऐसे हमलों से डरने वाले नहीं हैं। वो चुनाव मैदान में डटे हुए हैं और आगे भी बने रहेंगे। उन पर हमला करने वाला आरोपी युवक उसी वक्त मार गिराया गया। उसकी पहचान भी कर ली गई है। बहरहाल इस दुःखद घटना ने अमेरिका ही नहीं बल्कि दुनिया के उन तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक सवाल तो छोड़ ही दिया है कि जहां बैलेट से सरकारें बदली जा सकती हैं वहां बुलेट का क्या काम है? आखिर क्या वजह रही होगी कि एक नौजवान को देश के पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की यूं जान लेने की सूझ पड़ी थी? अमेरिका में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले भी राष्ट्रपतियों, पूर्व राष्ट्रपतियों और उम्मीदवारों को निशाना बनाया गया और उनकी हत्या कर दी गई। अमेरिका के इतिहास पर सरसरी निगाह डालें तो मालूम चलता है कि यहां की राजनीति में भी हिंसा के स्याह पन्ने जुड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स को यदि सही माना जाए तो राष्ट्रपति पद पर रहते हुए चार नेताओं की हत्या कर दी जाना कोई मामूली बात नहीं है। इस पर अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या की गुत्थी तो आज तक सुलझाई नहीं जा सकी है, जो कि अपने आप में अविश्वसनीय घटना लगती है। इनसे पहले अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की 14 अप्रैल, 1865 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड की 2 जुलाई, 1881 को गोली मारकर हत्या की गई। इसी तरह से 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिनले को 6 सितंबर, 1901 को गोली मारी गई और उनकी मौत इसी कारण 14 सिंतबर 1901 को हुई। अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी को नवंबर 1963 में गोली मारी गई थी। इतिहास के पन्नों में दर्ज इस हत्या के कारणों का खुलासा आज तक नहीं हो सका, जिसे लेकर समय-समय पर दावे-प्रतिदावे भी किए जाते हैं। इसी तरह से राष्ट्रपति के अनेक उम्मीदवारों को वक्त-वक्त पर बंदूक की गोली का निशाना बनाया गया और उन्हें हलाक कर दिया गया। वैसे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह हिंसा और खून-खराबे की रत्तीभर भी इजाजत नहीं है, लेकिन अफसोस कि देखने में यही आता रहा है कि जब-जब चुनाव आते हैं, किसी न किसी तरह से बुलेट के हिमायती सिर उठाना शुरू कर देते हैं। इसे राजनीतिक हिंसा का नाम दिया जाता है, जबकि इसके पीछे के कारणों की अनदेखी कर दी जाती है। देश और दुनियां के बदलते हालात और नई-नई चुनौतियों को एक कारण माना जाता है, लेकिन इससे आगे भी कुछ है, जिस पर अब विचार करने की आवश्यकता आन पड़ी है। विचार करना होगा कि जिनके हाथों में देश की दशा और दिशा तय करने की ताकत होती है, जब वो चुनाव मैदान में उतरते हैं तो उनकी भाषा क्या संयमित होती है? क्या वो हथियार उठाने और एक-दूसरे को चुनौती देने जैसे बयानों से बचते हैं? क्या वो वर्ग और जाति में बांटकर लोगों को आपस में लड़ाने और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने से गुरेज करते हैं?

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक। अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं ।

अनंत की शादी या शादी का अनंत?

- राकेश अचल

`मुझे पढ़ने वाले, स्नेह करने वाले, चिढ़ने वाले रोजाना किसी न किसी विषय पर लिखने का आग्रह करते हैं। कभी कभी मैं अपने प्रशंसकों और विरोधियों के सुझाए विषयों पर लिखता भी हूं, लेकिन मुझे हैरानी है कि किसी ने भी मुझसे इस साल की सबसे मंहगी अनंत अंबानी की शादी पर लिखने का आग्रह नहीं किया। आज मैं खुद इस विषय पर लिख रहा हूं। धीरूभाई अंबानी के पौत्र अनंत अंबानी की शादी भारत में होने वाली शायद सबसे मंहगी और विशेष शादी है ।इस शादी में अनंत के पिता माननीय मुकेश अंबानी केवल आसमान के तारे तोड़कर नहीं ला पाए अन्यथा धरती पर जितना कुछ संभव था उन्होंने कर दिखाया।

मै अंबानी परिवार से वर्षों से जुड़ा हूं, हालांकि वे मुझे नहीं पहचानते। पहचानते होते तो मुझे भी अनंत की शादी का निमंत्रण पत्र भेजते। अंबानी परिवार ने अनंत की शादी पर जिस दरियादिली से द्रव्य खर्च किया है , उसे देखकर इस परिवार के प्रति मेरे मन में श्रद्धा और बढ़ गई है ।मै उन लोगों में से नहीं हूं जो अनंत की शादी पर होने वाले खर्च को फिजूलखर्ची मानते हैं। मै इस खर्च को अम्बानी परिवार का संवैधानिक और मौलिक अधिकार मानता हूँ। अम्बानी के बेटे की शादी में जो गया वो सौभाग्यशाली है ,और जो नहीं जा पाया वो शायद बदनसीब ही कहा जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री से लेकर माननीय शंकराचार्य तक अनंत को शुभकामनाएं,बधाई और आशीर्वाद देने पहुंचे। ये अनंत की किस्मत है कि वे उस परिवार में जन्मे हैं जिसने दुनिया को 22 साल पहले अपनी मुठ्ठी में कर लिया था। अनंत के दादा धीरूभाई अम्बानी ने मात्र ५०० रुपए से अपना कारोबार शुरू किया था और आज उनके बेटे मुकेश अम्बानी के पास 12370 करोड़ अमीरीकी डालर यानि कोई 1020 लाख करोड़ की सम्पत्ति है। ये अम्बानियों का पुरुषार्थ है। वे आज दुनिया के बड़े से बड़े सितारे को अपनी उँगलियों पर नचा सकते है। भारत की सत्ता और विपक्ष और जनता-जनार्दन आखिर किस खेत की मूली है ? उनकी मुठ्ठी में देश कि सत्ता,देश कि अर्थव्यवस्था और देश कि निरीह जनता है।

अनंत की शादी की तस्वीरें देखकर जलने वालों की संख्या भी अम्बानी की अकूत सम्पत्ति की तरह असंख्य है ,लेकिन जलने वाले जलते रहें ,अम्बानी जी के ऊपर क्या असर होने वाला है ? देश में माननीय प्रधानमंत्री जी से लेकर अम्बानी जी का संतरी भी ये हिम्मत नहीं कर सकता कि वो अम्बानी जी को धन का अमर्यादित प्रदर्शन करने से रोक सके। प्रतिकार की शक्ति नैतिकता से आती है और दुर्भाग्य से ये शक्ति न हमारे राजनेताओं में है और न धार्मिक नेताओं में। वे सब लक्ष्मी के दरबार में चोबदारों की तरह अपने सेंगोल लेकर उपस्थित हुए हैं। अगर उपस्थित न होते तो शायद अम्बानी परिवार उन्हें जाति बाहर कर देता। और जाति से बाहर कोई नहीं होना चाहता । न प्रधानमंत्री और न शंकराचार्य। लक्ष्मी के सामने सभी नतमस्तक होते हैं। मुझे तो लग रहा था कि जैसे अम्बानी के बेटे की शादी में दुनिया के सारे अब्दुल्ला दीवाने हो रहे थे।

अम्बानी परिवार ने किस गवैये ,किस नचाइये को कितना धन दिया इसकी खबरें चटखारे लेकर छपी,दिखाई जा रहीं हैं। अनत और उनकी पत्नी राधिका के लंहगे से लेकर मेकअप तक के कसीदे काढ़े जा रहे हैं। इस नव दम्पत्ति के साक्षात्कार ऐसे दिखाए जा रहे हैं जैसे वे भारत की संस्कृति का प्रतिनीधित्व करते हों। ये वो देश है जिसमें आज भी लोग अपने बच्चों का विवाह करने के लिए सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। लेकिन इस देश में ही अम्बानी भी रहते हैं। उनके पास इतनी सम्पत्ति है कि वे यदि रोजाना 3 करोड़ रुपए भी खर्च करें तो उन्हें अपनी सम्पत्ति खर्च करने के लिए कम से कम 932 साल छह महीने चाहिए। यानि अम्बानी की कम से कम दस पीढ़ियां तो बिना हाथ हिलाये आनंद के साथ रह सकतीं हैं।

दुनिया के हर देश में अपने-अपने अम्बानी है। पूंजीवादी देशों में तो अम्बानियों का होना स्वाभाविक है लेकिन भारत जैसे महान लोकतान्त्रिक देश में किसी का अम्बानी होना एक अजूबा है। भारत में 500 रुपए की पूँजी से अरबों-खरबों की पूँजी बनाने का करिश्मा यूं ही नहीं हो जाता । इस करिश्में में वे तमाम संवैधानिक और असंवैधानिक शक्तियां भी बराबर से सहयोगी होतीं हैं जिनके दर्शन आपने अनंत की शादी के प्रीतिभोज में किये। मै किसी का नाम लेकर किसी को लांछित नहीं कर सकता। किसी को लांछित करने का कोई कारण भी नहीं है। ये एक परिवार का सुखद प्रसंग है। दुखद सिर्फ इतना है कि देश के प्रधानमंत्री हों या शंकराचार्य या विपक्ष के नेता उन गरीबों के बच्चों की शादियों में नहीं जाते जहाँ तड़क-भड़क नहीं होती। गरीबों के यहां जाने और न जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है अम्बानियों के यहां न जाने से। माननीय प्रधानमंत्री जिन अम्बानी के बेटे की शादी में शरीक हुए उन्हें के ऊपर पिछले महीने आम चुनाव के समय उन्होंने टेम्पो भर भरकर विपक्ष को रुपया देने का आरोप लगाया था। ईडी प्रेमी सरकार भी अम्बानी के घर ईडी भेजने का साहस नहीं कर पायी।

देश के एक सामान्य नागरिक और अम्बानी परिवार के उपभोक्ता की हैसियत से मै अनंत और राधिका के सुखद और उज्ज्वल जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित करते हुए अनंत से आग्रह करूंगा कि जब उनके हाथ में अम्बानी परिवार की सत्ता आए तो वे अपनी शादी में हुए धन के बेहूदा प्रदर्शन कि पुनरावृत्ति नहीं होने देंगे। प्रेरणा लेंगे उस गाँधी परिवार से जिसने अपनी बेटी की शादी में मात्र 350 लोगों को आमंत्रित किया था। यद्यपि गांधी परिवार चाहता तो अम्बानी से ज्यादा भीड़-भड़क्का,चमक-दमक कर सकता था। मुझे याद है कि प्रियंका की शादी में कांग्रेस के ही तमाम सांसदों को न्यौता नहीं दिया गया था। हमारे माननीय के तो कोई बाल-बच्चा है नहीं इसलिए उनके ऊपर इस तरह की फिजूलखर्ची का कोई आरोप लगाया नहीं जा सकता ,लेकिन उन्होंने अपने मन की हसरत अपने शपथ ग्रहण समारोह में देश -दुनिया के तमाम लोगों को आमंत्रित कर पूरी कर ली थी।

लब्बो-लुआब ये है कि भारत में अनंत जैसी शादियों पार प्रतिबंध की जरूरत है, क्योंकि आज भी इस देश में 80 करोड़ से ज्यादा जनता सरकार द्वारा मुहैया कराये जा रहे पांच किलो अन्न पर निर्भर है। अम्बानी जैसी फिजूलखर्ची इन गरीबों का अपमान है। उन्हें नीचा दिखने कि कोशिश है। देश में यदि शादियों की फिजूल खर्ची रोकने के लिए कोई कानून प्रभावी नहीं है तो नए कानून बनाये जाएँ। सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग इस तरह के फूहड़ धन प्रदर्शन से जुड़े आयोजनों में जाने से अपने आपको रोकें ,अन्यथा देश में उलटी गंगा हमेशा बहती रहेगी। और हमारा संविधान टुकुर-टुकुर ये सब देखता रहेगा।

सुप्रीम फैसला : सीबीआई जाँच के लिए, राज्य की मंजूरी जरूरी....?

-ओमप्रकाश मेहता

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले के माध्यम से अब तक चली आ रही उन दुर्भावनापूर्ण सीबीआई जांचों पर पाबंदी लगा दी है, जिसका अब तक मुख्य आधार राजनीतिक विद्वेष होता रहा है, अब सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दे दिया है कि किसी भी राज्यके किसी भी मामले में सीबीआई बिना राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के शुरू नही कर सकती, अब तक केन्द्र में काबिज राजनीतिक दल अपने विरोधी दलों की राज्य सरकारों को सीबीआई के हथियार से डराया धमकाया करते थे और राज्य सरकार कुछ नही कर पाती थी, अर्थात् केन्द्र में राज करने वाला राजनीतिक दल अपने दल विरोधी राज्य सरकारों को सीबीआई के हथियार से डराया धमकाया करता था किंतु अब पश्चिम बंगाल की शिकायत पर दर्ज मामले में सुप्रीम कोर्ट की साफगोई के बाद यह संभव नही हो पाएगा।

आज की तारीख में पूरे देश के राज्यों में ढाई सौ से अधिक ऐसे मामले चल रहे है जो केन्द्र द्वारा राजनीतिक विद्वेष के कारण अपनी विरोधी दलीय राज्य सरकारों पर सीबीआई जांच बिठा रखी है और इस तरह सीबीआई को राजनीतिक हथियार बना रखा है, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी की पहल पर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए और केन्द्र पर यह पाबंदी लगा दी कि वह बिना सम्बंधित राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के सम्बंधित राज्यके किसी भी सीबीआई के माध्यम से जांच नही थोप सकता। जांच के लिए उसे पहले सम्बंधित राज्य की सरकार से जांच की अनुमति लेनी पडेगी। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने देश में चल रहे उस राजनीतिक चलन पर पाबंदी लगा दी

जिसका आधार पूर्वाग्रही राजनीति रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देश के राजनीति व उनके नेताओं पर क्या असर होता है? यह तो इसके लागू हो जाने के बाद अब भविष्य में पता चलेगा, किंतु यह सही है कि यह भारतीय राजनीति को स्वच्छ निर्मल बनाने में सुप्रीम कोर्ट की पहल अवश्य सिद्ध होगी।

वैसे यह चलन हमारे भारत में कोई नया नही है, आजादी के बाद नेहरू युग से चला आ रहा है वैसे उस समय देश के अधिकांश राज्यों पर कांग्रेस का ही कब्जा था और उस समय सीबीआई संगठन भी नही था, किंतु केन्द्रीय जांच के नाम पर यह कथकंडा अवश्य अपनाया जाता था। धीरे-धीरे इस हथकंड़े ने प्रभावी रूप धारण किया और इस नई सदी में तो इसने विशाल रूप धारण कर लिया और यह राजनीतिक विद्वेष का प्रमुख हथियार बन गया और इसी का परिणाम है कि आज केन्द्र द्वारा अपनी दल विरोधी राज्य सरकारों को परेशान करने के लिए इसी सीबीआई को हथियार बना रखा है। अब सर्वोच्च न्यायालय के इस अहम् फैसले के बाद उम्मीद है कि केन्द्र द्वारा सीबीआई के राजनीतिक दुरूपयोग पर अंकुश लग जाएगा और किसी भी राज्यके किसी भी मामले में सीबीआई से जांच करवाने के पहले काफी सोच-समझकर और सम्बंधित राज्य की पूर्व अनुमति लेकर ही सीबीआई जांच की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और यह तय है कि ऐसी जांच के अधिकांश मामलों में सम्बंधित राज्यों से केन्द्र को जांच की अनुमति नही मिल पाएगी और धीरे-धीरे सीबीआई नामक महत्वपूर्ण जांच एजेंसी का राजनीतिक दुरूपयोग कम होता जाएगा।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय जांच संगठन अर्थात् सीबीआई में अफसरों की तैनाती भी अब तक काफी विवादास्पद रही है, मुख्यतः इस संगठन में तैनाती के पूर्व सम्बंधित अफसरों का राजनैतिक समर्पण भाव जांचा परखा जाता रहा है, इसीलिए सरकार बदलते ही यह संगठन सर्वाधिक प्रभावित होता रहा है, किंतु अब सर्वोच्च न्यायालय के अनुमति सम्बंधी फैसले के बाद अब केन्द्र के राजनैतिक हथकंड़ों पर थोड़ी बंदिश अवश्य लग जाएगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

पोषणयुक्त आहार एवं कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प के उजाल

- ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में भूख, कुपोषण एवं बाल स्वास्थ्य पर समय-समय पर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिन्ताजनक स्थिति विश्व का कड़वा सच है लेकिन एक शर्मनाक सच भी है और इस शर्म से उबरना जरूरी है। कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। इन स्थितियों के बीच भारत में इस गंभीर स्थिति पर नियंत्रण पाने की दिशा में सरकार ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। भारत सरकार पोषणयुक्त आहार एवं कुपोषणमुक्त भारत के संकल्प को आकार देने में जुटी है, आजादी के बाद मोदी सरकार ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता पाई है, जो समस्या से मुक्ति की दिशा में सरकार के संकल्प का उजाला है।

कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिये सरकार विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है। हालाँकि उनके वित्तपोषण और कार्यान्वयन में अभी भी अंतराल मौजूद हैं। इस मुद्दे को समग्र रूप से संबोधित करने के लिये एक व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक है। कुपोषण की स्थिति तब विकसित होती है जब शरीर विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्त्वों से वंचित हो जाता है, भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक कुपोषण मुक्त भारत सुनिश्चित करने के लिये राष्ट्रीय पोषण मिशन अभियान शुरू किया था, जिसमें बड़ी सफलता मिली है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान वर्ष 2018 में शुरू किया गया, मिशन का उद्देश्य एनीमिया की वार्षिक दर को एक से तीन प्रतिशत अंक तक कम करना है। मध्याह्न भोजन योजना का उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच पोषण स्तर में सुधार करना है, जिसका स्कूलों में नामांकन, प्रतिधारण और उपस्थिति पर प्रत्यक्ष एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 का उद्देश्य अपनी संबद्ध योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से सबसे कमजोर लोगों के लिये खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है, जिससे भोजन तक पहुँच कानूनी अधिकार बन जाए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिये बेहतर सुविधाएँ प्राप्त करने हेतु 6,000 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित किये जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आज दिन लाभ से भरा होगा और कुछ खास फैसले आपको लाभ प्रदान कर सकते हैं।

वृषभ आज दिन सफलता से भरा होगा और आप अपने विरोधियों को छोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।

वृश्चिक कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।

मिथुन क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और बिजनस में नए आइडिया पर काम करेंगे तो आपको लाभ होगा।

धनु धनु आज घर में धन धान्य की वृद्धि होगी और मित्रों से धन का लाभ होगा।

कर्क आपके द्वारा लिए गए निर्णय लाभप्रद होंगे। आपका जन संपर्क बढ़ने से आप प्रफुल्लित रहेंगे।

मकर आज धन वृद्धि होगी और आपको विजय प्राप्त है। सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी।

सिंह आज भाग्य हर मामले में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा।

कुंभ आज कर्म फल के मामले में फायदा होगा। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है।

कन्या आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करनी चाहिए तो आपको लाभ होगा।

मीन आज धन में वृद्धि होगी। आय के नये स्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा।

विशेष

झारखंड को लेकर भाजपा की चिंताएं बढ़ी

अगले कुछ महीनो में चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर,महाराष्ट्र, हरियाणा तथा झारखंड में विधानसभा चुनाव होना है। हेमंत सोरेन हाल ही में जेल से बाहर आकर पुनः मुख्यमंत्री बने हैं। आदिवासी समुदाय भाजपा से नाराज है। झारखंड जीतने के लिए इस बार मेघालय जैसा खेल झारखंड में खेला जा सकता है। झारखंड के संथाल परगना, उत्तरी और दक्षिणी छोटा नागपुर क्षेत्र में ईसाई मिशनरी और बांग्ला देशी मुसलमानों की सक्रियता को आधार बनाकर, विधानसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी और संघ बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हैं। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता और प्रचारक झारखंड में सक्रिय हो गए हैं। झारखंड राज्य में विधानसभा के चुनाव में इस बार कुछ बड़ा हो सकता है। यह संभावना राजनीतिक हल्कों में जताई जा रही है।

एनडीए की सरकार में राज्यपालों की नियुक्ति?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में यह कहा जाता है। वह फटाफट निर्णय लेते हैं। राज्यपाल, वरिष्ठ अधिकारियों इत्यादि की नियुक्ति मे प्रधानमंत्री मोदी अपनी पसंद के अनुसार ही नियुक्ति करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से सेवानिवृत अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आसपास महत्वपूर्ण पदों पर तैनात हैं। वही सत्ता चला रहे हैं। राज्यपालों के कई पद लंबे समय से खाली पड़े हुए हैं। अन्य राज्यों के राज्यपालों को अस्थाई प्रभार दिया गया है। पांडुचेरी के राज्यपाल का पद 3 साल से खाली है। तेलंगाना के राज्यपाल का पद खाली पड़ा है। दादर नगर हवेली और लक्षद्वीप दोनों केंद्र शासित प्रदेश हैं। यहां पर भी प्रशासक पद पर किसी की नियुक्ति नहीं हुई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1492: स्पेन ने मूरो से ग्रेनाड छीन लिया. 1757: नवाब सिराजुद्दौला से राबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता छीन लिया. 1799: नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ सीरिया पहुंचा. 1899: रामकृष्ण मिशन के भिक्षुओं ने वैलूर मठ में रहना शुरू किया. 1900: अमरीका ने चीन के लिए खुली नीति की घोषणा की. 1905: रूस ने मंचूरियाई हरपोर्ट आर्थर जापानियों के हवाले कर दिया.1913: यूनान ने चियोस द्वीप स्थित तुर्की के शस्त्रागार पर कब्जा किया. 1932: मंचूरिया में मंचूकओ गणराज्य की स्थापना हुई थी. 1937: स्पेन की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु इंग्लैंड और इटली में समझौता. 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने फिलीपीस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया था. 1965: अयूब खान पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए.

दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2024 वर्ष का 197 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 19.20 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 00.30 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्ध 07.00 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.27 बजे तदनन्तर कौलव 19.20 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 29' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872041 **जूलियन दिन** 2460506.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 08 **विशेष** भड़ली नवमी।

ग्रह	स्थिति	लग्न	लग्नारंभ समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.33 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	07.49 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.01 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.11 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.26 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	16.42 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	18.47 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.34 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.07 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	23.37 बजे से
		वृष	01.17 बजे से
		मिथुन	03.15 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

गोबर खाद को यूं पहचाने

गर्म है तो गोबर, ठंडी है तो खाद

जमा है तो गोबर, भुरभुरी है तो खाद

हरा है तो गोबर, भूरी है तो खाद

भारी है तो गोबर, हल्की है तो खाद

महके तो गोबर, न महके तो खाद

गर्म है तो गोबर, ठंडी है तो खाद।

पकी गोबर खाद से अधिक लाभ

खाद निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री

खाद उत्तम प्रकार से पक सके तथा खेत में पोषक तत्व एवं वायु का संचार कर सके इस हेतु निम्नलिखित सामग्री का उपयोग करें:

गोबर, हरा मुलायम चारा अथवा घास जो बिना फूल और बीज का हो अथवा फसलों के मुलायम अवशिष्ट, पानी, वायु और हल्की छनती हुई सी धूप।

पकी हुई उत्तम गुणवत्तायुक्त खाद ऐसे बनायें

खाद निर्माण हेतु निम्नलिखित में से कोई भी एक वैज्ञानिक विधि अपनायें:

भू-नाडेप

यह विधि खाद बनाने की सबसे सस्ती और सरल विधि है. खाद बनाने हेतु ऐसा छायादार स्थान चुनें जहाँ छन–छन कर धूप आ रही हो. जितने भी स्थान पर आप खाद बनाना चाहते हैं उस स्थान को गीले गोबर से लीपें (लगभग 20–25 हाथ के बराबर लम्बाई और 10–15 हाथ के बराबर चौड़ाई का स्थान) और इस स्थान के चारों ओर ज़मीन में पत्थर या ईंट की एक पर्त जमा दें ताकि सामग्री इस स्थान पर ही एकत्रित हो तथा फैले नहीं। इस स्थान पर गोबर तथा मुलायम चारा अथवा फसल के मुलायम अवशिष्ट (फूल और बीज से रहित) को एकत्रित करें। कमर से ऊपर की ऊँचाई का ढेर हो जाने पर इस ढेर को चारों ओर गोबर से लीपें एवं मोटे डंडे की सहायता से इस ढेर में चारों ओर गड्ढे बनायें। सप्ताह में 1–2 बार इस ढेर की सिंचाई करें। सिंचाई के लिये गड्ढों का उपयोग करें। यह ढेर लगभग 85–90 दिन के उपरांत ऊपर से दब जायेगा (बैठ जायेगा)। सुबह 4–5 बजे के बीच आप देखेंगे तो इस ढेर में से भाप निकलना बन्द हो चुकी होगी। अब ढेर की गहराई से थोड़ी सी खाद निकालकर देखें तो पायेंगे कि खाद ठंडी हो चुकी है। यह खाद अब खेत में डालने को तैयार है.

खाद के जामन से जल्दी खाद बनायें

इस तैयार खाद में से 1 बोरी खाद बचा लें. अगली बार जब भू नाडेप/टटिया नाडेप/ पक्के नाडेप में सामग्री भर रहे हों तो प्रत्येक एक बीता (लगभग 6 इंच की) पर्त भरने के बाद 1–2 मुट्ठी पुरानी बची हुई खाद ऊपर से छिड़क दें। जिस प्रकार से दही जमाने के लिये दूध में जामन कार्य करता है उसी प्रकार यह पुरानी खाद कार्य करती है. खाद निर्माण की बाकी की प्रक्रिया पूर्ववत ही अपनायें। इस बार लगभग 75 दिन में ही गोबर की ठंडी खाद तैयार हो जायेगी।

कच्ची खाद के उपयोग के दुष्परिणाम

ज़मीन के अन्दर गड्ढे में वायु की अनुपस्थिति में तैयार कच्ची खाद में खरपतवार के बीज, कीटों के अंडे, दीमक तथा रोगाणु उपस्थित होते हैं। इस प्रकार की कच्ची खाद के उपयोग से खेत में खरपतवार के बीज कीट एवं रोगाणु भारी संख्या में पहुँचते हैं तथा समय पा कर फसल को नुकसान पहुँचाते हैं. इनके नियंत्रण में खेती की लागत बढ़ती है तथा लाभांश में कमी आती है।

आगामी खरीफ के लिये अनुशंसा

अभी आपके घर के पीछे बने गड्ढे में गोबर, चारा और फसल अवशिष्ट वायु की अनुपस्थिति में कच्चे स्वरूप में विद्यमान होगा जो जिसे आषाढ़ में आप खोद कर निकालेंगे। यह बहुत ही गर्म, हरे रंग के कच्चे गोबर के स्वरूप में प्राप्त होगा। जब इसे आप खेत में डालेंगे तब इस गोबर में उपस्थित खरपतवार के बीज खेत में उग जायेंगे और कीट और रोग आपके खेत में फैल जायेंगे।

यदि आप इस समस्या से बचना चाहते हैं तो अभी इसी समय जब आप यह लेख पढ़ रही हैं, उठें और गोबर को गड्ढे से खोद कर धरती के ऊपर निकालें, इस ढेर को व्यवस्थित कर चारों ओर पत्थर अथवा ईंट की पर्त बांधें और इसे रोज़ सींचे। जब यह ठंडा हो जाये तभी इसे खेत में डालें। इस प्रकार की खाद से आपकी खेती में लाभ होगा नुकसान नहीं।

टटिया नाडेप

यह विधि भी खाद बनाने की सस्ती विधि है. किसान खाद बनाने हेतु ऐसा छायादार स्थान चुनें जहाँ छन छन कर धूप आ रही हो। जितने भी स्थान पर आप खाद बनाना चाहते हैं उस स्थान को गीले गोबर से लीपें तथा चार कोनों में और बीच में दो स्थानों में ज़मीन में मोटी लकड़ियाँ गाड़ें। इन लकड़ियों के सहारे से बाँस अथवा टहनियों की टटिया (पूर्व से तैयार) को रस्सी से बाँध कर मज़बूत टंकी तैयार करें. टंकी की लम्बाई और चौड़ाई 2 खाट के बराबर और ऊँचाई कमर की ऊँचाई के बराबर रखें. इस टंकी को भू–नाडेप की तरह ही भरें तथा गोबर की ठंडी खाद भी उसी विधि से बनायें।

- *क्या आप ज़मीन के भीतर गड्ढे में गोबर की खाद का निर्माण करते है.*
- *जब आप गोबर की खाद को खोद कर ज़मीन से खोदकर खेत में डालने के लिये, बाहर निकालते हैं क्या गोबर की खाद गर्म, हरी, भारी एवं जमी हुई निकलती है.*
- *क्या इस प्रकार की गोबर खाद को खेत में डालने के उपरांत, पहली बारिश होने के तुरंत बाद खरपतवार उगने प्रारम्भ हो जाते हैं और कीट तथा बीमारियों का आक्रमण हो जाता है.*
- *क्या इन खरपतवार, दीमक, कीट और बीमारियों को रोकने के प्रयास में आप खेती की लागत को बढ़ा कर लाभांश कम कर लेते हैं.*
- *क्या आप इस नुकसान से छुटकारा पाना चाहते हैं और गोबर की खाद को ज़मीन की सतह के ऊपर भू–नाडेप, टटिया नाडेप अथवा पक्के नाडेप द्वारा तैयार कर खाद का लाभ लेना चाहते हैं। तो यह वैज्ञानिक लेख पढ़ें –*

खाद निर्माण के दौरान यह न करें

- गोबर की खाद बनाने हेतु मिट्टी का उपयोग कतई न करें। यह पकती नहीं है।
- किसान घर का कचड़ा गोबर बनाने के ढेर में न डालें। यह भी पकता नहीं हैं।
- खाद बनाने के लिये मोटे डंठल और लकड़ियों का उपयोग न करें इनको पकने में समय लगता है।
- ज़मीन के नीचे गड्ढे में खाद निर्माण सामग्री एकत्रित न करें क्योंकि वायु कि अनुपस्थिति में खाद कच्ची रह जाती है।

प्लास्टिक सुरंग में बेमौसम सब्जियां लगाएं

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है। संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिये सब्जी उत्पादकों को खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सब्जी का उत्पादन करे। इसमें कृषक को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह कौन–कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकियां का उपयोग करें ताकि वह सब्जियों को वर्ष भर उगा सके। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद रख–रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। मुख्यत: सब्जी उत्पादन हेतु उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा टिकाऊ व उच्च बाजार की उपलब्धता व बिजली की उपलब्धता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते हैं। सब्जियों के बेमौसमी उत्पादन हेतु खासतौर पर एअरकंडीशन ग्रीनहाउस, प्राकृतिक हवा वाले ग्रीन हाउस, प्राकृतिक हवा वाले ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, लो प्लास्टिक टनल आदि का उपयोग किया जाता है। बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिये सब्जियों की पौध प्लग ट्रे पद्धति में

तैयार की जाती है तथा उसके बाद पौधों को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते हैं।

लो प्लास्टिक टनल तकनीक

लो प्लास्टिक टनल तकनीक ऐसी संरक्षित तकनीक है जिसे मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारी के ऊपर कम ऊंचाई पर प्लास्टिक की चादर ढक कर बनाया जाता है। यह फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिये बनाई जाती है। यह तकनीक उत्तर भारत के उन मैदानों में सब्जियों की बेमौसमी खेती के लिये बहुत उपयोगी है जहां सर्दी के मौसम में रात का तापमान लगभग 40 से 60 दिनों तक 8 डिग्री से नीचे रहता है।

इस तकनीक से बेमौसमी सब्जियों उगाने के लिए सब्जियों की पौध को प्लास्टिक प्लग ट्रे तकनीक से दिसंबर व जनवरी में ही तैयार किया है। ऐसी संरचना बनाने के लिए सबसे पहले ड्रिप सिंचाई की सुविधायुक्त खेत में जमीन से उठी क्यारियों का निर्माण उत्तर से दक्षिण दिशा में किया जाता है। इसके बाद क्यारियों के मध्य में एक ड्रिप लाइन बिछा दी जाती है। क्यारी के ऊपर 2 मि.मी. मोटे जंगरोधी लोहे के तारों या पतले व्यास के पाइपों को मोड़ कर घेरे इस प्रकार बनते है कि इसके दो सिरों की दूरी 50–60 से.मी. तथा मध्य से ऊंचाई भी 50–60 से.मी. रहे। तारों के बीच की दूरी 15 से 20 मी. रखनी चाहिए इसके बाद तैयार पौध को क्यारियों में रोपाई करते हैं तथा दोपहर बाद 20–30 माईक्रोन मोटाई तथा लगभग 20 मी. चौड़ाई की पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढका जाता है। ढकने के बाद प्लास्टिक के लम्बाई वाले दोनों सिरों को मिट्‌टी से दबा दिया जाता है। इस प्रकार रोपित फसल पर प्लास्टिक की एक लघु सुरंग बन जाती है। यदि रात को तापमान लगातार 5 डिग्री से.ग्रे. से कम है तो सात से दस दिन तक प्लास्टिक में छेद करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन उसके बाद प्लास्टिक में पूर्व दिशा की ओर चोटी से नीचे की ओर छोटे–छोटे छेद कर देते हैं। जैसे–जैसे तापमान बढ़ता है इन छेदों का आकार भी बढ़ाया जाता है। पहले छेद 2.5 से 3.0 मी. की दूरी पर बनाते है बाद में इन्हें 1.0 मी. दूरी पर बना देते हैं। आवश्यकतानुसार मौसम ठीक होने पर तापमान को ध्यान में रखते हुए टनल की प्लास्टिक का फरवरी के अंत से मार्च के प्रथम सप्ताह में पूरी तरह से हटा दिया जाता है। इस समय तक फसल काफी बढ़ चुकी होती है तथा कुछ फसलों में तो फल स्थापन भी आरंभ हो चुका होता है। इस तकनीक से बेल वाली समस्त सब्जियों को मौसम से पहले या पूर्णत: बेमौसम में उगाना संभव है।

विभिन्न बेल वाली सब्जियों में इस तकनीक से संभावित फसल अगेतापन इस प्रकार है-

चप्पन कद्दू	– 40 से 60 दिन
लौकी	– 30–40 दिन
करेला	– 30 से 40 दिन
खीरा	– 30 से 40 दिन
खरबूजा	– 30 से 40 दिन

संक्षिप्त समाचार

पेटीएम से बाहर निकला सॉफ्टबैंक, 15 करोड़ डॉलर का उठाया नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। जापान के सॉफ्टबैंक की निवेश शाखा सॉफ्टबैंक विजन फंड अप्रैल-जून तिमाही में करीब 15 करोड़ डॉलर का घाटा उठाकर पेटीएम से बाहर हो गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सॉफ्टबैंक ने 2017 में पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में किस्तों में लगभग 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया था। एक सूत्र ने कहा, सॉफ्टबैंक ने 10-12 प्रतिशत के नुकसान के साथ पेटीएम से अपना कारोबार समेट लिया है। कुल नुकसान करीब 15 करोड़ डॉलर है। साल 2021 में कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले सॉफ्टबैंक के पास पेटीएम में लगभग 18.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसमें एसवीएफ इंडिया होल्डिंग्स (केमैन) लिमिटेड के माध्यम से 17.3 प्रतिशत और एसवीएफ पैंथर (केमैन) लिमिटेड के माध्यम से 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। एसवीएफ पैंथर ने आईपीओ के दौरान अपनी पूरी हिस्सेदारी 1,689 करोड़ रुपये यानी करीब 22.5 करोड़ डॉलर में बेच दी। एक अन्य सूत्र ने कहा, सॉफ्टबैंक ने उस समय घोषणा की थी कि वह आईपीओ के समय से 24 महीने के भीतर पेटीएम से बाहर निकल जाएगी। बाहर निकलने का फैसला सॉफ्टबैंक की योजना के अनुरूप है। हालांकि, कंपनी ने उस समय घाटा होने के बारे में नहीं सोचा था। सॉफ्टबैंक ने पेटीएम के शेयर औसतन 800 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे थे। पेटीएम का शेयर 1,955 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ था, जो उसके निर्गम मूल्य से नौ प्रतिशत कम था।

सियाम ने ईवी के लिए रियायतें, वाहनों को कबाड़ में बदलने को

अतिरिक्त प्रोत्साहन मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने शुक्रवार को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए रियायतें मांगी। उद्योग निकाय ने साथ ही कहा कि सरकार को आगामी आम बजट में वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहनों की घोषणा करनी चाहिए। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने पूंजीगत व्यय के लिए अधिक आवंटन के साथ वृद्धि को बढ़ावा देने वाले बजट पर जोर दिया। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार को फेम 3 जैसी नीति लानी चाहिए... पीएलआई जैसी अच्छी योजनाएं पहले से ही लागू हैं, जिनके जारी रहने का हमें भरोसा है। अगर फेम 3 (इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और उनका विनिर्माण) योजना शुरू की जाती है, तो इससे इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के साथ ही सार्वजनिक बसों को वित्तीय प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। फेम 3 योजना, इलेक्ट्रिक गतिशीलता संवर्धन योजना (ईएमपीएस) की जगह लेगी, जिसे फेम 2 योजना के खत्म होने पर पेश किया

आलू, प्याज, टमाटर ने बिगाड़ा रसोई का बजट, सातवें आसमान पर सब्जियों के भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में देर से हुई बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान के चलते राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में आम उपभोक्ताओं को टमाटर जैसी रोजमर्रा की चीजें दोगुनी कीमत पर खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है।

थोक बाजारों में दुकानदारों ने बताया कि खासतौर पर आलू, प्याज और टमाटर जैसी रसोई की मुख्य वस्तुओं के साथ ही फूलगोभी, पत्तागोभी और लौकी जैसी हरी सब्जियों के दामों में उछाल आया है। आजादपुर सब्जी मंडी के एक व्यापारी संजय भगत ने बताया, फिलहाल टमाटर का थोक भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम है। स्थानीय किस्म का टमाटर 1,200 रुपये प्रति 28 किलोग्राम (एक क्रेट) और हाइब्रिड किस्म का टमाटर 1,400 से 1,700 रुपये में बिक रहा है। पहले टमाटर का भाव 25-30 रुपये प्रति किलोग्राम था। उन्होंने कहा, थोक बाजार में अन्य सब्जियों की कीमत करीब 25 से 28 रुपये प्रति किलोग्राम है। जो सब्जियां 10 से 15 रुपये में बिकती थीं, वे अब 25 से 30 रुपये में मिल रही हैं। बीन्स की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है, जो 40 से 50 रुपये प्रति

किलोग्राम बिक रही हैं। इस साल तेज गर्मी और बारिश में देरी के कारण कीमतों में उछाल आया है। भगत ने कहा कि ज्यादातर आपूर्तिकर्ता हिमाचल प्रदेश से टमाटर मंगाते हैं, जहां फसल सूख गई है। उन्होंने कहा कि पहाड़ों में फसलें बारिश पर निर्भर करती हैं और इस बार गर्मी बहुत थी और बारिश बहुत कम हुई। इससे पौधे सूख गए और कीटों से संक्रमित हो गए। उन्होंने कहा कि सूखे के बाद भारी बारिश हुई, जिससे फसलों को और नुकसान पहुंचा।

ओखला सब्जी मंडी के एक व्यापारी ने कहा कि अभी केवल दो जगहों से टमाटर की आपूर्ति हो रही है - कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश। महाराष्ट्र से 10-15 अगस्त के आसपास नई फसल आने तक कीमतें ऊंची रहेंगी।

क्या बोल रहे हैं लोग

दिल्ली में कई लोगों ने कहा कि सब्जियों की ऊंची कीमतों ने उनके बजट को बिगाड़ दिया है। लक्ष्मी नगर सब्जी मंडी में किराने का सामान खरीद रहीं सरिता ने कहा, मैं सीमित मात्रा में ही खरीद रही हूं और सिर्फ वही चीजें खरीद रही हूं, जो रसोई में बिल्कुल जरूरी हैं। आम आदमी अभी सब्जियां नहीं खरीद सकता। महरौली सब्जी मंडी में दीपक ने कहा, पहले 200 से 300 रुपये में हम पूरे हफ्ते की सब्जियां खरीद लेते थे, लेकिन अब यह दो से तीन दिन में ही खत्म हो जाती हैं। रसोई का बजट संभालना मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर, कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद कई रेस्तरां कीमतों में बदलाव करने से बच रहे हैं।

कनॉट प्लेस में जेन रेस्तरां के मालिक और नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मानद कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने कहा कि ज्यादातर रेस्तरां में निश्चित मेनू होते हैं, और उनके पास नियमित ग्राहक होते हैं, इसलिए वे आपूर्तिकर्ताओं की तरह कीमतों में उतार-चढ़ाव नहीं कर सकते।

कभी धूमधाम से आया था कंपनी का आईपीओ, अब निवेशकों का बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम के निवेशकों का अच्छे दिन का इंतजार लम्बा होता जा रहा है। बाजार में एक और चर्चा जोरों पर है। जोकि निवेशकों के नजरिए से अच्छी खबर नहीं है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के मुताबिक जापान के सॉफ्टबैंक इंवेस्टमेंट की कंपनी सॉफ्टबैंक विजन फंड ने पेटीएम के शेयरों को बेचा है। फंड कंपनी ने घाटा होते हुए भी इन शेयरों को बेच दिया।

घाटे पर हुई बिक्री!

रिपोर्ट के अनुसार सॉफ्ट बैंक ने 150 मिलियन डॉलर के घाटे पर ये बिक्री की है। 2017 में सॉफ्टबैंक ने 1.5 बिलियन डॉलर का निवेश पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशन्स) में किया था। लेकिन जून तिमाही में सॉफ्टबैंक ने 10 से 12 प्रतिशत घाटे पर शेयरों को बेच दिया है। जोकि करीब 150 मिलियन डॉलर के आस-पास होता है। बता दें, कंपनियां हर तिमाही में शेयर होल्डिंग जारी करती हैं। ऐसे में इस पूरे मसले पर आधिकारिक पुष्टि या तो कंपनी के बयान से हो पाएगी। या फिर शेयर होल्डिंग्स की जानकारी जब सार्वजनिक होगी। सॉफ्टबैंक ने 800 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से पेटीएम में निवेश किया था। पेटीएम की लिस्टिंग आईपीओ प्राइस से 9 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 1955 रुपये पर हुई थी। जबकि आईपीओ 2150 रुपये पर आया था।

17 जुलाई को बीएसई-एनएसई पर नहीं कर सकेंगे कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में कारोबार करते हैं तो आपके लिए काम की खबर है। अगले सप्ताह बुधवार, 17 जुलाई को शेयर बाजार बंद रहेगा। इस दिन आप शेयरों की खरीद बिक्री नहीं कर सकेंगे। दरअसल, 17 जुलाई को मोहर्रम है। इस मौके पर शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के अनुसार, एक्सचेंजों पर सभी एक्टिविटीज एक दिन के लिए निलंबित रहेंगी। एक्सचेंज बुधवार, 17 जुलाई 2024 को बंद रहेंगे।

मुद्रा डेरिवेटिव सेगमेंट और कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट के साथ-साथ इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट भी बंद हो जाएंगे। हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट और ईजीआर सेगमेंट केवल दिन के पहले भाग के दौरान, सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक बंद रहेगा। शाम के सत्र में शाम 5:00 बजे से रात 11:30/11:55 बजे तक ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी। आपको बता दें कि आईटी शेयरों में भारी खरीदारी के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 996.17 अंक उछलकर 80,893.51 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 276.25 अंक की बढ़त के साथ 24,592.20 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर करीब छह प्रतिशत चढ़ा था।

सोना होगा सस्ता, देशभर में एक दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर के बड़े ज्वैलर्स ने सोने के लिए वन नेशन वन रेट नीति अपनाने के लिए राजी हो गए हैं। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में सोने की कीमतों को एक समान करना है। जेम एंड ज्वैलरी काउंसिल का इसे समर्थन है। सूत्रों के हवाले से ईटी नाउ ने बताया है कि सितंबर की बैठक में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। तद्दुष्ट ने देशभर के प्रमुख ज्वैलर्स से राय ली है। एक सोने के दाम को लागू करने पर सभी की सहमति है। इस नीति को लागू करने में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए इंडस्ट्री सक्रिय रूप से विचार-विमर्श कर रही है।

यह भारत सरकार की ओर से प्रस्तावित एक योजना है। इसका लक्ष्य पूरे देश में सोने की कीमतों को एक समान करना है। इसका मतलब है कि चाहे आप देश में कहीं भी सोना खरीदें, उसकी कीमत एक ही होगी। इस योजना

के तहत सरकार एक राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज स्थापित करेगी। यह एक्सचेंज सोने की कीमतें तय करेगा और ज्वैलर्स को इसी कीमत पर सोना बेचना होगा।

क्या हैं ओएनओआर पॉलिसी के फायदे

वन नेशन वन गोल्ड रेट पॉलिसी के कई फायदे होंगे। इससे बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। सभी ग्राहकों के साथ समान व्यवहार होगा। इससे सोने का बाजार अधिक कुशल बनेगा। कीमतों में अंतर समाप्त होने से सोने की कीमतों में कमी आ सकती है। एक समान कीमत से मनमानी कीमत वसूलने की गुंजाइश नहीं रहेगी। यह नीति देशभर के सभी ज्वैलर्स को एक समान प्रतिस्पर्धा का माहौल प्रदान करेगी।

बड़ा है यह कदम

सूत्रों ने बताया है कि तद्दुष्ट ने देशभर के प्रमुख ज्वैलर्स से इस बारे में रायशुमारी की है। वन नेशन वन गोल्ड रेट को लागू करने पर सभी की सहमति है। सितंबर की बैठक में इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा हो सकती है। ओएनओआर पॉलिसी भारत में अधिक पारदर्शी और न्यायायसंगत सोने के बाजार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सोने की कीमतों को लगे हैं पंख

राजधानी दिल्ली के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर हैं। चांदी के दाम भी 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम को पार गए हैं। पिछले कुछ समय में दोनों कीमती धातुओं के दामों में जबदस्त तेजी देखने को मिली है। भू-राजनीतिक अस्थिरता ने भी सोने-चांदी की कीमतों को हवा दी है। लोग सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर देखते हैं।

एमटीएनएल का काम खत्म! घाटे में चल रही टेलीकॉम कंपनी को बीएसएनएल को सौंपने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार सरकारी टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल का संचालन बीएसएनएल को सौंपने पर विचार कर रही है। एमटीएनएल दिल्ली और मुंबई में सेवाएं देती है। दो साल पहले सरकारी मदद के बावजूद एमटीएनएल को वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लिहाजा, सरकार यह कदम उठाने को मजबूर हुई है। सूत्रों के हवाले से टाइम्स ऑफ इंडिया ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार, पहले सचिवों की समिति इस प्रस्ताव पर विचार करेगी। फिर इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। एक सूत्र ने बताया, दोनों कंपनियों का विलय नहीं हो रहा है, इसलिए एमटीएनएल को शेयर बाजार से हटाने की जरूरत नहीं है। विलय की स्थिति में एमटीएनएल को शेयर बाजार से हटाना पड़ता और कुछ शेयर वापस खरीदने पड़ते। अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि यह केवल संचालन का हस्तांतरण है।

इंडस्ट्री की ग्रोथ का एमटीएनएल नहीं उठा पाई फायदा

एमटीएनएल का प्रदर्शन खराब होने के बावजूद कंपनी के शेयरों पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। भारी नुकसान और ग्राहकों की संख्या में कमी के बावजूद क्स्श्र पर पिछले एक साल में एमटीएनएल के शेयर 139 प्रतिशत चढ़े हैं। 12 जुलाई 2014 को यह 19.4 रुपये था जो अब 46.3 रुपये पर है। पिछले एक दशक में दूरसंचार उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। लेकिन, एमटीएनएल इसका फायदा नहीं उठा सका। इसकी बाजार हिस्सेदारी और व्यापार पर पकड़ कमजोर हुई है। बीएसएनएल के साथ भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला है।

इस साल अप्रैल के अंत में ब्रॉडबैंड सहित वायरलाइन कारोबार में एमटीएनएल की हिस्सेदारी घटकर 6 प्रतिशत रह गई, जो अप्रैल 2014 में 12.5 प्रतिशत थी। वहीं, मोबाइल कारोबार में कंपनी की हिस्सेदारी घटकर लगभग 0.2 प्रतिशत रह गई है, जो एक दशक पहले लगभग 0.4 प्रतिशत थी।

एमटीएनएल के शेयरों पर पड़ सकता है असर

बीएसएनएल को रोजाना के ऑपरेशन सौंपने के प्रस्ताव का असर एमटीएनएल के शेयरों पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एमटीएनएल के पास संपत्ति के रूप में केवल जमीन और इमारतें ही बचेंगी। दूरसंचार विभाग दोनों कंपनियों के बीच एकीकरण की जल्दी में है। दोनों कंपनियां संघर्ष कर रही हैं। उनके पुनरुद्धार की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमटीएनएल का घाटा बढ़कर 3,303 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 2,911 करोड़ रुपये था। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2023-24 में परिचालन से वार्षिक राजस्व भी 15 प्रतिशत घटकर 728 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2023 में 862 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में एमटीएनएल का बकाया कर्ज बढ़कर 25,795 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 23,500 करोड़ रुपये था। कंपनी के बकाया कर्ज में 3,569 करोड़ रुपये का अल्पकालिक उधार और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर शामिल नहीं है। इसके लिए ब्याज और मूलधन का भुगतान करने की देनदारी सरकार पर है।

नौकरी छोड़ शुरू की एलोवेरा की खेती, अब सालाना 1 करोड़ रुपये कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको ऐसे पढ़े-लिखे किसान से मिलाते हैं जिन्होंने मिसाल कायम की है। उनका नाम है ऋषिकेश धने। वह महाराष्ट्र के सतारा जिले में पडाली गांव के रहने वाले हैं। एलोवेरा की खेती से सालाना 1 करोड़ रुपये की कमाई करके उन्होंने आसपास के किसानों को चौंका दिया है। उनका यह सफर कभी आसान नहीं था। इसमें कई चुनौतियां आईं। आइए, यहां ऋषिकेश धने की सफलता के बारे में जानते हैं। ऋषिकेश धने और उनके परिवार के लोग पहले ज्वार, बाजरा और सोयाबीन जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते थे। यह और बात है कि उन्हें इससे कुछ खास मुनाफा नहीं हो रहा था। ऋषिकेश बेहतर मौकों की तलाश में थे। हॉर्टिकल्चर में बीएससी करने के बाद उन्होंने छोटे पैमाने पर खेती और कृषि उत्पादों की मार्केटिंग शुरू की थी।

नौकरी छोड़ने का फैसला किया

ऋषिकेश धने का ग्रेजुएशन 2001 में पूरा हो गया था। पढ़ाई के साथ पैसे कमाने और परिवार की मदद के लिए वह छोटी कंपनियों के लिए खाद और कृषि इनपुट बेचते थे। उन्होंने अपने खेत में थोड़ी मात्रा में खीरे और टमाटर की खेती भी शुरू की ताकि उन्हें पास की मंडियों में बेचा जा सके। जल्द ही जिस कंपनी में वह काम करते थे, उसने उन्हें 3,500 रुपये महीने के वेतन पर दूसरे शहर जाने के लिए कहा। उन्हें लगा कि उतने पैसों से उनका स्वतंत्र रूप से रहना असंभव है। इसके अलावा, उनका खेती की ओर भी रुझान था। ऐसे में उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला किया। साल 2007 में ऋषिकेश के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। तब उन्होंने एक पड़ोसी किसान से 4,000 बेकार पड़े एलोवेरा के पौधे लिए थे। इस पौधे की क्षमता को पहचानते हुए उन्होंने इसे अपने परिवार के खेत में लगाया। बाद में यही बढ़कर 3 एकड़ तक फैल गए। ऋषिकेश जैविक खेती के तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इसमें वह खाद के लिए गोबर, पोल्ट्री मैन्योर और मशरूम वेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा फसल को सही रखने के लिए स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों का भी उपयोग किया जाता है। एलोवेरा अलग-अलग मिट्टी में आसानी से उग जाता है। इसकी साल भर कटाई की जा सकती है। यही वजह है कि ऋषिकेश के लिए यह एक लाभदायक फसल साबित हो रही है। वह पुणे और मुंबई में कॉस्मेटिक और दवा कंपनियों को 25 रुपये किलो के हिसाब से एलोवेरा बेचते हैं।

धनकुबेरों पर भारत में लगेगा बिलेनियर्स टैक्स? कांग्रेस ने बजट से पहले रखी ये डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक असमानता की खाई को पाटने के लिए अमीरों पर अलग से टैक्स लगाने पर सालों से बहस चल रही है। धीरे-धीरे यह बहस भारत में भी तेज हो रही है। हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान भी यह मुद्दा सामने आया था। अब वित्त वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट से पहले एक बार फिर से मुद्दा चर्चा के केंद्र में है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अरबपतियों पर बिलेनियर्स टैक्स लगाने की मांग करते हुए सरकार से पक्ष स्पष्ट करने को कहा है।

हर साल मिल सकते हैं 1.5 लाख करोड़

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर भारत में बिलेनियर्स टैक्स लगाया जाता है तो इससे सरकारी खजाने को आसानी से हर साल 1.5 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं। सरकार उस रकम का इस्तेमाल देश में और स्कूल बनाने, नए अस्पताल खोलने और सामाजिक विकास की अन्य योजनाओं पर कर सकती है।

ब्राजील ला सकता है संयुक्त घोषणापत्र

वैश्विक स्तर पर देखें तो कम से कम 2013 से सुपर रिच टैक्स की मांग जोर पकड़ रही है और इसके बारे में लगातार चर्चाएं चल रही हैं। कोविड के बाद आर्थिक असमानता की खाई चौड़ी होने के साथ-साथ उसे पाटने के उपायों पर बातें भी बढ़ गई हैं। अभी जी20 की अध्यक्षता कर रहा ब्राजील सुपर रिच टैक्स पर अधिक मुखर है। ब्राजील इसी महीने जी20 देशों के वित्त मंत्रियों की होने जा रही बैठक में सुपर रिच टैक्स पर संयुक्त घोषणापत्र लाने की दिशा में प्रयास कर रहा है।

2% की दर से बिलेनियर्स टैक्स का प्रस्ताव

[redacted]

दो-तिहाई भारतीय भी कर रहे सपोर्ट

[redacted]

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के कराची में दिमाग खाने वाले अमीबा ने ली युवक की जान

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में दिमाग खाने वाले अमीबा ने एक व्यक्ति की जान ले ली। वहां इस तरह का यह तीसरा मामला है। ताजा मामले में मृतक की पहचान औरंगजेब के रूप में हुई। वह बीती 7 जुलाई को कायदाबाद के एक फार्महाउस में अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। जहां उसने तैराकी भी की। इसके बाद उसमें इस बीमारी के लक्षण दिखने लगे। 10 जुलाई को उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 11 जुलाई को वायरस की पुष्टि हुई थी। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, औरंगजेब का जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर (जेपीएमसी) में इलाज चल रहा था। गौरतलब है कि इस बीमारी को अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (पीएएम) नाम से जानते हैं जो नेगलेरिया फाउलेरी नामक अमीबा की वजह से होती है। जब पानी के जरिये यह अमीबा शरीर में पहुंचता है तो महज चार दिन के अंदर यह इंसान के नर्वस सिस्टम यानी दिमाग पर वार करना शुरू कर देता है। बता दें कि 22 वर्षीय औरंगजेब इस साल शहर में घातक संक्रमण का तीसरा शिकार था। इससे पहले दो मामले कोरंगी और मालिर में सामने आए थे। यह संक्रमण पहले भी पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की जान ले चुका है। पिछले साल नेगलेरिया फाउलेरी से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। 98 प्रतिशत मामलों में संक्रमण घातक पाया जाता है।

वियतनाम के उत्तरी पर्वतीय इलाके में भूस्खलन, 11 लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के उत्तरी प्रांत हा गियांग में शनिवार सुबह भूस्खलन से दबकर एक मिनीबस में सवार कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वियतनाम समाचार एजेंसी के ताजा अपडेट में यह जानकारी दी गई। जब बाक मी जिले में एक सड़क पर भूस्खलन के कारण वाहन फंस गया, तो उसमें सवार सभी लोग मदद के लिए बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि मिनीबस में लगभग 16 लोग सवार थे। इसी दौरान ऊपर से हजारों घन मीटर मिट्टी सड़क पर आ गई, जिससे सभी लोग दब गए। राष्ट्रीय जल-मौसम पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार, जिस क्षेत्र में दुर्घटना हुई, वहां शुक्रवार शाम 7 बजे से शनिवार सुबह 7 बजे तक तक 280-290 मिमी बारिश दर्ज की गई।

सोमालिया में जेल से भाग रहे कैदियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी, आठ लोगों की मौत

मोगादिशु, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में सुरक्षाबलों और भागने का प्रयास कर रहे कैदियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इस घटना में पांच कैदियों और तीन सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य कैदी घायल बताए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कस्टोडियल कोर कमांड के प्रवक्ता अब्दिकानी मोहम्मद खलफ ने शनिवार को बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान तीन सैनिक भी घायल हुए हैं। सेंट्रल जेल से भागने का प्रयास कर रहे हथियारों से लैस कैदी अल-शबाब आतंकवादी समूह के सदस्य थे। जेस से भागने के प्रयास के दौरान जेल अधिकारियों और कैदियों के बीच गोलीबारी हुई। जेल अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि कैदियों ने भागने के लिए हथियार और हथगोले कैसे हासिल किए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने अल-शबाब सदस्यों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया है। फिलहाल स्थिति शांत है और सुरक्षा बलों ने सभी पांच कैदियों को मार गिराया है। हमने घटना की जांच शुरू कर दी है। अल-शबाब आतंकवादियों ने हमार सेंट्रल जेल पर हुए ताजा हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह मोगादिशु में जेल पर समूह के कैदियों द्वारा किया गया दूसरा घातक हमला है।

पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी होंगे गिरफ्तार? चुनाव आयोग ने जारी किया वारंट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री और पीटीआई नेता फवाद चौधरी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने गुरुवार को फवाद चौधरी के खिलाफ चुनाव आयोग के खिलाफ अवमानना के एक केस में जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पाकिस्तान के अखबार डॉन की खबर के मुताबिक, फवाद चौधरी के ऊपर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अभद्र भाषा और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसी मामले में फवाद चौधरी लगातार अदालत में पेश नहीं हो रहे थे, जिसके बाद सिंध से सांसद निसार अहमद दुर्रानी की अध्यक्षता वाली आयोग की चार सदस्यीय पीठ ने चौधरी के खिलाफ वारंट जारी किया। अवमानना के मामले की सुनवाई फिर से शुरू आयोग की पीठ ने फवाद चौधरी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान के खिलाफ अवमानना के मामलों की सुनवाई फिर से शुरू कर दी है। इमरान खान के वकील हाई कोर्ट में व्यस्त डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक एक जूनियर वकील ने पीठ को बताया कि उनके पास पावर ऑफ अटॉर्नी है, क्योंकि इमरान खान के वकील इस्लामाबाद हाई कोर्ट में व्यस्त हैं।

इद्दत मामले में बरी हुए इमरान खान और बूशरा बीबी, पांच घंटे के अंदर फिर गिरफ्तारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अवैध शादी के मामले में दोनों को बरी कर दिया गया है। बता दें कि इस मामले में इमरान और पत्नी बूशरा बीबी को 7 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि इस राहत के बाद भी इमरान खान को जेल में ही रहना होगा। कोर्ट के फैसला सुनाने के पांच घंटे बाद ही इमरान खान और उनकी पत्नी को तोशखाना मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं उनको दंगा भड़काने के केस में भी सजा सुनाई गई है। फिलहाल इमरान खान जेल में ही हैं। इस्लामाबाद के जिला और सत्र न्यायालय ने खान और उनकी पत्नी के खिलाफ इद्दत मामले में सभी आरोप खारिज करते हुए उन्हें बरी कर दिया। फरवरी में चुनाव से पहले ही उन्हें इस मामले में सात साल की सजा सुनाई गई थी। 71 साल के इमरान खान और उनकी पत्नी बूशरा बीबी दोनों ही को जेल हो गई थी। उनके खिलाफ याचिका में कहा गया था कि उन्होंने पहली पत्नी से तलाक और दूसरी शादी करने में उतने दिनों का गैप नहीं रखा जितना इस्लामिक कानून के मुताबिक जरूरी होता है। वहीं इस्लामाबाद कोर्ट के जज अफजल माजोका ने कहा कि इमरान खान और बूशरा बीबी की अपील को स्वीकार कर लिया गया है। बता दें कि इमरान खान पर चुनाव से पहले ही तीन केस चला दिए गए थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इमरान खान अदियाला जेल में हैं। बताया गया कि उनके बरी होने के बाद ही एनएबी की दो टीमें उन्हें अरेस्ट करने अदियाला जेल पहुंच गईं। वह लगभग एक साल से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं। 5 अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की ही एक अदालत ने तोशखाना मामले में उन्हें दोषी करार देते हुए सजा सुना दी थी। इसके बाद लाहौर के जमान पार्क स्थिति घर से उन्हें गिरफ्तार करलिया गया था। बाद में दो अन्य मामलों में उन्हें सजा दी गई। हालांकि इन मामलों में अब वह बरी हो चुके हैं। इसके बावजूद खान का जेल से आना मुश्किल है। उनके खिलाफ 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। जैसे ही एक मामले में बरी होते हैं अन्य किसी मामले में गिरफ्तार कर लिया जाता है। खान पर 100 से ज्यादा मामले खान की पहले से ही रिहाई मुमकिन नजर नहीं आ रही थी। उन पर 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। अंग्रेजी अखबार डॉन के मुताबिक, अगर इमरान जेल से बाहर आते हैं तो, वे पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग को उठाएंगे। इस साल हुए आम चुनाव में इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आधिकारिक तौर पर हिस्सा नहीं ले पाई थी। इमरान खान के एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर 5 जुलाई को हुई एक पोस्ट में इस साल 8 फरवरी को हुए आम चुनावों को फर्जी बताया गया था। ऐसे में शहबाज सरकार या फौज नहीं चाहेगी की खान किसी भी कीमत पर रिहा हों। जेल में रहकर भी सबसे ज्यादा सीटें जीतीं पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए। इनसे पहले खान को एक के बाद एक लगातार 3 मामलों में दोषी करार दे दिया गया था। इससे वे चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाए थे। चुनाव से पहले उनका पार्टी चुनाव चिह्न छीन लिया गया था। पार्टी के सभी नेता निर्दलीय चुनाव लड़े थे। इसके बावजूद खान की पार्टी क्ष्ञ्ढ के समर्थकों को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की 342 सीटों में से 93 सीटें मिलीं।

साइफर केस : इस केस की चार्जशीट में पूर्व प्रधानमंत्री के पास एक सीक्रेट लेटर यानी साइफर होने की बात कही गई। खान पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने देश की गोपनीय जानकारी का गलत इस्तेमाल किया। इस साइफर को पिछले साल मार्च में अमेरिका में तैनात पाकिस्तानी एम्बेसेडर असद मजीद खान ने विदेश मंत्रालय को भेजा था। खान ने इसे पढ़ने के बहाने अपने पास रख लिया और बाद में कहा कि यह लेटर खो गया है। हालांकि, वो साइफर को कई रैलियों में खुलेआम लहरा चुके हैं।

अमेरिकी फ्लाइट में नशे में धुत शख्स ने पेशाब किया: आरोपी ने कपड़े भी उतारे, क्रू को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। नशे में धुत एक यात्री ने बुधवार को अमेरिकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिग करने के लिए मजबूर कर दिया। यात्री ने फ्लाइट में यात्रियों के सामने अपने कपड़े उतार दिए और गलियारे में ही पेशाब कर दी थी। नील मैक्कार्थी (25) नाम के इस शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। उस पर पब्लिक में अभद्र प्रदर्शन करने के आरोप लगाए गए हैं। ओरेगन के रहने वाले मैक्कार्थी ने माना है कि उसने व्हिस्की की कई बोतलें पी रखी थीं। फॉक्स बिजनेस की रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना अमेरिकन ईगल फ्लाइट 3921 में हुई। विमान शिकागो से मैनचेस्टर जा रही थी। नील मैक्कार्थी के पेशाब कर देने के कारण विमान की बफैलो, न्यूयॉर्क में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट पर चढ़ने से पहले खूब पिया शराब विमान के एयरपोर्ट पर लैंड करते ही मैक्कार्थी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने कहा कि विमान में सवार एक यात्री से सबूत के तौर पर एक फोटो मिली है जिसमें मैक्कार्थी गलियारे में पेशाब करता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने विमान में मौजूद क्रू और अन्य लोगों के भी बयान लिए हैं। कस्टडी में मौजूद मैक्कार्थी ने पुलिस को बताया कि उसने उड़ान भरने से पहले खूब शराब पी ली थी। उड़ान के दौरान जब फ्लाइट शिकागो में ठहरी थी तब भी उसने कई पैग पिये। आरोपी को हो सकती है 6 महीने की जेल मैक्कार्थी ने सफाई देते हुए कहा कि जब वह बाथरूम से लौटा तो पेशाब से जुड़ी समस्या के कारण अचानक उसे बेचैनी होने लगी। जिसके बाद उसे गलियारे में ही पेशाब करने पर मजबूर होना पड़ा। एयरलाइंस ने उसका बयान दर्ज कर लिया है। एयरलाइंस ने अपने बयान में कहा कि विमान को बफैलो में इमरजेंसी लैंडिंग कराने के बाद उसे कुछ ही देर वापस मैनचेस्टर रवाना कर दिया गया। एयरलाइंस ने अपने कर्मचारियों के प्रोफेशनल रवैये की तारीफ की है। इसके साथ ही यात्रियों को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक मैक्कार्थी पर यूनाइटेड स्टेट कोड सेक्शन 46506 के तहत अभद्र प्रदर्शन करने के कारण 6 महीने की जेल हो सकती है और 5 हजार डॉलर (4लाख से अधिक) का जुर्माना भी लग सकता है।

शरीफ सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, अदालत के फैसले के बाद सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी पीटीआई

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को एक बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को संसद और प्रांतीय असेंबलियों में महिलाओं एवं अल्पसंख्यकों को आवंटित होने वाली आरक्षित सीटों के लिए पात्र माना है। शहबाज शरीफ सरकार को बड़ा झटका पीठ के फैसले को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इस फैसले के बाद इमरान की पार्टी संसद में 109 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी हो जाएगी, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार बनी रहेगी। सुन्नी एत्तेहाद काउंसिल (एसआइसी) ने पेशावर हाई कोर्ट के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। चुनाव आयोग के फैसले को दी गई थी चुनौती हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग के नेशनल और प्रांतीय असेंबलियों में आरक्षित सीटों में पार्टी को हिस्सा देने से मना करने वाले फैसले को यथावत रखा था। मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा की अगुआई वाली 13 सदस्यीय पूर्ण पीठ ने मामले की सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने निर्वाचन आयोग के फैसले को अमान्य घोषित करते हुए उसे देश के संविधान के विरुद्ध कहा। इस फैसले के बाद नेशनल असेंबली में 86 सीटों वाली पीटीआई को 23 आरक्षित सीटें मिलेंगी और उसके सांसदों की संख्या 109 हो जाएगी।

चीन को मंदी से उबारने पर होगा मंथन, मसौदा तैयार, अमेरिका के प्रतिबंधों से निपटेंगे शी जिनपिंग

बीजिंग, एजेंसी। चीन को मंदी से उबारने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार से अपनी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों के साथ चार दिवसीय आर्थिक समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पार्टी की ओर से तैयार किए गए नए मसौदे पर चर्चा की जाएगी। बताया जाता है कि गुरुवार तक चलने वाली बैठक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के 376 स्थायी और वैकल्पिक सदस्य भाग लेंगे।

कोविड-19 लॉकडाउन के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था लगातार मंदी से गुजर रही है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी 18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर वाली अर्थव्यवस्था के मौजूदा हाल पर दुनियाभर की नजर है। इस स्थिति में सुधार के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता वाली उनकी सत्तारूढ़ पार्टी सीपीसी के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो ने 27 जून को आर्थिक समीक्षा बैठक में चर्चा के लिए नया ड्रॉफ्ट तैयार किया है। इस ड्रॉफ्ट में चीन को आगे बढ़ाने के लिए नई स्थितियों और समस्याओं का विश्लेषण किया गया। साथ ही सुधार लागू करने की योजना बनाई गई है। चीनी मीडिया के मुताबिक पोलित ब्यूरो ने माना है कि देश के उत्पादों की कम होती मांग, देश के बाहर का अनिश्चित वातावरण और चीन के उद्योगों की देश-विदेश में कठिन स्थिति से अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है।

हालांकि चीन ने आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन और क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ की ओर से चीनी आयात पर लगाए गए भारी टैरिफ शुल्क और प्रतिबंधों से दिक्कतें आ रही हैं। ड्रॉफ्ट में इन प्रतिबंधों से निपटने के उपाय और चुनौतियों को भी शामिल किया है। ड्रॉफ्ट के मुताबिक कम्युनिस्ट पार्टी 2035 तक चीन में उच्च मानक वाली सामाजिक बाजार अर्थव्यवस्था का निर्माण करना चाहती है। मई में चीन की अर्थव्यवस्था की समीक्षा के बाद आईएमएफ ने चीन के अधिकारियों को इस बारे में चेताया भी था कि अगर आर्थिक सुधार नहीं किए गए तो 2029 तक चीन की अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी तक सिकुड़ सकती है और देश को मंदी का सामना करना पड़ सकता है। आईएमएफ की डिप्टी एमडी गीता गोपीनाथ ने बताया कि चीन की आर्थिक वृद्धि 2024 में 5 प्रतिशत पर लचीली रहने और 2025 में धीमी होकर 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रियल एस्टेट क्षेत्र के सुधार पर जोर भारतीय-चीन में मंदी का सबसे बड़ा असर रियल एस्टेट कारोबार पर पड़ा है। चीन की अर्थव्यवस्था की नींव रियल एस्टेट क्षेत्र में भारी गिरावट के चलते कई बड़े बिल्डर दिवालिया हो गए हैं। पहले तो चीन ने इस क्षेत्र में आर्थिक सुधार लागू करने में हिचिकचाहट की, लेकिन अब बिना बिके घरों और निष्क्रिय भूमि को दोबारा खरीदने के लिए अरबों डॉलर आवंटित किए हैं। इसके लिए पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने 300 बिलियन युआन (लगभग 42.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की ऋण सुविधा शुरू की है। गीता गोपीनाथ ने इसे जरूरी बताया। चीन में आईएमएफ के वरिष्ठ प्रतिनिधि स्टीव बार्नेट ने कहा कि चीन को आर्थिक सुधार जारी रखने पर ध्यान देना चाहिए।

ट्रंप पर जानलेवा हमला, बाइडन बोले- अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं, कमला हैरिस और ओबामा ने भी की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर हुए हमले से पूरा देश हैरान है। जब वो मंच पर भाषण दे रहे थे तभी उन पर गोली चलाई गई। इसके बाद ट्रंप ने अपने दाहिने कान पर हाथ रखा और नीचे झुक गए। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स तुरंत मंच पर पहुंचे। अब इस घटना पर जो बाइडन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी अपने रिएक्शन दिए हैं। एएनआई, नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनावी रैली के दौरान हमला हुआ है। जब वो मंच पर बोल रहे थे, तभी गोली चलाई गई। अब इस घटना पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, कमला हैरिस सहित कई नेताओं ने अफसोस जताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, 'सभी एजेंसियों ने मुझे घटना के बाद जानकारी दी है। मैंने ट्रंप से बात करने की कोशिश की लेकिन वह अभी डॉक्टरों के साथ हैं और सुरक्षित हैं। जिल और मैं उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए खुफिया एजेंसियों के आभारी हैं। लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा के लिए जगह नहीं जो बाइडन ने आगे कहा, लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। हमें इसकी निंदा करने के लिए एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होना चाहिए। हम इस तरह की घटनाओं को देश में होने की अनुमति नहीं दे सकते और ना ही हम ऐसा होने देंगे। जापान के पीएम ने भी जताया अफसोस जापान के पीएम फुमिओ किशिदा ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका कहना है कि ट्रंप की रैली में गोलीबारी के बाद हमें हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस घटना पर कहा, रैली में हुई गोलीबारी से स्तब्ध और दुखी हूं। ठीक से पता चला नहीं क्या हुआ अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी इस घटना पर अपने विचार व्यक्त किए हैं, उन्होंने कहा, हमारे लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं है। हालांकि हम अभी तक नहीं जानते कि वास्तव में क्या हुआ था, ये अच्छी बात है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को गंभीर चोट नहीं आई मिशेल और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने की घटना की निंदा गोली चलने के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मुझे पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यक्रम में हुई गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। डौग और मुझे राहत है कि वह गंभीर रूप से घायल नहीं है। हम उनके, उनके परिवार और उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो इस संवेदनहीन गोलीबारी से घायल और प्रभावित हुए हैं।

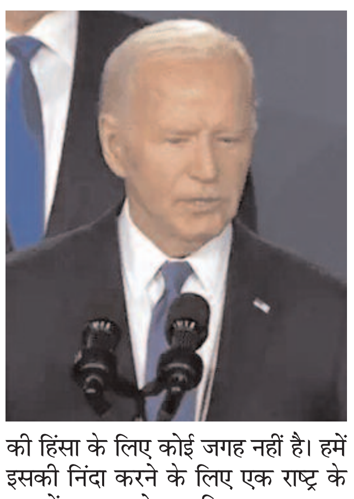

कौन था ट्रंप पर गोली चलाने वाला 20 वर्षीय युवक, कैसे रची हमले की साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शनिवार को अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले में बाल-बाल बच गए। उन पर कुछ ऊंचाई से एक हमलावर ने गोलीबारी की। हालांकि, ट्रंप को कान पर चोट आई। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। इस बीच मामले की जांच कर रहे अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने हमलावर की पहचान को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी ने कहा है कि हमलावर एक 20 वर्षीय युवक थॉमस मैथ्यू था। उसे गोलीबारी के तुरंत बाद ही एक स्नाइपर ने मार गिराया।

कौन था थॉमस मैथ्यू अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, थॉमस मैथ्यू ने गोलीबारी के लिए समारोह स्थल से कुछ ही दूर एक उत्पादन प्लांट को चुना था। वह पेंसिलवेनिया में ही बेथेल पार्क का रहने वाला था। बताया गया है कि उसने खुद को बटलर ग्राउंड में ट्रंप के संबोधन वाले स्टेज से 130 कदम दूर पोजिशन किया था। उसके गोलीबारी करने के तुरंत बाद ही सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर ने उसे गोली मार दी। बाद में जांच के दौरान हमले वाली जगह से एआर-स्टाइल राइफल भी बरामद की गई।

एफबीआई के मुताबिक, 20 साल का युवक ट्रंप के समारोह वाली जगह से करीब 60 किलोमीटर दूर बेथेल पार्क नाम की जगह पर रहता था। हालांकि, अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उसने ट्रंप पर हमला क्यों किया। घटना में एक व्यक्ति के मारे जाने और दूसरे के घायल होने के मामले का भी हमलावर से कनेक्शन निकाला जा रहा है। बता दें कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी से आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को रैली के दौरान हमला हुआ। शूटर ने काफी ऊंचाई वाली जगह से ट्रंप पर गोलीबारी की। घटना का जो वीडियो सामने आया है, उसमें ट्रंप के कान के पास से खून निकलता देखा जा सकता है। इस घटना के बाद ट्रंप खतरे से बाहर हैं। उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर बयान जारी कर खुद को गोली लगने के बारे में बताया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें पेंसिलवेनिया में रैली के दौरान निशाना बनाया गया और गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को भेदते हुए निकल गई।

चीन समर्थक केपी ओली होंगे नेपाल के प्रधानमंत्री:12 की उम्र में राजनीति में उतरे

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में शुक्रवार को पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड की सरकार गिरने के बाद केपी शर्मा ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक ओली ने नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा के साथ राष्ट्रपति को सरकार बनाने की अर्जी सौंपी है। उन्हें रविवार तक प्रधानमंत्री बना दिया जाएगा। उनका शपथ ग्रहण रविवार दोपहर तक हो जाएगा। ओली और देउबा के बीच हुई डील के मुताबिक दोनों अगले चुनाव तक बारी-बारी पीएम पद पर बने रहेंगे। सरकार चलाने के लिए दोनों के बीच 7 पॉइंट्स का एग्रीमेंट बना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें एक पॉइंट संविधान में बदलावों को लेकर भी है। नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे। वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए। फ्लोर टेस्ट में उन्हें 275 में से सिर्फ 63 सांसदों का साथ मिला। नेपाल की नेशनल असेंबली के 194 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट किया। उन्हें सरकार बचाने के लिए 138 सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी ष्ट्रक्क-स्रू ने प्रधानमंत्री प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद उनकी सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल के संविधान के आर्टिकल 100 (2) के तहत उन्हें एक महीने में बहुमत साबित करना था। वे ऐसा नहीं कर पाए। कौन हैं राम को नेपाल का बताने वाले केपी शर्मा ओली 1952 में पूर्वी नेपाल में जन्मे ओली ने स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं की। चार साल की उम्र में उनकी मां की स्मॉलपॉक्स बीमारी से मौत हो गई। उनकी परवरिश उनकी दादी राम्या ने की। ओली का राजनीतिक जीवन 12 साल की उम्र में ही शुरू हो गया जब वे कम्युनिस्ट नेता रामनाथ दहल की मदद से नेपाल के झापा चले गए थे। यहां वे झापा विद्रोह में शामिल हुए। इस विद्रोह की शुरूआत झापा में एक बड़े जमींदार की गला रेंत कर हत्या से शुरू हुई थी। इस विद्रोह को बड़े जमींदारों के खिलाफ चलाया गया था। दरअसल 1964 में नेपाल के राजा महेंद्र ने भूमि अधिकारों में बदलाव किए। इसका मकसद छोटे किसानों को वो जमीन दिलाना था जिस पर वे सालों से काम कर रहे थे। लेकिन उन पर बड़े जमींदारों का मालिकाना हक था। महेंद्र ने इसकी शुरुआत नेपाल के झापा जिले से की थी। इस दौरान छोटे किसान को जमीन दी गई। इसके बाद ही वहां जमींदारों और उनके खेतों में काम करने वाले मजदूरों के बीच विद्रोह शुरू हो गया। इसी बीच 22 साल के केपी ओली पर एक किसान धर्म प्रसाद ढकाल की हत्या के आरोप लगे और वे जेल चले गए। इस समय तक, ओली मार्क्स और लेनिन के विचारों से प्रभावित हो चुके थे। 1966 तक, वे नेपाल की कम्युनिस्ट पॉलिटिक्स में प्रवेश कर चुके थे। 1970 में, ओली 18 साल की उम्र में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने 14 साल जेल में बिताए। हालांकि, वे बहुत कम अपने उस समय की चर्चा करते हैं जब वे जेल में थे। हालांकि उनके करीबी लोगों का कहना है कि जेल ने उन पर गहरी छाप छोड़ी। ओली को शाही क्षमा मिलने के बाद 1980 के दशक में रिहा कर दिया गया था। 1990 के दशक में, ओली ने लोकतांत्रिक आंदोलन में अपने प्रयासों के लिए लोकप्रियता हासिल की, जिसने पंचायत शासन को खत्म कर दिया।

बारबोरा क्रेजिकोवा बनीं नई विंबलडन महिला सिंगल चैम्पियन

लंदन, एजेंसी। चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा के रूप में विंबलडन को शनिवार को नई महिला सिंगल चैम्पियन मिल गई। बारबोरा क्रेजिकोवा ने फाइनल मैच में इटली की जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से मात देकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीत लिया।

बारबोरा क्रेजिकोवा विश्व की 32वीं रैंकिंग की खिलाड़ी हैं और उनका सामना सातवीं रैंकिंग की खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी से हुआ। लंदन के ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस और क्रिकेट क्लब में खेले गए विंबलडन महिला फाइनल में बारबोरा क्रेजसिकोवा ने शानदार प्रदर्शन किया। क्रेजिकोवा ने पहले सेट में दमदार शुरुआत करते हुए आसानी से जीत हासिल की। लेकिन इटली की उनकी प्रतिद्वंदी जैस्मीन पाओलिनी ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल कर मैच को निर्णायक सेट में ले गईं। हालांकि, निर्णायक सेट में क्रेजिकोवा ने अद्भुत खेल दिखाया और 6-2, 2-6, 6-4 से जीत हासिल कर विंबलडन का खिताब अपने नाम कर लिया। बारबोरा ने इससे पहले 2021 में फ्रेंच ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। इसके अलावा वे दो बार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। बारबोरा चेक गणराज्य की पांचवीं खिलाड़ी हैं, जो फाइनल में पहुंची हैं। क्रेजिकोवा ने मैच जीतने के बाद कहा कि, किसी को इस बात पर यकीन नहीं था कि मैं जीत सकती हूं, मुझे भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है। मैं प्रतियोगिता शुरू होने से पहले बहुत अच्छी शेप में नहीं थी, लेकिन अब मैं एक विंबलडन विजेता हूं। वहीं, हार के बाद जैस्मीन पाओलिनी मुस्कराती रहीं और उन्होंने कहा कि फाइनल में होना अविश्वसीय रहा। मैंने प्रतियोगिता में अपने समय का लुत्फ उठाया।

जैस्मीन पाओलिनी विश्व की सातवीं रैंकिंग की खिलाड़ी हैं और वे इस सत्र में लगातार दो बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची हैं। ये पाओलिनी के लिए पिछले महीने फ्रेंच ओपन फाइनल में इगा स्वियातेक से हारने के बाद दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इसके साथ ही वह विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली इतालवी महिला खिलाड़ी भी बनीं। उन्होंने अभी तक कोई सिंगल्स ग्रैंड स्लैम नहीं जीता है।

रिकी पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स का कोच पद छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। रिकी पोंटिंग अगले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के कोच नहीं होंगे। वे दिल्ली कैपिटल्स से अलग हो गए हैं। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर दी है।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग पिछले 7 साल से दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच थे। उनके कार्यकाल में दिल्ली कैपिटल्स कभी चैंपियन नहीं बन पाई है। पोंटिंग के जाने के बाद यह संभावना जताई जा रही है कि टीम के मौजूदा निदेशक सौरव गांगुली को अगले सत्र में मुख्य कोच की भी जिम्मेदारी दी जा सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, आपने सात सालों में टीम को कई चीजें सीखाई। आपके योगदान को शब्दों में बयां करना संभव नहीं है। पंत की कार एक्सीडेंट के बाद वापसी में रिकी पोंटिंग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पंत की कार एक्सीडेंट के बाद वापसी में रिकी पोंटिंग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

2019 में टीम पहुंची थी फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वर्ल्ड कप टीम के कप्तान रहे रिकी पोंटिंग 2019 में टीम के मुख्य कोच बने थे। उनके मार्गदर्शन में टीम 2021 में पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही। वहीं 2019 और 2020 में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। 2021 के बाद टीम का प्रदर्शन में गिरवाट आई। टीम प्ले ऑफ तक नहीं पहुंच सकी। वहीं ढ्ढक्क 2024 में दिल्ली कैपिटल्स छठे नंबर पर रही।

गांगुली को दी जा सकती है जिम्मेदारी

टीम के सहायक कोच प्रवीण आमरे पद पर बने रहेंगे। वहीं उम्मीद की जा रही है कि सौरव गांगुली को मुख्य कोच की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जा सकती है। दिल्ली के सह-मालिक जेएसडब्ल्यू और जीएमआर समूह की इस महीने के अंत में या अगले महीने की शुरुआत में बैठक होने वाली है। इस बैठक में अगले कोच को लेकर बातचीत की जाएगी।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना चैंपियन, युवराज ने यूनुस खान को दिया करारा जवाब

बर्मिंघम, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के खिताबी मंच पर युवराज सिंह की कप्तानी में रिटायर्ड भारतीय क्रिकेटरों की पलटन ने पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया है कि अब वो चाहकर भी इसे भूल नहीं पाएगा।

इंडिया चैंपियंस ने शनिवार को खेले गए रोमांचक फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का खिताब अपने नाम कर लिया। युवराज सिंह की अगुआई में टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और पाकिस्तान के खिलाफ कमबैक करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ ही इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को उसके एक बयान का करारा जवाब दे दिया। दरअसल, डब्ल्यूसीएल 2024 के ग्रुप स्टेज में हुई भारत-पाकिस्तान भिड़ंत में पाकिस्तान ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। इस जीत के बाद पाकिस्तानी कप्तान यूनुस खान खुशी में जरूरत से ज्यादा बोल गए थे।

यूनुस खान ने कहा था कि भारत को हराकर उन्होंने बदला ले लिया। खान का बदला लेने से यहां मतलब टी20 विश्व कप 2024 में भारत के हाथों पाकिस्तानी टीम को मिली हार से जुड़ा था। ग्रुप स्टेज में भारत को हराने के बाद पाकिस्तान का अति आत्मविश्वास उन पर हावी होता दिखा। खिताबी मुकाबले में भारत को हल्के में लेते हुए पाकिस्तान चैंपियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 156/6 का स्कोर बनाया। कामरान अकमल (19 गेंदों पर 24 रन) और मकसूद (12 गेंदों पर 21 रन) ने टीम को ठोस शुरुआत दी, लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम बड़ा टोटल सेट करने में विफल रही। शोएब मलिक ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, उन्होंने 36 गेंदों पर 41 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। कप्तान यूनुस खान अपनी छाप छोड़ने में विफल रहे और उन्हें इरफ़ान पठान ने 7 रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया।

इसके बाद मिस्बाह उल हक 18 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए, सोहेल तनवीर (9 गेंद पर नाबाद 19 रन) के योगदान ने पाकिस्तान को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो, अनुरीत सिंह ने तीन विकेट लिए। विनय कुमार, पवन नेगी और इरफ़ान पठान ने 1-1विकेट लिया। जवाब में, इंडिया चैंपियंस ने रॉबिन उथप्पा (10) को जल्दी खोने के बावजूद अंबाती रायडू की 50 रनों की विस्फोटक पारी के जरिए टीम ने जीत की नींव रखी। हालांकि, सुरेश रैना के जल्दी आउट होने के बाद पाकिस्तान ने मैच में कमबैक किया। लेकिन रायडू और गुरकीरत सिंह मान (33 गेंद पर 34) के बीच मजबूत साझेदारी ने भारत को मुकाबले में बनाए रखा।

इस जोड़ी के बाद यूसुफ पठान के 16 गेंदों पर 30 रन बनाने से भारत की स्थिति मजबूत बनी रही। पठान अंतिम ओवर में आउट हो गए। फिर, कप्तान युवराज सिंह (नाबाद 15) और इरफान पठान (नाबाद 5) के क्रीज पर रहते हुए भारत ने 19.1 ओवर में 5 विकेट पर 159 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पाकिस्तान के गेंदबाज अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद भारत को लक्ष्य की ओर बढ़ने से नहीं रोक पाए। आमिर यामीन ने 2, तो सोहेल तनवीर और सोहेल खान ने एक-एक विकेट लिया।

कारगिल विजय दिवस पर सीमावर्ती गांव की लड़कियों ने दिखाया दम

- सेना के अधिकारियों के अनुसार, इस पहल के दो मुख्य उद्देश्य थे – महिला सशक्तीकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, और एक मजबूत और सक्षम नागरिक बनाना, जो देश की रक्षा और उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। प्रतियोगिता के दौरान, कुछ लड़कियों ने एयर राइफल और पिस्टल निशानेबाजी में असाधारण प्रतिभा दिखाई।

अखनूर, एजेंसी। 25वें करगिल विजय दिवस के मौके पर भारतीय सेना ने देश के अंतिम सीमावर्ती गांव पल्लनवाला सेक्टर में लड़कियों के लिए एक एयर राइफल और पिस्टल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के दौरान, भाग लेने वाली लड़कियों को हथियार चलाने और निशाना लगाने की बुनियादी बातें सिखाई गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लड़कियों में आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की भावना जगाना, साथ ही उन्हें भविष्य में देश की रक्षा में भाग लेने के लिए प्रेरित करना था। इस प्रतियोगिता से पहले सात दिनों की ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें लड़कियों ने निशाना लगाने का अभ्यास किया था। सेना की इस पहल से ग्रामीण लड़कियों में जबरदस्त उत्साह है, जिसके चलते लगभग 50 लड़कियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। एक प्रतिभागी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं सेना की पहल से बहुत उत्साहित हूं।

मार्क वुड दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में शामिल

लंदन, एजेंसी। तेज गेंदबाज मार्क वुड को वेस्टइंडीज के खिलाफ गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है। लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज पर पारी और 114 रन से इंग्लैंड की करारी जीत के बाद अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वुड को टीम में शामिल किया गया है। वुड की आखिरी टेस्ट उपस्थिति मार्च में धर्मशाला में भारत के खिलाफ थी और पिछले महीने वेस्टइंडीज में 2024 पुरुष टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के लिए खेलने के कारण उन्होंने लॉर्ड्स में पहला टेस्ट नहीं खेला था। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से बढ़त बनाए हुए है।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र के इस चक्र में लॉर्ड्स में इंग्लैंड की जीत सिर्फ चौथी थी क्योंकि उनके 33 अंक और 25 फीसदी अंक प्रतिशत है। वे अंक प्रतिशत के मामले में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के साथ निचले आधे हिस्से में हैं। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को पदार्पण का मौका दिया, जिन्होंने 12/106 विकेट लिए- जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी नवोदित गेंदबाज द्वारा चौथा सर्वश्रेष्ठ मैच आंकड़ा है। मैथ्यू पॉट्स और अनकैप्ड डिलन पेनिंगटन टेस्ट टीम में इंग्लैंड के अन्य सीम-गेंदबाजी विकल्प हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम – बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, डिलन पेनिंगटन, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, मार्क वुड

पेरिस ओलंपिक

पहली बार कुश्ती में दी गई वरीयता, विनेश नहीं, ये दो भारतीय वरीय खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में वरीयता का फैसला 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप के साथ जाग्रेब और बुडापेस्ट में रैंकिंग श्रृंखला में पहलवानों के प्रदर्शन के आधारित है। कुश्ती प्रतियोगिताएं पांच अगस्त को शुरू होंगी और खेलों के आखिरी दिन 11 अगस्त को समाप्त होंगी।

पेरिस ओलंपिक का आयोजन कुछ ही दिनों में होगा और उससे पहले कुश्ती स्पर्धाओं के लिए वरीय खिलाड़ियों की घोषणा कर दी गई है। यह पहली बार है जब ओलंपिक में कुश्ती में वरीयता दी गई है। भारतीय पहलवान और विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम पंघाल और प्रतिभाशाली पुरुष पहलवान अमन सहरावत को उनके संबंधित भार वर्गों में चौथी और छठी वरीयता मिली है। इसका मतलब है कि इन दो पहलवानों को शुरुआती मुकाबलों में कठिन प्रतिद्वंद्वियों का सामना नहीं करना होगा। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से होगा। ओलंपिक में वरीयता का फैसला 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप के साथ जाग्रेब और बुडापेस्ट में रैंकिंग श्रृंखला में पहलवानों के प्रदर्शन के आधारित है। अंतिम महिला 53 किग्रा और अमन पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। कुश्ती प्रतियोगिताएं पांच अगस्त को शुरू होंगी और खेलों के आखिरी दिन 11 अगस्त को समाप्त होंगी।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया : बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला

नईदिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया क्या पाकिस्तान जाएगी, यह बड़ा विषय बन गया है। पाकिस्तान के पास चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के पूरे राइट्स हैं लेकिन भारत की इसमें भागीदारी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। कथित तौर पर क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने या भारत के मैचों को किसी तटस्थ स्थान पर शेड्यूल करने का अनुरोध किया था, लेकिन शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने इस दिशा में कोई काम नहीं किया है। इसी बीच खबर आई कि टीम इंडिया पाकिस्तान जा सकती है। मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला आगे आए हैं। उन्होंने इस विषय पर उठ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। शुक्ला ने एक चैनल पर दी इंटरव्यू में कहा कि हमें नहीं पता कि किस स्रोत ने ऐसी जानकारी दी। बीसीसीआई ने इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। समय के साथ दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। इनके बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी।

पदक का रंग बदलने को बेताब होंगी लवलीना

● अब तक सिर्फ इतने भारतीय मुक्केबाजों ने ही जीते हैं पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की ओर से चार महिला और दो पुरुष मुक्केबाजों से पदक लाने की उम्मीदें हैं, लेकिन इनमे लवलीना और निकहत पर अधिक दारोमदार रहेगा।

भारत के अन्य एथलीटों की तरह ही भारतीय मुक्केबाज भी पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह कमर कस चुके हैं। इस बार देश को निकहत जरीन और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन से पदक लाने की काफी उम्मीदें हैं। भारत की ओर से चार महिला और दो पुरुष मुक्केबाजों से पदक लाने की उम्मीदें हैं, लेकिन इनमे लवलीना और निकहत पर दारोमदार रहेगा।

अब तक सिर्फ तीन भारतीयों ने जीते हैं पदक

मुक्केबाजी ऐसी स्पर्धा है जिसमें पिछले चार ओलंपिक में से तीन में भारत पदक लाने में सफल रहा है। ओलंपिक मुक्केबाजी में पिछले दो पदक देश की बेटियों मैरीकॉम और लवलीना बोरगोहेन ने दिलाए हैं और इस बार लवलीना के साथ निकहत से बड़ी उम्मीदें लगी हैं। भारत की ओर से मुक्केबाजी में सबसे पहला पदक विजेंद्र कुमार ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में जीता था। उस वक्त विजेंद्र ने पुरुष 75 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया था। 2012 लंदन ओलंपिक में महिला मुक्केबाजी को भी शामिल किया गया और दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम ने इतिहास रचते हुए पदक जीता। मैरीकॉम ने भी कांसा अपने नाम किया था। इसके बाद 2016 में देश को इस स्पर्धा में कोई पदक नहीं मिला, लेकिन टोक्यो ओलंपिक में लवलीना ने कमाल करते हुए मुक्केबाजी में तीसरा पदक देश को दिलाया। हालांकि, उन्हें भी कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा था।

निकहत के पास प्रभाव छोड़ने का अवसर

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन को तैयारियों के लिए अच्छा समय मिला है। निकहत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है और उनके पास ओलंपिक पदक जीतकर खुद को ओलंपिक जैसे मंच पर साबित करने का अच्छा मौका रहेगा। पिछले ओलंपिक में 69 किग्रा में पदक दिलाने वाली लवलीना पेरिस में 75 किग्रा में उतरेंगी। इसी भारवर्ग में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप और एशियाड पदक जीते हैं। जैस्मीन और प्रीति के लिए भी मौका है। पुरुष वर्ग में अमित पंघाल के पास एशियाड विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक हैं। ओलंपिक पदक के लिए वह कोई कसर नहीं रखेंगे। निशांत देव भी अनुकूल ड्रॉ मिलने पर चौंका सकते हैं।

अगर प्लेयर सुरक्षित महसूस नहीं करते तो न जाएं पाकिस्तान : हरभजन सिंह

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी माह में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की भागीदारी पर पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने बयान दिया है। 103 टेस्ट के अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि अगर भारत अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस नहीं करता है तो वह उन्हें पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं, पाकिस्तान आगे बढ़ सकता है और भारत के बिना ही टूर्नामेंट को आगे बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में बोलते हुए हरभजन ने कहा कि यदि हमारे खिलाड़ी पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं हैं, तो हम टीम नहीं भेजेंगे। यदि आप खेलना चाहते हैं, तो खेलें; यदि नहीं, तो न खेलें। भारतीय क्रिकेट पाकिस्तान के बिना भी जीवित रह सकता है।

किसी ने भी नहीं सोचा था कि मैं 36 डेज में ग्रे किरदार निभाऊंगी: नेहा शर्मा

इल्लीगल, शाइनिंग विद द शर्मा जैसी वेब सीरीज के बाद एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों 36 डेज को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज में वह फराह का किरदार निभा रही हैं। शो में अपनी कास्टिंग पर नेहा ने बात की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी सोचा था कि मैं एक ग्रे किरदार निभा सकती हूं, इसलिए जब मेकर्स ने 36 डेज के लिए मुझसे बात की, तो मैं एक्टसाइटेड हो उठी। मैंने ओरिजनल बीबीसी शो 35 डेज का थोड़ा सा हिस्सा देखा था, और यह बिल्कुल दिमाग घुमाने वाला था। उन्होंने कहा, जब उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए चुना, तो मैं इसका हिस्सा बनने के लिए बेताब थी। इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी।

मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि इस शो को लेकर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उम्मीद करती हूं कि वे इसका आनंद लेंगे। शो में पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, अमृता खानविलकर, शारिब हाशमी, सुशांत दिवगिकर, शेरनाज पटेल, फैजल राशिद, चाहत विग और केनेथ देसाई अहम रोल में हैं। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित, 36 डेज यूके शो 35 डेज का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है। 36 डेज का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। सीरीज सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है। बता दें कि, नेहा क्रूक, यमला पगला दीवाना 2, यंगिस्तान, तुम बिन 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 से जुड़े संजय दत्त

साजिद नाडियाडवाला ने किया ग्रैंड वेलकम

कॉमेडी फिल्म हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त हाउसफुल 5 अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। यह 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अब फिल्म को लेकर उत्साहित प्रशंसकों के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है। यह खबर कलाकारों की सूची में नवीनतम जुड़ाव के बारे में है, जिसमें बॉलीवुड के शानदार अभिनेता संजय दत्त शामिल हो गए हैं।

हाउसफुल 5 से जुड़े संजय दत्त

हाउसफुल 5 के कलाकारों में अक्षय कुमार, अनिल कपूर, अभिषेक बच्चन, नाना पाटेकर, रितेश देशमुख और चंकी पांडे प्रमुख भूमिका में हैं और अब, संजय दत्त अपनी प्रसिद्ध कॉमेडी टाइमिंग के साथ बोर्ड पर आ गए हैं। इसने फिल्म में मनोरंजन की एक अतिरिक्त परत जोड़ दी है और दर्शक अनोखे चुटकुलों और मनोरंजन के साथ और भी अधिक हंसी की उम्मीद कर सकते हैं।

साजिद नाडियाडवाला ने किया स्वागत

प्रोडक्शन हाउस ने अपने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए लिखा, एनजीई फैमिली यह एलान करते हुए रोमांचित है कि संजय दत्त, हाउसफुल 5 परिवार में शामिल हो रहे हैं। पागलपन से भरी एक और रोमांचक यात्रा का इंतजार है। साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 का निर्देशक तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। इस खुशखबरी के सामने आते ही प्रशंसकों ने पोस्ट पर प्रतिक्रियाओं की लड़ी लगा दी। तमाम सोशल मीडिया यूजर्स फिल्म में संजय दत्त के जुड़ाव पर खुशी साझा करते नजर आए हैं।

संजय दत्त ने साझा की खुशी

हाउसफुल 5 से जुड़ने की खुशी साझा करते हुए संजय दत्त ने कहा, साजिद मेरे लिए परिवार की तरह हैं, और हमारी दोस्ती पिछले कुछ वर्षों में और मजबूत हुई है। मैं हाउसफुल 5 में उनके साथ दोबारा काम करने को लेकर रोमांचित हूं और आने वाले वर्षों में उनके साथ कई और सहयोग करने की उम्मीद करता हूं।

हाउसफुल 5 की रिलीज डेट

बता दें, फ्रेंचाइजी की पहली किस्त हाउसफुल 2010 में रिलीज हुई थी जिसमें अक्षय कुमार, जिया खान, अर्जुन रामपाल, जैकलीन फर्नांडीज, लारा दत्ता और चंकी पांडे मुख्य भूमिका में थे। दूसरी फिल्म 2012 में सिनेमाघरों में हिट हुई। हाउसफुल 3 और 4 क्रमशः 2016 और 2019 में रिलीज हुईं। हाउसफुल 5 6 जून, 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। यह तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित है।

• महिला स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधानों में कमी पर अपूर्वा अरोड़ा ने जताई चिंता

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में दिखने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने महिलाओं के लिए उचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की है। पीसीओडी (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) से जूझने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद महिलाओं को समर्पित शोधों की कमी है। पीसीओडी एक हार्मोन से जुड़ी बीमारी है, जिसमें महिलाओं में सामान्य फर्टिलिटी साइकिल बाधित हो जाता है। एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए अपूर्वा ने कहा, (महिला शरीर के बारे में) समझ में यह कमी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर गलत असर डालता है। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, और अगर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल रही है, तो यह एक समाज के रूप में हमारी प्रगति पर सवाल उठाता है।

एक्ट्रेस ने कहा, पारंपरिक रूप से, महिलाओं को अधिकार वाले पदों पर कम प्रतिनिधित्व दिया गया है और अक्सर उन्हें उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए मान्यता नहीं मिली है। स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक समानता हासिल करने और सभी की जरूरतें पूरी करने के लिए इन मुद्दों पर काम करना महत्वपूर्ण है, जो आम तौर पर छोटे कदम लगते हैं। हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी अपूर्वा ने यह भी बताया कि कैसे योग ने उन्हें पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि योग उनकी फिटनेस यात्रा में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कई तरह के व्यायाम आजमाए, लेकिन योग ही उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ है। उन्होंने कहा, योग ने मुझे पिछले कुछ साल में पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है और साथ ही पुरानी चोटों को ठीक करने में भी सहायक रहा है।

रिलेशनशिप पर बोलीं आशा नेगी

• कहा- मैं सिंगल हूं, खुश हूं और सब बढ़िया चल रहा है

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ टीवी शो पवित्र रिश्ता में काम करने वाली अभिनेत्री आशा नेगी के रिलेशनशिप को लेकर काफी सवाल किए जाते हैं। आशा के प्रशंसक उनके सोशल मीडिया हैंडल उनके रिश्ते को लेकर कमेंट करते रहते हैं। अब आशा नेगी ने अपने रिलेशनशिप और सोशल मीडिया को लेकर खुलकर बात की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आशा नेगी ने कहा कि लोग डेटिंग को लेकर उनकी आलोचना करते रहते हैं। इसके चलते वो सोशल मीडिया से दूरी बनाने की जरुरत पर भी जोर देती हैं।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अब वो इसकी आदी हो चुकी है। पहले लोगों की टिप्पणियों से परेशानी होती थी, लेकिन अब इसकी आदत हो चली है। आशा ने कहा कि वो खुद को इस दबाव में नहीं रखती हैं कि उन्हें हर वक्त सोशल मीडिया पर दिखना है। अपने आप को आजादी देने के लिए वो सोशल मीडिया से दूरी बनाती रहती हैं। आशा से पूछा गया कि आजकल कलाकारों पर सोशल मीडिया पर दिखने का दबाव रहता है। अपने जवाब में इस दबाव को स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से लाभ उठाना चाहिए, न कि इसका दुरुपयोग करना चाहिए। अपने रिलेशनशिप पर बात करते हुए आशा नेगी ने साफ-साफ शब्दों में कहा कि वो इन दिनों सिंगल हैं और उसी में खुश हैं।

मेरी सबसे बड़ी खासियत सादगी, बच्चों जैसा नेचर और खुशमिजाजी: शुभांगी अत्रे

भाभीजी घर पर हैं की अंगूरी भाभी यानि शुभांगी अत्रे असल जिंदगी मे काफी सुलझी हुई इंसान हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि जब खुद को जानने की बात आती है, तो वह अपने आप में बहुत कॉन्फिडेंट हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं कहूंगी कि मेरी सबसे बड़ी खासियत मेरी सादगी, बच्चों जैसा नेचर और खुशमिजाजी है। मैं सीधी-सादी, हमेशा कुछ जानने की इच्छा रखने वाली और बहुत पॉजिटिव इंसान हूं। मैं खुद को बहुत अच्छी तरह से जानती हूं।

मैं कंफ्यूज नहीं होती, मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं और उस पर खरी उतरती हूं। उन्होंने कहा, मैं वैसी ही इंसान हूं जैसी मैं पहली बार इंडस्ट्री में आई थी- सिंपल, थोड़ी भोली और लोगों पर जल्दी भरोसा करने वाली। मेरा मानना ??है कि ये अच्छी क्वालिटी हैं। मेरी मां हमेशा मुझसे कहती थीं, मजबूत बनो, लेकिन किसी को धोखा मत दो। इसलिए, भले ही कोई मुझे बेवकूफ बनाने की कोशिश करे, मैं अच्छे बने रहने पर ही विश्वास करती हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं लोगों को हर समय मेरा फायदा उठाने देती हूं। अगर कोई मेरे साथ गलत करता है, तो यह उसका नुकसान है।

पहले ही दिन डिजास्टर हुई सरफिरा, सेल्फी और बेलबॉटम से भी कम रहा कारोबार

दिग्गज एक्टर अक्षय कुमार की मच अवेटेड फिल्म 'सरफिरा' शुक्रवार (12 जुलाई) को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म साल 2020 में आई हिट तमिल फिल्म सोरारई पोटरूकी ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। हालांकि क्रिटिक्स ने फिल्म को जमकर सराहा, लेकिन फैंस ने वैसा रिस्पोंस नहीं दिया जैसी उम्मीद की जा रही थी। भारी उम्मीदों के बावजूद फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन कुछ खास नहीं रहा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'सरफिरा' ने भारत में 2.40 करोड़ रुपए की कमाई की। सुबह के शो में लगभग 7.03त्न लोग दिखे जबकि शाम के शो में 13.72त्न के साथ कुछ सुधार हुआ और रात के शो में 20.24त्न की बढ़ोतरी हुई। माना जा रहा है कि वीकेंड के दो दिन शनिवार व रविवार को इसके प्रदर्शन में सुधार होगा। फिल्म का बजट करीब 85 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। सरफिरा अक्षय की 2023 में रिलीज हुई फिल्म सेल्फी और 2021 में आई 'बेलबॉटम' से भी नीचे है। 'सेल्फी' ने 2.55 करोड़ और बेलबॉटम ने 2.75 करोड़ के साथ शुरुआत की थी।

इससे पहले इसी साल रिलीज हुई अक्षय की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां ने भी एक्टर को निराश किया था।

शमा सिकंदर ने शेयर की बोल्ड फोटो

शमा सिकंदर अपनी एक्टिंग से ज्यादा अदाओं और बोल्डनेस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उनका हर नया लुक तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होता है। इस बीच एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया लुक शेयर किया है। शमा सिकंदर ने अपने इंस्टाग्राम पर ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए अपनी एक फोटो शेयर की है। एक्ट्रेस की यह फोटो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस उनके इस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। 41 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने खुद को काफी फिट रखा है। हॉटनेस के मामले में तो वह किसी भी एक्ट्रेस को टक्कर दे सकती हैं। शमा ने टीवी से लेकर, बॉलीवुड और म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। उन्हें सोनी टीवी के शो ये मेरी लाइफ है से लोकप्रियता हासिल मिली। वह बाल वीर और मैया- स्लेव ऑफ हर डिजायर्स सहित कई शो में काम कर चुकी हैं।

रिश्तों में सबसे महत्वपूर्ण चीज बातचीत है: सनी लियोन

एमटीवी का डेटिंग रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5- एक्सस्क्वीज मी प्लीज सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। शो को एक्ट्रेस सनी लियोन होस्ट कर रही हैं। उन्होंने रिश्तों के हर पहलू पर काम करने वाले की फैक्टर को शेयर किया। शो के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान, सनी ने कहा, रिश्तों में सबसे इम्पोर्टेन्ट चीज क्या होती है? कम्युनिकेशन। हमारे आइडियल मैच के लिए बेकेशन का समय आ गया है। शोडाउन के बाद, नायरा और दिग्विजय ने आइडियल मैच जीत लिया। बाद में, हर्ष ने खुलासा किया कि कशिश को छोड़ने का उसका फैसला एडी के दिमाग की उपज था। इससे कशिश हैरान और दुखी हो गई। एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5-एक्सस्क्वीज मी प्लीज एमटीवी और जियो सिनेमा पर उपलब्ध है।

-साभार एजेंसी